नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 140 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड की बेटी शुभांशी चक्रवर्ती को 'महात्मा अवार्ड 2025' से सम्मानित किया गया

झामुमो ने घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए किया शंखनाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

घाटशिला। घाटशिला के टाउन हॉल में झामुमो के विधानसभा स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड सरकार के उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, परिवहन मंत्री दीपक बिरूआ, सांसद जोबा माझी समेत कई नेता पहुंचे। इस प्रशिक्षण शिविर में विधानसभा के विभिन्न प्रखंड से पार्टी के पदाधिकारी, बूथ स्तर से सक्रिय पांच पांच सदस्य पहुंचे। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों के बीच मंत्रियों ने घाटशिला उप चुनाव के लिए शंखनाद करते हुए सभी को बूथ मजबूत करने का संकल्प लिया। मंत्रियों ने कार्यकर्ताओं के बीच जोश भरने का काम किया। प्रशिक्षण शिविर में बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती, पूर्व विधायक कुणाल सारंगी,

लक्ष्मण टुडू, सोमेश सोरेन, मोहन कर्मकार, राजू गिरी, जिला परिषद चेयरमैन बारी मुर्मू समेत कई नेता मौजूद थे। दीपक बिरूआ ने कहा जितना भी प्रयास भाजपा कर ले इस क्षेत्र से हमारे जड़ को हिलाना मुश्किल है। प्रत्येक बूथ में 500 वोट लाने का संकल्प लेना होगा। कोई भी घाटशिला से आपको हराने की चुनौती नहीं दे सकता है। रामदास सोरेन ने जिस विश्वास से घाटशिला का नेतृत्व किया। इस क्षेत्र को विकसित क्षेत्र बनाने का काम किया। आज वे हमारे बीच में नहीं। लेकिन उनके भावनाओं को आगे बढ़ाने का काम करना है। युवा नेता सोमेश सोरेन के नेतृत्व में आगे बढ़ना होगा। एक तरफ हमारे सीएम हेमंत सोरेन है। दूसरे तरफ कोल्हान के चार पूर्व मुख्यमंत्री एक तरफ है।

कार्यकाल समाप्त होने से पहले होगा बिहार का चुनाव : आयोग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर, 2025 को समाप्त हो रहा है और उससे पहले चुनाव करा लिए जाएंगे। यह बात मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राजधानी पटना में रविवार को प्रेस वार्ता में कही। इस दौरान उन्होंने बिहार में होनेवाले विधानसभा चुनाव को लेकर कई अहम जानकारियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने पहली बार बूथ-स्तरीय अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया है। एसआईआर 24 जून, 2025 को शुरू किया गया और समय सीमा तक पूरा हुआ। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग की पूरी टीम पिछले दो दिनों से बिहार में है। इससे पहले भी हमारे सीनियर अधिकारी पूरे बिहार का दौरा कर चुके हैं। यहां आने के बाद आयोग

ने सबसे पहले मान्यता प्राप्त दलों के साथ बैठक की। राज्य के सीनियर अधिकारियों के साथ भी मीटिंग हुई है। अब हम लोग आखिरी चरण में हैं और पूरा ब्यौरा देकर दिल्ली जाना है। सीईसी ने कहा कि चुनाव आयोग ने पहली बार बूथ लेवल एजेंट्स को ट्रेनिंग दी। इसकी शुरुआत बिहार से हुई। यह ट्रेनिंग कुछ महीने पहले दिल्ली में सम्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि बूथ लेवल ऑफिसर्स की भी खास ट्रेनिंग दी गई है। साधारण तौर पर पुलिस अधिकारियों की ट्रेनिंग जिला या स्टेट टीम में होती थी लेकिन इस बार दिल्ली में भी ट्रेनिंग शुरू की गई। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि नामांकन की अंतिम तारीख से 10 दिन पहले तक अभी समय है। अगर किसी व्यक्ति या किसी राजनीतिक दल को यह चिंता है कि कोई पात्र मतदाता छूट गया है या कोई अपात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में है, तो वे अपनी दावे और आपत्तियां दर्ज कर सकते हैं। प्राप्त दावों और आपत्तियों का समाधान ईआरओ स्तर पर किया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद चुनाव समाप्त होने तक सूची स्थिर रहती है। अभी भी समय बाकी है। उन्होंने कहा कि जहां तक व्यय सीमा का सवाल है तो निर्वाचन आयोग की ओर से व्यय सीमा के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। प्रत्येक जिले में एक व्यय पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया गया है, जो राजस्व सेवाओं से होगा और व्यय का हिसाब रखेगा। सीईसी ने बताया कि किसी भी बूथ पर 1200 से ज्यादा वोटर नहीं होंगे। 100 फीसदी वेब कास्टिंग होगी। इसके अलावा पोलिंग बूथ के कमरे के बाहर मोबाइल जमाकर वोट डालने की सुविधा होगी। सभी 90 हजार पोलिंग बूथ पर ये सुविधा होगी। मतदाताओं को दी जानेवाली वोटर स्लिप बूथ की संख्या बड़े अक्षरों में होगी, जिससे बूथ ढूंढना आसान होगा। सीईसी ने बताया कि चुनाव आयोग 17 नए प्रयोग बिहार चुनाव में करने जा रही है। आगे यह पूरे देश में लागू होगा। ईवीएम पर प्रत्याशियों की रंगीन फोटो होगी। वोटर आईडी कार्ड में वोटर आईडी नंबर बड़ा होगा। इवीएम की काउंटिंग में कोई भी गलती होगी तो सभी वीवीपैट की गिनती होगी। इसके अलावा बैलेट वोट की भी गिनती अनिवार्य होगी।

भारत-अफ्रीका के बीच वनडे मुकाबला 30 नवंबर को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। करीब तीन साल के लंबे इंतजार के बाद रांची का जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम फिर से वनडे मुकाबले की मेजबानी करने जा रहा है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की ओडीआई सीरीज का पहला मैच 30 नवंबर को यहीं खेला जाएगा। इसके बाद सीरीज के बाकी दो मुकाबले रायपुर और विशाखापट्टनम में होंगे। खास बात यह है कि इस मैदान पर आखिरी वनडे भी अक्टूबर 2022 में इन्हीं दोनों टीमों के बीच खेला गया था, जिसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 7 विकेट से हराया था। इस हाइवोल्टेज मुकाबले के लिए टिकटों की बिक्री मैच से पांच दिन पहले यानी 25 नवंबर से शुरू होगी। दर्शक स्टेडियम के वेस्ट गेट स्थित काउंटर से टिकट खरीद पाएंगे। वहीं ऑनलाइन टिकट बिक्री को लेकर जेएससीए ने अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। लंबे समय बाद टीम इंडिया को रांची में खेलते देखने के लिए दर्शकों में खासा उत्साह है। माना जा रहा है कि टिकट खिड़की खुलते ही फैंस की भारी भीड़ उमड़ेगी। जेएससीए स्टेडियम अब तक कुल 6 वनडे मैचों का गवाह बना है। इनमें से भारत ने 3 मुकाबले जीते, 2 में हार मिली और 1 मैच रद्द हुआ। 2013 में यहां पहला वनडे खेला गया था जिसमें भारत ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया था। इसके बाद श्रीलंका (2014) और दक्षिण अफ्रीका (2022) पर भी भारत ने जीत दर्ज की। वहीं न्यूजीलैंड (2016) और ऑस्ट्रेलिया (2019) ने यहां टीम इंडिया को मात दी थी। अब एक बार फिर दर्शकों की निगाहें धोनी के शहर में टीम इंडिया की जीत पर टिकी होंगी।

संक्षिप्त समाचार

बुजुर्ग की गला रेतकर हत्या

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के चैनपुर थाना अंतर्गत कुदागा कला गांव में शनिवार रात एक बुजुर्ग की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 65 वर्षीय निजामुद्दीन अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। मृतक के बड़े बेटे अनीश अंसारी (40) व उसकी पत्नी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। घटना को लंबे समय से चल रहे पारिवारिक और जमीन विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है।

छात्रा ने की आत्महत्या

रांची(नबिटा ब्यूरो)। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया इलाके में एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। जानकारी मिलने के बाद जगन्नाथपुर पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मकान मालिक ने इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए जगन्नाथपुर थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह ने एफएसएल की टीम को बुलाकर भी जांच करवाई। हालांकि कमरे से कोई भी सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

युवक की धारदार हथियार से हत्या

मेदिनीनगर (नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के रतनपुर में सूरज ठाकुर नामक युवक की टांगी से गला काट कर हत्या कर दी गई है। हत्या का आरोप मृतक के पिता पर ही लगा है। घटना के बाद से सूरज के पिता अमित ठाकुर फरार है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पांकी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले में छानबीन शुरू कर दी। मृतक के परिजनों ने पुलिस को बताया है कि पिता ने ही सूरज ठाकुर की गला काटकर हत्या कर दी है।

कोडरमा घाटी में टेलर हादसा, चालक की मौत

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। रांची-पटना मुख्य मार्ग पर कोडरमा घाटी स्थित जमसोती नाला के समीप रविवार रात बड़ा हादसा हो गया। बोकारो से जा रहा छड़ लदा एक टेलर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में 27 वर्षीय टेलर चालक राकेश महतो की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक बिहार के समस्तीपुर जिला का रहने वाला था।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोडरमा। रांची-पटना रोड एनएच 20 पर होली फैमिली हास्पिटल के पास ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे युवक ने सदर अस्पताल में इलाज के क्रम में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम एक ट्रक कोडरमा से झुमरीतिलैया की ओर जा रहा था जबकि विपरीत दिशा से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक कोडरमा की ओर जा रहे थे। इस दौरान होली फैमिली हॉस्पिटल के पास ट्रक ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया जिससे बाइक पर बैठे सतगावां निवासी प्रवीण कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि बाइक चला रहे अरविंद कुमार को गंभीर अवस्था में सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी भी मौत हो गई। बता दें कि बाइक चला रहे युवक ने हेलमेट पहन रखी थी इसलिए उसके सिर में ज्यादा चोटें नहीं आईं लेकिन शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट के कारण इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। इधर घटना को अंजाम देने के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे नाले में जा गिरा। ट्रक का चालक और उपचालक मौका देखकर घटनास्थल से फरार हो गए। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी है। रास्ते में गुजर रहे तिलैया थाना प्रभारी ने मानवता दिखाते हुए घायल युवक को एम्बुलेंस से सदर अस्पताल भिजवाया। दोनों मृतक के घरवालों को घटना के बारे में जानकारी दे दी गई है। ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है।

जयंती पर याद किये गये कैलाशपति मिश्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और संगठन के प्रणेता पंडित कैलाशपति मिश्र की जयंती पर रविवार को राजधानी रांची के बिरसा चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय, महानगर अध्यक्ष कुणाल शंकर, पूर्व विधायक सीपी सिंह, वरिष्ठ नेता संजीव विजयवर्गीय, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आरती साहू सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके योगदान को याद किया। श्रद्धांजलि के दौरान माहौल भावुक हो गया। कार्यकर्ताओं ने 'कैलाशपति मिश्र अमर रहें' और 'उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराएं' जैसे नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। नेताओं ने कहा कि कैलाशपति मिश्र न केवल एक कुशल राजनेता थे बल्कि संगठन के सच्चे साधक और विचारक भी थे। वे हमेशा आदर्श जीवन और नैतिक राजनीति के प्रतीक बने रहे। पूर्व मुख्यमंत्री और

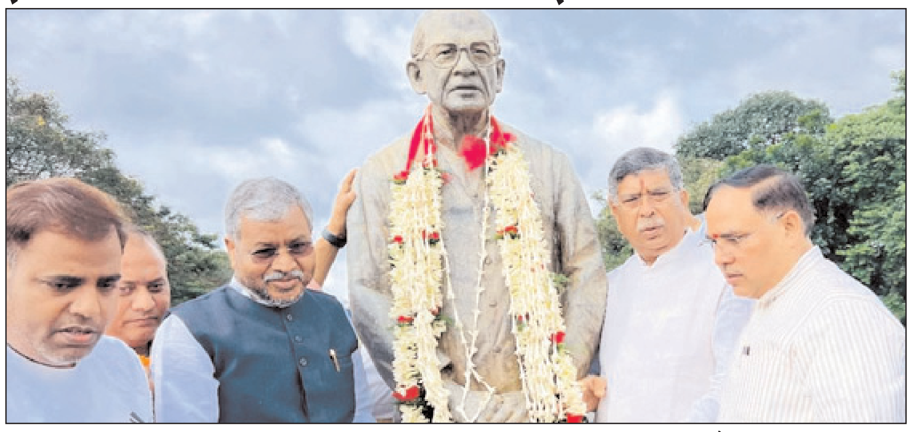

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कैलाशपति मिश्र उन नेताओं में थे जिन्होंने संघ काल से संगठन के निर्माण में योगदान दिया। बिहार में भाजपा की स्थापना में उनका अभूतपूर्व योगदान रहा, साथ ही झारखंड में संगठन को खड़ा करने में भी उन्होंने निर्णायक भूमिका निभाई। राज्य का शायद ही कोई ऐसा कोना हो जहां वे कार्यकर्ताओं से मिलने न गए हों। मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे भाजपा में लाने वाले स्वर्गीय कैलाशपति मिश्र ही थे। उन्होंने मुझे गुरु की तरह राजनीति और जनसेवा की सीख दी। प्रदेश भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि कैलाशपति मिश्र के योगदान को शब्दों में बयान करना आसान नहीं है। उन्होंने संगठन को खून-पसीने से सींचा। उनके आदर्श और निष्ठा हम सभी के लिए प्रेरणा हैं। जिस विचारधारा को लेकर उन्होंने जीवन जिया, वही आज भाजपा की आत्मा बनी हुई है।

तालाब में डूबने से पिता-पुत्र की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र स्थित पोरदाग गांव में तालाब में डूबने से पिता और पुत्र की मौत हो गई। मृतक पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के आसनसोल बुद्धा कॉलोनी निवासी सुजैय मल्लिक (40) और उनका पुत्र प्रतीक मल्लिक (12) थे। वे दुर्गा पूजा मनाने के लिए अपनी पत्नी के मायके यानी पोरदाग गांव आए हुए थे। इस हादसे के बाद गांव और परिजनों में मातम छा गया है। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर सुजैय मल्लिक अपने बेटे प्रतीक के साथ गांव के लालू बांध तालाब में नहाने गए थे। स्नान करते समय दोनों गहरे पानी में चले गए और बाहर नहीं निकल पाए। आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिस कारण दोनों की चीख-पुकार सुनाई नहीं दी और हादसा हो गया। कई घंटे गुजर जाने के बाद भी पिता-पुत्र घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। खोजबीन शुरू की गई तो तालाब किनारे उनकी बाइक, कपड़े और मोबाइल फोन पड़े मिले। इसके बाद अनहोनी की आशंका गहरा गई। ग्रामीणों और परिजनों ने तुरंत तालाब में तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद देर शाम दोनों के शव तालाब से निकाले जा सके। इस घटना ने पूरे गांव को दहला दिया। घटना की सूचना मिलते ही असुरबांध पंचायत के मुखिया दिलीप कुमार ने निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार को जानकारी दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर थाने ले गई। रविवार को शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। ग्रामीणों ने बताया कि तालाब में पानी काफी गहरा है और यही हादसे की मुख्य वजह बनी। घटना से मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाघचंडी मंदिर में तोड़फोड़ के बाद भड़का जनाक्रोश, बंद रहीं दुकानें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सिमडेगा। जिले के कोलेबिरा प्रखंड स्थित प्रसिद्ध बाघचंडी मंदिर में शनिवार की रात अज्ञात असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश और तनाव का माहौल फैल गया है। घटना की जानकारी तब सामने आई जब रविवार सुबह मंदिर के पुजारी पंचम सिंह पूजा के लिए मंदिर पहुंचे। उन्होंने देखा कि मंदिर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ है, बाहर लगे त्रिशूल को उखाड़कर फेंक दिया गया है और लाइटें, गेट व पूजा सामग्री को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। पुजारी पंचम सिंह ने बताया कि मुख्य पूजा स्थल के साथ भी छेड़छाड़ की गई है। कई धार्मिक वस्तुएं तोड़ दी गई हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि मंदिर की पवित्रता को भंग करने का प्रयास किया गया है।

छठ महापर्व की तैयारी में जुटा रांची नगर निगम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। दुर्गा पूजा के सफल आयोजन और प्रतिमा विसर्जन कार्यों के समापन के बाद अब रांची नगर निगम ने अपनी पूरी ताकत छठ महापर्व की तैयारियों में झोंक दी है। रविवार की सुबह से ही नगर निगम की टीमें राजधानी के प्रमुख तालाबों का निरीक्षण कर रही हैं। इस दौरान नगर आयुक्त सुशांत गौरव खुद भी मैदान में उतरे और अधिकारियों के साथ तालाबों की स्थिति, सफाई व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से जायजा लिया। रांची के चडरी तालाब, जोड़ा तालाब, बड़ा तालाब और धुर्वा डैम सहित कई अन्य प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया गया। नगर निगम ने निर्देश जारी किया है कि सभी तालाबों की विशेष साफ-सफाई, कीचड़ निकासी और तटबंधों की मरम्मत कार्य को समय पर पूरा किया जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही तालाबों के सुंदरीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नगर

निगम की सफाई टीमों को अलग-अलग जोन में बांटकर तैनात किया गया है। प्रतिमा विसर्जन के बाद तालाबों में गंदगी और कचरे की मात्रा बढ़ गई है जिसे हटाने के लिए अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। निगम कर्मियों के साथ-साथ जेसीबी मशीनों की भी मदद ली जा रही है। तालाबों के चारों ओर जाल लगाकर बची हुई विसर्जन सामग्री को बाहर निकाला जा रहा है। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि छठ पर्व रांची वासियों की आस्था का महापर्व है, इसलिए नगर निगम की प्राथमिकता यही है कि श्रद्धालुओं को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि सभी तालाबों में प्रकाश व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जा रहा है ताकि शाम और सुबह के समय व्रतियों को किसी तरह की परेशानी न हो। नगर निगम की टीम जल निकासी व्यवस्था को भी दुरुस्त करने में जुटी हुई है ताकि छठ के दौरान बारिश या जलजमाव की स्थिति न बने और तालाबों के किनारों पर बांस-बल्लियों से घेराबंदी और अस्थायी पुलियों का निर्माण भी समय पर शुरू किया जा सके। वहीं निगम ने लोगों से अपील की है कि वे तालाबों में प्लास्टिक, थर्मोकोल या अन्य कोई चीज न फेंके और स्वच्छता अभियान में सहयोग करें। छठ महापर्व के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन सतर्क है। नगर निगम ने रांची पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया। सभी घाटों पर पर्याप्त संख्या में होमगार्ड और गोताखोरों की तैनाती की जाएगी। मेडिकल टीम और एंबुलेंस की भी व्यवस्था की जा रही है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

ओरिसा अलॉय स्टील प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ ग्रामीणों का हुंकार, ग्रामीणों ने जमीन नहीं देने का लिया संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी हजारीबाग। हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड के उत्तरी क्षेत्र में प्रस्तावित कोल माइनिंग प्रोजेक्ट ओरिसा अलॉय स्टील प्राइवेट लिमिटेड के विरोध में रविवार को हजारों ग्रामीणों ने बैठक कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रोजेक्ट के लिए अधिग्रहित होने वाले 15 गांवों के ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वे किसी भी हाल में अपनी जमीन कंपनी को नहीं देंगे।

बैठक में शामिल ग्रामीणों ने एक सुर में नारा लगाया— "जान देंगे, जमीन नहीं देंगे"। ग्रामीणों ने यह भी ऐलान किया कि कंपनी के प्रतिनिधियों को गांव में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा और जो भी व्यक्ति कंपनी का सहयोग करता पकड़ा जाएगा, उसे दंडित किया जाएगा।

बैठक में यह भी तय किया गया कि सभी प्रभावित गांवों में निगरानी के लिए ग्राम स्तरीय कमिटियां बनाई जाएंगी, जो कंपनी से संबंधित गतिविधियों पर नजर रखेगी।

बैठक में मुख्य रूप से पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव, जिला परिषद प्रतिनिधि निरंजन साव, पंचायत समिति सदस्य साजन कुमार, मुखिया प्रतिनिधि अमित दुबे, लालजीत महतो, महावीर महतो, बालदेव महतो, कुणाल किशोर दुबे, खिरोधर साव, नागेश्वर महतो, महेंद्र महतो सहित हजारों रैयत उपस्थित रहे।

नीलगाय किसानों के लिए बनी नई मुसीबत, हरी सब्जियों को पहुँचा रहे भारी नुकसान

दारु (हजारीबाग)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अत्यधिक बारिश और हाथियों के झुंड से त्रस्त ग्रामीणों एवं किसानों के सामने अब नीलगाय का आतंक नई समस्या बनकर उभर रहा है। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में चार-पाँच नीलगायों का झुंड फसलों को लगातार नुकसान पहुँचा रहा है।

शनिवार की रात को कबलासी पंचायत की मुखिया रीना देवी की जमीन पर ग्राम ऊँचाबेड़ा स्थित एक एकड़ में लगी सबज़ियों की फसल नीलगायों ने पूरी तरह तहस-नहस कर दी। बताया गया कि लगभग 50 हजार रुपये मूल्य की फसलें बर्बाद हो गईं। खेत में लगी बोदी, करेला, कद्दू, मिर्च और बीन जैसी सबज़ियाँ पूरी तरह नष्ट हो गईं। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि नीलगायों का यह झुंड रविवार की रात को फिर से फसलों को नुकसान पहुँचा सकता है। किसानों का कहना है कि लगातार हो रहे इस नुकसान से उनकी आजीविका पर गंभीर संकट मंडरा रहा है और प्रशासन को इस पर शीघ्र ध्यान देने की आवश्यकता है।

चरही पुलिस की सुस्ती : पुजारी के घर लूटपाट, दो सप्ताह बाद भी जांच अधर में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चरही हजारीबाग। चरही थाना क्षेत्र के सीसीएल तापीन साउथ कॉलोनी स्थित तपेश्वरनाथ शिव मंदिर के पुजारी आचार्य हरिवंश पाठक के घर 22 सितंबर की रात अज्ञात लुटेरों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। पुजारी ने बताया कि दुर्गा मंडप में सप्तशती का पाठ करने के बाद जब वे अपने घर सोने पहुंचे तो अज्ञात लुटेरे उनका जनेऊ काटकर चाभी का गुच्छा ले गए और बाहर से कमरा बंद कर दिया। इसके बाद उसी चाबी से बगल वाले कमरे का ताला खोल नकदी और नए कपड़े लेकर फरार हो गए।

मंदिर में पूजा कर रही महिलाओं ने एक सांवले रंग के मोटे व्यक्ति को भागते हुए देखा, जो थोड़ी दूरी पर बाइक से तेजी से फरार हो गया। घटना के बाद पुजारी के भगिना व पत्रकार अमित मिश्रा ने थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल को लिखित आवेदन देकर जांच की मांग की। थाना प्रभारी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया, किंतु घटना के दो सप्ताह बाद भी कोई ठोस जांच नहीं हुई। 23 सितंबर को पुनः फोन पर जांच का आग्रह किया गया, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुजारी हरिवंश पाठक अकेले रहते हैं, जिससे उनके जानझमाल का खतरा और बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कॉलोनी में पुलिस की पेट्रोलिंग भी सही ढंग से नहीं होती, जिसके कारण चोरी और लूटपाट की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल ही में तापीन नॉर्थ परियोजना में नक्सलियों द्वारा करोड़ों की मशीनें और वाहन जलाए जाने की घटना ने भी पुलिस की सक्रियता पर सवाल खड़े कर दिए। इस मामले में थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल ने फोन पर बताया कि वे घटना स्थल पर गए थे, लेकिन आवेदक/पीड़ित उस समय उपलब्ध नहीं थे।

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह आज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ मुख्य अतिथि कुलाधिपति संतोष गंगवार का मिनट टू मिनट कार्यक्रम जारी

मेदिनीनगर (पलामू)। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह सोमवार को एनपी यूनिवर्सिटी के स्टेडियम में आयोजित होगा। दीक्षांत समारोह में झारखंड के राज्यपाल सह नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष गंगवार बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इसे लेकर राजभवन ने राज्यपाल के मिनट टू मिनट कार्यक्रम की सूची जारी कर दी है। सूची के अनुसार कुलाधिपति सह मुख्य अतिथि का विश्वविद्यालय द्वार पर 11 बजे आगमन होगा। उनके आगमन के पश्चात जिला प्रशासन द्वारा सलामी गारद 11.03 बजे आयोजित होगा। कुलाधिपति एनपीयू के महर्षि विश्वामित्र केंद्रीय पुस्तकालय का उद्घाटन 11.08 बजे करेंगे।

कुलाधिपति 11.20 बजे पगड़ी व दुपट्टा धारण करेंगे। आदिवासी लोक नृत्य व स्वागत गीत के साथ शैक्षणिक जुलूस का शुभारंभ 11.30 बजे किया जाएगा।मंच पर 11.40 पूर्वाह्न में पहुंचेंगे। राष्ट्रगान 11.42 बजे पूर्वाह्न होगा। कुलसचिव द्वारा कुलाधिपति से दीक्षांत समारोह के शुभारंभ की घोषणा करने का अनुरोध 11.44 पूर्वाह्न में किया जाएगा। मुख्य अतिथि कुलाधिपति 11.45 पूर्वाह्न में मां सरस्वती, शहीद भाई नीलाम्बर शाही व पीताम्बर शाही की तस्वीरों पर माल्यार्पण करेंगे। मुख्य अतिथि कुलाधिपति व अन्य गणमान्य 11.50 पूर्वाह्न में दीप प्रज्वलन करेंगे। सरस्वती वंदना 11.55 पूर्वाह्न में शुरू की जाएगी। नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी का कुलगीत 12 बजे शुरू होगा। कुलपति डॉ दिनेश सिंह दोपहर 12.05 बजे राज्यपाल का अभिनंदन करेंगे। एनपीयू के अधिकारी विशिष्ट अतिथियों का अभिनंदन दोपहर 12.07 बजे करेंगे। मुख्य अतिथि दोपहर 12.12 बजे स्मारिका सह पुस्तक का विमोचन करेंगे। दोपहर 12.17 बजे संकायाध्यक्षों द्वारा कुलपति को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। साथ ही कुलपति भी उपाधियां प्रदान करेंगे। डिग्रियों की संख्या-130 होगी। कुलाधिपति दोपहर 12:27 बजे से 2021, 2022, 2023 व 2024 के टॉपर्स को स्वर्ण पदक व 2025 की पीएचडी उपाधियां प्रदान की जाएंगी। कुलाधिपति स्वर्ण पदकों की संख्या-77 होगी। चतरा के सांसद कालीचरण सिंह का संबोधन दोपहर 1.10 बजे, पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम का संबोधन 01.15 अपराह्न, शिक्षा मंत्री, एचटीई, सुदिव्य कुमार का संबोधन 1:20 अपराह्न, वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर का संबोधन 1:30 अपराह्न में होगा। राज्यपाल-सह- कुलाधिपति का संबोधन 1.40 अपराह्न में होगा।कुलसचिव 01:55 अपराह्न में कुलाधिपति से कुलपति को उपाधि वितरण जारी रखने के लिए अधिकृत करने आदेश प्राप्त करेंगे। प्राप्तकर्ताओं को उपाधियां प्रदान करने व उसके बाद दीक्षांत समारोह का समापन करने के लिए 01:57 अपराह्न में समय निर्धारित किया गया है। राष्ट्रगान के पश्चात राज्यपाल का प्रस्थान होगा।

हजारीबाग में 'वृक्ष रक्षाबंधन-सह-पर्यावरण मेला' एवं 'पर्यावरण जागरूकता साइकिल यात्रा' का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिला पर्यावरण समिति, हजारीबाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 06 एवं 07 अक्टूबर 2025 को विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक 06 अक्टूबर को प्रातः 9:00 बजे कनहरी पहाड़, हजारीबाग से दूधमटिया (टाटीझरिया) तक लगभग 25 किलोमीटर लंबी 'पर्यावरण जागरूकता साइकिल यात्रा' निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएँ शामिल होंगे। यात्रा के सफल संचालन हेतु प्रशासन द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। दिनांक 07 अक्टूबर को दूधमटिया (टाटीझरिया) में 'वृक्ष रक्षाबंधन-सह-पर्यावरण मेला' का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के इतिहास एवं महत्व पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम, झांकियाँ, चित्रकला, क्विज और निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। साथ ही जिले के सभी प्रखंडों के विद्यालयों में छात्र-छात्राएँ वृक्षों को रक्षा सूत्र बाँधेंगे और प्रभात फेरी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे।

जनसुरक्षा की दृष्टि से मेला स्थल पर एम्बुलेंस एवं मेडिकल कैंप की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा, जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, हजारीबाग द्वारा पूरे दिन 'पर्यावरण जागरूकता' पर विशेष प्रदर्शनी प्रस्तुत की जाएगी।

एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने की 'मदर एंड चाइल्ड हेल्थ केयर इनिशिएटिव', की शुरुआत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने अपने प्रमुख कार्यक्रम 'अह्वान' के अंतर्गत 'मदर एंड चाइल्ड हेल्थ केयर इनिशिएटिव' की शुरूआत की है। यह पहल श्रीनिवास हॉस्पिटल, हजारीबाग के सहयोग से आरंभ की गई है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य परियोजना प्रभावित परिवारों की महिलाओं और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था पूर्व देखभाल, आवश्यक उपचार एवं सुरक्षित प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके जरिए मातृ और शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में कदम उठाया जा रहा है। यह पहल भारत सरकार की 'स्वस्थ नारी झ स्वस्थ परिवार' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

कार्यक्रम की पहली उपलब्धि के रूप में सोनबरसा गांव की एक महिला को उच्च जोखिम गर्भावस्था के दौरान आवश्यक चिकित्सकीय सहयोग प्रदान किया गया। परिणामस्वरूप उन्होंने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। वर्तमान में माँ और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। इस अवसर पर डॉ. संजीत कुमार शुभेन्दु (मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पकरी बरवाडीह परियोजना), डॉ. प्रवीण श्रीनिवास (निदेशक, श्रीनिवास ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स) और परियोजना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उक्त जानकारी एनटीपीसी के पीआरओ दिलीप ठाकुर ने दी।

जिलाध्यक्ष बनने पर जे.पी. पटेल को बधाइयों का तांता

उमाशंकर अकेला व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मिठाई खिलाकर दी शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। मांडू विधानसभा के पूर्व विधायक सह विगत लोकसभा चुनाव में हजारीबाग संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे जयप्रकाश भाई पटेल को कांग्रेस पार्टी ने हजारीबाग जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस अवसर पर उन्हें बधाइयों का तांता लगा हुआ है।

बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला यादव और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने श्री पटेल को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उमाशंकर अकेला ने कहा कि पटेल एक कद्दावर और अनुभवी नेता हैं, जिनकी क्षेत्र में विशेष पहचान है। उनके नेतृत्व से कांग्रेस संगठन और अधिक मजबूत होगा और जनाधार बढ़ेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि पटेल कार्यकताओं को बूथ स्तर तक एकजुट कर संगठन को सशक्त बनाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अंसारी ने भी नव-नियुक्त जिलाध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी हजारीबाग जिले में बेहतर प्रदर्शन करेगी। नव-नियुक्त जिलाध्यक्ष जयप्रकाश भाई पटेल ने दोनों नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि वे पार्टी के विश्वास को हर हाल में कायम रखेंगे और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

विधायक मनोज यादव का स्वामी धर्मबंधु ने किया स्वागत

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव लखनऊ प्रवास के दौरान प्रखर वक्ता व वेदों के ज्ञाता स्वामी धर्मबंधु से मिले। स्वामी धर्मबंधु ने विधायक का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया और उन्हें कई अनमोल विचारों से अवगत कराया। विधायक ने बताया कि स्वामी धर्मबंधु के विचार और आत्मीय सम्मान ने उन्हें नई सकारात्मक ऊर्जा प्रदान की है, जिससे वे सामाजिक और राजनीतिक कार्यों में और अधिक प्रेरित होकर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि स्वामी जी का मार्गदर्शन उन्हें जनहित के कार्यों में अग्रसर होने की शक्ति देता है। इस दौरान विधायक मनोज यादव ने उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता धर्मपाल सिंह से भी भेंट कर झारखंड और यूपी की राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा की।

पलामू जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष बनीं जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष विमला कुमारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने झारखंड के 25 जिला के अध्यक्षों की सूची जारी कर दी है। इनमें पलामू की जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष विमला कुमारी को पलामू जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है।

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने बोकारो जिला अध्यक्ष के रूप में जवाहरलाल मेहता, चतरा जिला अध्यक्ष चंद्रदेव गोप, देवघर जिला अध्यक्ष मुकुंद दास, धनबाद जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, दुमका जिला अध्यक्ष स्टीफन मरांडी, ईस्ट सिंहभूम जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह, गढ़वा जिला अध्यक्ष ई. ओबेदुल्लाह हक अंसारी, गिरिडीह सतीश केडिया, गोड्डा जिला अध्यक्ष मो. याहया सिद्दीकी, गुमला जिला अध्यक्ष रजनील तिघा, हजारीबाग जिला अध्यक्ष जेपी पटेल, जामताड़ा जिला अध्यक्ष दीपिका बेसरा, खूंटी जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा, कोडरमा जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक, लातेहार जिला अध्यक्ष कामेश्वर यादव, लोहरदगा जिला अध्यक्ष सुखेर भगत, पाकुड़ जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, रामगढ़ जिला अध्यक्ष ममता देवी, रांची महानगर जिला अध्यक्ष कुमार राजा, रांची रूरल जिला अध्यक्ष सोमनाथ मुंडा, साहिबगंज जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान, सरायकेला खरसावां जिला अध्यक्ष राज बाक्की, सिमडेगा जिला अध्यक्ष भूषण बारा, वेस्ट सिंहभूम जिला अध्यक्ष रंजन बॉयपोय को बनाए जाने की घोषणा की है।

दीक्षांत समारोह में 65 विद्यार्थियों को दिया जाएगा गोल्ड मेडल : कुलपति डा दिनेश सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ दिनेश सिंह ने एनपी यूनिवर्सिटी के तीसरे दीक्षांत समारोह को लेकर नीलांबर पीताम्बर यूनिवर्सिटी प्रशासनिक भवन में पत्रकारों को बताया कि दीक्षांत समारोह की तैयारी पूरी कर ली गई है।

दीक्षांत समारोह में 1034 छात्र- छात्राओं को डिग्री दिया जाएगा। इसमें 65 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिया जाएगा। वहीं छात्र छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा। कुलपति

डॉक्टर सिंह ने बताया कि दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, झारखंड के वित मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पलामू सांसद विष्णुदयाल राम, चतरा के पूर्व सांसद, सह झारखंड विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी, स्थानीय विधायक आलोक चौरसिया सहित गणमान्य उपस्थित रहेंगे। कुलपति ने बताया कि प्रवेश के मुख्यद्वार के तीन रास्ते बनाए गए हैं। प्रेस वार्ता में एपीआरओ, डॉक्टर विनीता दीक्षित, डीएसडब्लू कैप्टन प्रो सुरेंद्र पांडेय, रजिस्टार डॉक्टर नफीस अहमद सहित अन्य उपस्थित थे।

आर्य समाज ने परिवारों को फिर से जोड़ने के लिए हर घर यज्ञ अभियान शुरू किया

रांची/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। हाल के वर्षों में न्यायपालिका और सामाजिक संस्थाएं बार-बार इस बात पर चिंता जता चुकी हैं कि भारत में पारंपरिक संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन ने बुजुर्गों की देखभाल को एक बड़ी सामाजिक चुनौती बना दिया है। कई बुजुर्ग, खासकर विधवा महिलाएं, अपने जीवन का अंतिम चरण अकेलेपन, भावनात्मक उपेक्षा और आर्थिक असुरक्षा के साथ बिताने को मजबूर हैं। आर्य समाज ने परिवारों को फिर से जोड़ने के लिए कई नए प्रयास शुरू किए हैं, जिनमें हर घर यज्ञ अभियान एक उल्लेखनीय पहल है। यह सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संवाद, सहानुभूति और साझा ज़िम्मेदारी को फिर से जीवित करने की एक कोशिश है।

संस्कृतिक कार्यक्रम से समाज में मजबूत होता है आपसी सौहार्द, एकता व भाईचारा : आलोक चौरसिया

■ नरसिंहपुर पथरा में यंग क्लब के नेतृत्व में संस्कृतिक सह सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। संस्कृतिक कार्यक्रम समाज में आपसी सौहार्द, एकता व भाईचारे को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उक्त बातें डालटनगंज विधायक आलोक चौरसिया ने कही। वे विधानसभा क्षेत्र के नरसिंहपुर पथरा में दुर्गा पूजा के अवसर पर यंग इंडिया क्लब के तत्वावधान में आयोजित सम्मान समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा से समस्त क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। विधायक ने आयोजन समिति के सदस्यों व उपस्थित ग्रामीणों को दुर्गा पूजा की बधाई व शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में पहुंचने पर स्थानीय ग्रामीणों, महिलाओं व युवाओं ने विधायक आलोक चौरसिया का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं व युवा मौजूद थे।

बरही में कांग्रेस का प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम, जयप्रकाश भाई पटेल ने बीजेपी पर लगाया मतदाता सूची में हेरफेर का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही प्रखंड अंतर्गत गोरिया करमा पंचायत में रविवार (5 अक्टूबर 2025) को कांग्रेस पार्टी की ओर से पंचायत स्तर पर पदाधिकारियों के बीच प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के नवझनियुक्त जिला अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल उपस्थित रहे।

उन्होंने नवनियुक्त पंचायत पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव आयोग स्क्फ़्रप्रक्रिया के नाम पर भाजपा को मदद कर रहा है। बिहार में चुनाव पूर्व स्क्फ़्रप्रक्रिया के जरिए बीजेपी के खिलाफ मतदान

करने वाले लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। इसके खिलाफ कांग्रेस सहित विपक्षी दल सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुके हैं।

जयप्रकाश भाई पटेल ने पंचायत अध्यक्षों और पदाधिकारियों से अपील की कि वे वोट चोरी रोकने के लिए अभी से बूथ लेवल एजेंट (इछअ) की तैयारी करें। उन्होंने कहा कि "संगठन सृजन 2025" अभियान के तहत कांग्रेस ने बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संरचनात्मक बदलाव किए हैं और पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बैठक में गोरिया करमा पंचायत के पांच बूथों के इछअ को नियुक्ति पत्र और बूथ लिस्ट भी प्रदान किया गया। जिला अध्यक्ष ने घोषणा की कि जल्द ही सभी पंचायत पदाधिकारियों को जिला स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष डॉ. निजामुद्दीन अंसारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता तोखन राबिदास, मंडल अध्यक्ष जितेंद्र गिरी, गिरधारीलाल यादव, पूर्व प्रमुख विजय रविदास, प्रखंड उपाध्यक्ष प्रकाश विश्वकर्मा, महासचिव मोहम्मद कयूम, मुरली रविदास, केदार पासवान, यासिर खान, इरफान अंसारी, उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, मनोज पांडे, मोती महतो, सूरज विश्वकर्मा, अशोक कुशवाहा, हीरामन पंडित, उदय राणा, लखन यादव, रामचंद्र चौधरी, राधे श्याम सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दारु प्रखंड विश्वकर्मा समाज की बैठक सम्पन्न, शिक्षा और संगठन पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दारू (हजारीबाग)। प्रखंड विश्वकर्मा समाज की मासिक बैठक रविवार को विश्वकर्मा मंदिर, गाड़ीसाडम में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष बासुदेव शर्मा ने की, जबकि संचालन प्रखंड सचिव रविकांत राणा एवं कोषाध्यक्ष रमेश राणा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के प्रदेश सचिव बसंत नारायण मौजूद रहे।

बैठक में पुनाई एवं कबिलसी पंचायत के विश्वकर्मा बंधुओं ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। समाज को सुदृढ़ रूप से संचालन के लिए निर्णय लिया गया कि प्रत्येक गांव से दो-दो लोगों का चयन किया जाएगा। इन प्रतिनिधियों का दायित्व होगा कि प्रखंड स्तर पर लिए गए निर्णयों की जानकारी गांव में बैठक कर लोगों तक पहुंचाएं और गांव की समस्याओं को प्रखंड कमिटी तक पहुंचाएं ताकि समाधान किया जा सके। साथ ही, गाड़ीसाडम में निमार्णाधीन विश्वकर्मा मंदिर को शीघ्र पूरा

करने और सहयोग बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया। समाज के नेताओं ने अपने सदस्यों से आह्वान किया कि वे शिक्षा पर विशेष ध्यान दें ताकि बच्चे प्रशासनिक, राजनीतिक, मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अपनी पहचान बना सकें। बैठक में जिला कमिटी के लिए नामित सदस्य महादेव राणा, महेश राणा, छत्रधारी राणा, अर्जुन राणा, नारायण राणा, न्याय समिति अध्यक्ष सरोज राणा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

पलामू : चार साल बाद मुरुमातू के महादलितों को मिली अपनी जमीन

10 परिवारों को 10-10 डिसमिल जमीन आवंटित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। पलामू जिले के पांडू थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरुमातू गांव के महादलित परिवारों को आखिरकार चार वर्षों बाद अपनी जमीन मिल गई। अगस्त 2022 में कुछ लोगों द्वारा महादलित (मुसहर) समुदाय के कई परिवारों के घरों को ध्वस्त कर दिया गया था, जिसके बाद उन्हें वहां से उजाड़ दिया गया। इस घटना ने उस समय व्यापक विवाद को जन्म दिया था और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने भी मामले का संज्ञान लिया था। तब से लगभग एक दर्जन परिवार पांडू थाना के पुराने भवन में शरण लेकर रह रहे थे। घटना के बाद प्रशासन ने अस्थायी रूप से इन परिवारों के लिए पुराने थाना भवन में रहने की व्यवस्था की थी। अब करीब चार साल बाद मुरुमातू के 10 महादलित परिवारों को पांडू थाना क्षेत्र में 10-10 डिसमिल जमीन उपलब्ध कराई गई है। रविवार को आयोजित समारोह में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम, स्थानीय विधायक नरेश प्रसाद सिंह एवं डीसी समीरा एस की मौजूदगी में इन परिवारों को जमीन का पट्टा सौंपा गया।

"अब कह सकते हैं — हमारी भी अपनी जमीन है"

मौके पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि महादलित परिवारों को जमीन उपलब्ध कराना एक सुखद और ऐतिहासिक क्षण है। अब मुसहर जाति के लोग भी गर्व से कह सकते हैं कि उनके पास अपनी जमीन है। उन्होंने बताया कि सभी परिवारों को अंबेडकर आवास योजना से जोड़ा जाएगा और उन्हें मूलभूत सुविधाएं तथा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा। वहीं सांसद विष्णुदयाल राम ने कहा कि यह पल अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि लंबे समय से विस्थापित इन परिवारों को आखिरकार स्थायी जमीन उपलब्ध कराई गई है। इससे उनके जीवन में स्थिरता और सम्मान दोनों की नई शुरुआत होगी।

तीन महीने बाद पर्यटकों के लिए खुला बेतला नेशनल पार्क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। तीन महीने के अंतराल के बाद झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) के अंतर्गत आने वाले प्रसिद्ध बेतला नेशनल पार्क को रविवार से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। हर वर्ष गाइडलाइन के अनुसार 1 जुलाई से 30 सितंबर तक पलामू टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पर्यटकीय गतिविधियों पर रोक रहती है। इस वर्ष नवरात्र को देखते हुए 27 सितंबर से पर्यटन गतिविधियों को फिर से शुरू करने की योजना थी, लेकिन पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में लगातार भारी वर्षा के कारण पार्क व रिजर्व के कई रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए। जलाशयों में पानी भर जाने और सड़कों के टूटने के कारण उद्घाटन में विलंब हुआ।

बारिश के बीच पर्यटन गतिविधियों की हुई शुरुआत

रविवार की अहले सुबह बेतला नेशनल पार्क में पर्यटन की औपचारिक शुरुआत कर दी गई। हालांकि, पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रबंधन ने विशेष गाइडलाइन जारी की है। बारिश की स्थिति में पर्यटन गतिविधियां तत्काल रोक दी जाएंगी। जिन इलाकों में सड़कें टूटी हुई हैं, वहां पर्यटकों की गाड़ियों का प्रवेश निषिद्ध रहेगा।

छात्राओं ने किया शुभारंभ

पर्यटन सत्र का शुभारंभ कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं एवं स्थानीय बच्चों ने किया। फिलहाल पार्क में केवल ओपन सफारी की अनुमति दी गई है। साथ ही, प्रत्येक पर्यटक का डाटा सुरक्षित रखा जा रहा है ताकि सुरक्षा व निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

"मरम्मत कार्य जारी, सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता"

पलामू टाइगर रिजर्व के उप निदेशक प्रजेशकांत जेना ने बताया कि बारिश से कई सड़कें टूट गई हैं, जिनकी मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए निगरानी बढ़ा दी गई है।

पलामू टाइगर रिजर्व लगभग 1149 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है और बेतला नेशनल पार्क इसका प्रमुख पर्यटन केंद्र है। सदियों से यहां देश-विदेश से 40 हजार से अधिक पर्यटक पहुंचते हैं। इस बार मौसम की मार के चलते पर्यटकों को थोड़ा इंतजार करना पड़ा, लेकिन अब सफारी का आनंद लेने के लिए पार्क अपने पुराने रूप में लौटने लगा है।

जर्जर सड़क, जलजमाव से त्रस्त जहानाबाद के कृष्णापुरी कॉलोनी के लोगों का फूटा गुस्सा

जहानाबाद में वोट बहिष्कार का ऐलानः सड़क नहीं तो वोट नहीं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर- 6 कृष्णापुरी कॉलोनी के लोगों ने इस बार वोट बहिष्कार करने का ऐलान किया है। क्षेत्र में सड़क नहीं बनने से नाराज लोगों ने जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नाराज लोगों का कहना है कि जब तक सड़क का निर्माण नहीं होगा, तब तक "रोड नहीं तो वोट नहीं" का नारा कायम रहेगा।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि वे अपनी समस्या को लेकर कई बार जिला प्रशासन, वार्ड पार्षद और संबंधित अधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक किसी ने उनकी परेशानी पर ध्यान नहीं दिया। मोहल्ले में कीचड़ और गड्ढों से भरी सड़कों के कारण लोगों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ती है। लोगों ने कहा कि अब आश्वासन नहीं, काम चाहिए। जब तक सड़क नहीं बनेगी, तब तक वोट नहीं देंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी समस्या का समाधान जल्द नहीं किया गया, तो वे एनएच-22 को जाम करने के लिए मजबूर होंगे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधि चुनाव के समय वादे तो करते हैं, लेकिन चुनाव बीतते ही क्षेत्र की समस्याओं की ओर ध्यान नहीं देते। इस बार वार्ड नंबर 6 के मतदाता अपने निर्णय पर अडिग हैं—"रोड नहीं तो वोट नहीं।"

दो दिन से बुजुर्ग लापता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। 60 वर्षीय एक बुजुर्ग के गुमशुदगी का मामला सामने आया है। मामला फेसर थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव की है। ये बुजुर्ग बीते 3 अक्टूबर से लापता है। इस संबंध में परिजनों ने फेसर थाना में तहरीर समर्पित किया है। उन्होंने बताया कि सुदामा साव बीते 3 अक्टूबर की सुबह से लापता है। इस दौरान उन्होंने अपने स्तर से काफी खोजबीन की, लेकिन कहीं कोई पता नहीं चला। बुजुर्ग लाल टीशर्ट, हाफ पैंट व लाल गमछा लिए हुए है। परिजनों ने जिला प्रशासन से खोजबीन की गुहार लगाई है।

बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति चुनाव अधिवेशन व प्रतिनिधि सम्मान समारोह संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज में बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति प्रखंड इकाई के बैनर तले चुनाव अधिवेशन सह प्रतिनिधि सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ झारखंड माटी कला बोर्ड के सदस्य अभिनाश देव, संघ के प्रदेश महामंत्री अरविन्द प्रजापति उर्फ पिंटू गुरु, जिलाध्यक्ष ललन प्रजापति, जिला सचिव गया प्रजापति, रामप्रवेश प्रजापति, अरविंद प्रजापति, रामवतार प्रजापति, शंभु, बबन, शशि किशोर, रंजीत, शिव पंडित, मनोज, रविंद्र, पंकज, मिथलेश, रामजी, राम बहादुर, अरुण कुमार, मीडिया प्रभारी शंभू प्रजापति, रविन्द्र प्रजापति,

रामप्रवेश प्रजापति व कृष्णा प्रजापति सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह की अध्यक्षता मानिक चंद प्रजापति ने की, जबकि संचालन सेवानिवृत्त शिक्षक बबन प्रजापति एवं जिला प्रवक्ता रंजीत प्रजापति ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्रखंड स्तरीय समिति का गठन किया गया। नवगठित प्रखंड कमेटी इस प्रकार रहीः

प्रखंड अध्यक्षः महेंद्र पांडेय
सचिवः मानिक चंद
कोषाध्यक्षः डॉ. सनोज प्रजापति
संरक्षकः यमुनाकांत निराला
उपाध्यक्षः पंकज कुमार निराला
उपसचिवः दिपनारायण प्रजापति
मीडिया प्रभारीः अरुण कुमार
संगठन सचिवः विनोद कुमार
नगर अध्यक्षः सरोज प्रजापति
नगर सचिवः सुनील प्रजापति
कार्यकारी सदस्यः अजय प्रजापति

महिला प्रकोष्ठः
प्रखंड अध्यक्षः सोनी देवी
सचिवः मति देवी
कोषाध्यक्षः जितेंद्र प्रजापति

मुख्य अतिथि अभिनाश देव ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रजापति समाज को एकजुट रहना होगा, तभी राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में समाज की उपेक्षा हुई है, लेकिन यदि समाज एक स्वर में खड़ा होगा तो उसकी ताकत को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकेगा।

गायत्री परिवार ने किया साप्ताहिक पौधारोपण अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री परिवार की युवा इकाई प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ जहानाबाद के द्वारा लगातार 227वें रविवासरीय साप्ताहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन मखदुमपुर प्रखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इक्किल एवं ठाकुरबाड़ी परिसर में किया गया। इस दौरान 30 छायादार पौधों का रोपण किया गया। लोजपा नेत्री इंदू कश्यप ने कहा कि पेड़ हमारे लिए प्रकृति के उदार उपहार की तरह हैं। वे जीवन को सुचारू रखने और प्रकृति को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारे लिए यह जानना वास्तव में महत्वपूर्ण है कि पेड़ कितने मायने रखते हैं। कम से कम पेड़ होने की समस्या के साथ-साथ इसके साथ आने वाली अन्य सभी चुनौतियों को ठीक करने के लिए हम क्या कर सकते हैं। पेड़ तापमान को नियंत्रित करने और बारिश के लिए मौसम को बिल्कुल उपयुक्त बनाने में मदद करते हैं। लेकिन, वनों की अंधाधुंध कटाई से प्राकृतिक संतुलन का खतरा उत्पन्न हो गया है। इससे जलवायु परिवर्तन जैसे बड़े विकराल समस्या पैदा हो रही है। साथ ही बहुत सारे पेड़ - पौधों और जानवरों की प्रजाति हमेशा के लिए विलुप्त हो रहे हैं।अब समय आ गया है कि हम इसके बारे में कुछ करें। हमें पृथ्वी की देखभाल करने की जरूरत है, जैसे वह हमारी देखभाल करती रही है। ऐसा करने का एक तरीका यह है कि हम अपने ग्रह को फिर से हरा-भरा और सुंदर बनाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। गायत्री परिवार के द्वारा चलाया जा रहा नियमित वृक्षारोपण कार्यक्रम तब तक चलता रहेगा जब तक की जिला हरा-भरा न बन जाये।

बसों में फर्स्ट एड बॉक्स और अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था नहीं

किट के बजाए रखे होते हैं गैर जरुरी सामान, कई बसों में नहीं है इमरजेंसी गेट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। सड़कों पर दौड़ रही अधिकांश बसों में यात्रियों की सुरक्षा के उपाय नहीं हैं। जानकारी के मुताबिक सभी सवारी वाहनों में यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित संसाधन होना अनिवार्य है। आपात स्थिति से निपटने के लिए वाहनों में फर्स्ट एड बॉक्स और अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन अधिकांश बसो में इस नियम का पालन नहीं हो रहा है। परिवहन नियमों का पालन कराने को लेकर संबंधित विभाग का कोई ध्यान नहीं है और न ही विभाग इसके लिए कोई जांच करता है। लिहाजा यात्रियों की सुरक्षा हमेशा ताक पर रहती है। जिले में चल रही बसों में सुरक्षा मानकों का कोई ख्याल नहीं रखा जाता। बस मालिकों को केवल अपनी कमाई से ही मतलब रहता है। उन्हें यात्रियों की सुरक्षा की कोई परवाह नहीं रहती। बता दें कि प्रखंड मुख्यालय से कई प्राइवेट बसों का परिचालन होता है। काफी संख्या में यात्री प्रतिदिन सफर करते हैं।

किट के बजाए रखे होते हैं गैर जरुरी सामान

कुछ वाहनों में फस्ट एड बॉक्स तो है लेकिन उसमें दवाई, मल्हम, पट्टी के बजाए गैर जरुरी सामान रखे जाते हैं। उस बॉक्स में वाहनों के औजार ही मिलते हैं। वाहन चालकों और उपचालकों को किट के संबंध में जानकारी भी नहीं रहती। उन्हें प्रशिक्षण भी नहीं दिया जाता है। एक बस चालक ने बताया कि केबिन में फर्स्ट एड बॉक्स तो है लेकिन उसमें कौन-कौन सामान होना चाहिए इसकी जानकारी नहीं है।

कई बसों में नहीं है इमरजेंसी गेट

परिवहन नियमों के अनुसार सड़कों पर चलने वाली बसों में इमरजेंसी गेट होना अनिवार्य है। ताकि आपात समय में यात्री बस से बाहर निकल सकें लेकिन सड़कों पर दौड़ने वाली बसों में अब इमरजेंसी गेट नहीं लगवाए जा रहे हैं। बस संचालकों को लगता है कि जितनी जगह में इमरजेंसी गेट होगा, वहां दो सीट बना देने से कमाई हो जाएगी लेकिन बस में किसी प्रकार की गड़बड़ी होने पर यात्रियों को एक ही गेट से निकलना पड़ेगा। जिससे बड़ी दुर्घटना होने की आशंका रहती है।

जुर्माना का है प्रावधान

अग्निशमन यंत्र या फस्ट एड बॉक्स न होने पर मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत 5600 से 7000 रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान है। बावजूद वाहन चालकों और मालिकों में इस कानून भय नहीं है। विभागीय अधिकारी भी नियमित इसकी जांच नहीं करते हैं। लिहाजा बेखौफ होकर यात्रियों की सुरक्षा की अनदेखी करते हुए वाहनों का परिचालन जारी है।

ऑटो की टक्कर से बाइक सवार महिला जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। अंबा थाना क्षेत्र के बैजल मोड़ के समीप ऑटो की चपेट में आने से बाइक सवार महिला घायल हो गई। घायल महिला की पहचान थाना क्षेत्र के ही बैजल गांव निवासी महेंद्र पासवान की पत्नी सुनीता देवी के रूप में हुई है। रविवार की शाम सदर अस्पताल में इलाज के दौरान परिजनों ने बताया कि सुनीता देवी अपने पुत्र के साथ बाइक पर सवार होकर किसी काम से हरिहरगंज बाजार गई थी। वापस घर लौटने के दौरान बैजल मोड़ के समीप एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ऑटो ने टक्कर मार दिया, जिससे महिला बाइक से गिरकर घायल हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ऑटो को पकड़ लिया। ऑटो चालक ने इलाज का सारा खर्चा देने को कहा तो परिजनों ने ऑटो से ही महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। इधर, सदर अस्पताल के सिटी स्कैन वार्ड में ऑटो चालक से पैसों की लेनदेन को लेकर परिजनों की बहसबाजी शुरू हो गयी। ऑटो चालक इलाज के लिए पैसे देने से इंकार किया। परिजनों का कहना था कि जो पैसा लग रहा है उसे इलाज में लगाओ। इसी बात को लेकर काफी देर तक दोनों के बीच बहसबाजी होती रही। महिला का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। वैसे परिजनों ने इलाज के लिए पैसे न देने पर ऑटो चालक के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

जहानाबाद सांसद पर संसदीय फंड के दुरुपयोग का आरोप

"यह जहानाबाद की जनता के साथ ठगी है": पूर्व मुख्यमंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद जिले की सियासत एक बार फिर गरमाती नजर आ रही है। मामला जहानाबाद के सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव से जुड़ा है, जिन पर अपने संसदीय निधि (एमपी लैड फंड) का दुरुपयोग करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि सांसद ने यह फंड जहानाबाद में खर्च करने के बजाय अपने पूर्व के विधानसभा क्षेत्र गया जिले के बेलागंज में लगभग 1 करोड़ 75 लाख रुपये की राशि से विकास कार्य कराने की अनुशंसा की है। इस खुलासे के बाद जिले की राजनीति में हड़कंप मच गया है।

इस मुद्दे पर विपक्षी दलों के साथ-साथ आम लोगों में भी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि जब जहानाबाद जिले में आज भी कई मूलभूत विकास कार्य अधूरे हैं- जैसे सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल की समस्या आदि तो सांसद का दूसरे जिले में इतनी बड़ी राशि खर्च करना जनता के विश्वास के साथ धोखा है।इसी बीच, पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी शनिवार को गया से पटना लौटते वक्त जहानाबाद में रुके और पत्रकारों से बातचीत में इस पूरे प्रकरण पर तीखी प्रतिक्रिया दी। मांझी ने कहा, "यह जहानाबाद संसदीय क्षेत्र की जनता के साथ ठगी है। जिस जिले का सांसद होता है, उसका पहला कर्तव्य उस जिले के विकास के लिए काम करना होता है, न कि दूसरे जिले में फंड खर्च करना।" उन्होंने कहा कि संसदीय निधि का स्पष्ट नियम है- सांसद केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र में ही इस राशि का उपयोग कर सकता है। किसी अन्य जिले में इतनी बड़ी राशि देना नियमों का उल्लंघन और नैतिक रूप से गलत है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "अगर किसी दूसरे जिले में कोई बड़ी प्राकृतिक या मानवीय आपदा होती है, तो संवेदनशीलता के तहत सांसद थोड़ी बहुत सहायता कर सकता है। लेकिन 1 करोड़ 75 लाख रुपये जैसी बड़ी राशि देना किसी भी तरह से उचित नहीं है।"

मांझी ने सवाल उठाया कि जब जहानाबाद जिले के सैकड़ों गांवों में विकास कार्य अधूरे हैं, ग्रामीण सड़कें जर्जर हालत में हैं, स्कूलों में संसाधनों की कमी है और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति बदतर है, तब सांसद को गया जिले में इतनी बड़ी राशि खर्च करने की क्या आवश्यकता थी? उन्होंने कहा कि "जनता सब समझ रही है और समय आने पर इसका जवाब जरूर देगी।" मांझी ने प्रशासन से भी इस पूरे मामले की जांच कराने और आवश्यक वित्तीय कार्रवाई करने की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "सांसद निधि जनता की संपत्ति है। इसे व्यक्तिगत या राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जनता को ठगा नहीं जा सकता। यह गंभीर मामला है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।" इस बयान के बाद जहानाबाद की राजनीति में हलचल और तेज हो गई है। स्थानीय राजनीतिक दलों के नेता भी सांसद पर निशाना साध रहे हैं। उनका कहना है कि जहानाबाद का सांसद होने के नाते फंड का उपयोग जिले के विकास में होना चाहिए था।फिलहाल, सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव की ओर से इस विवाद पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

हिंसक बंदरों का झुंड पहुंचा रहा जन व धन को नुकसान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मखदुमपुर (जहानाबाद)। जहानाबाद जिले के टेहटा बाजार में हिंसक बंदरों के झुंड का कहर लगातार जारी है। किसी जंगली इलाके से लाकर यहां छोड़ दिये गए बंदरों का झुंड जन व धन की हानि पहुंचा रहा है। दो दिन पहले बंदरों की झुंड ने टेहटा निवासी विश्राम साव की छोटी बेटी पर जानलेवा हमला कर दिया जिससे वह काफी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। यदि घर परिवार के लोग डंडा व लाठी लेकर बंदरों को नहीं खरेदते तो हिंसक बंदर उस बच्ची की जान ले लेते। अधिवक्ता सह सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश कुमार गौतम उर्फ मुकेश चंद्रवंशी ने बताया कि पिछले दो से तीन माह के अंदर हिंसक बंदरों के हमले से दो दर्जन से अधिक लोग जख्मी हो गए हैं। बंदरों का झुंड महिलाओं एवं छोटे बच्चों पर ज्यादा हमला करता है। बंदरों के हमले से कई महिलाएं भी जख्मी हो गई हैं। इसके आतंक से वृद्ध, महिला व बच्चों के घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। अकेला देखते ही बंदर हमला बोल देता है। हमला से बचने के लिए लोग भागने लगते हैं। जिसके कारण कई लोगों के पैर और हाथ भी टूट चुके हैं। बंदरो का झुंड छत पर लगे पानी की टंकी व नलों को क्षतिग्रस्त कर दे रहा है। इसके डर से आम लोग काफी डरे व सहमे रहते हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि लोगों के जन व धन की हो रही क्षति को ध्यान में रखते हुए इन बंदरों को पकड़कर जंगली इलाके में भेजवाने का कार्य किया जाए अन्यथा बंदरों के हमले से कभी भी किसी की बेवजह जान चली जायेगी।

महुआ धाम में लगता है भूतों का मेला

यहां महिलाएं करती है अजीब हरकतें, भूत-प्रेत से मुक्ति का स्थान, रात में जाना है वर्जित

रंजन सिंह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के कुटुंबा प्रखंड के महुआ धाम में मां अष्टभुजी का मंदिर है। लोगों का मानना है कि यहां प्रेत बाधा से पीड़ित भक्त स्नान कर पान का पत्ता, रोड़ी और कसैली लेकर मंदिर परिसर में बैठते हैं और मां के गीतों पर झूमने लगते हैं। ऐसा कहा जाता है कि यहां मात्र आ जाने से उनके ऊपर लगे प्रेत बाधा से उन्हें छुटकारा मिलता है। बता दें इसे भुतहा मेला भी कहा जाता है। बता दें यहां रोजाना 500 से अधिक भूत प्रेत बाधा से पीड़ित महिलाएं पहुंचती हैं। कोई तालाब में स्नान कर रही होती हैं तो कोई सिर के बाल खोल कर झूमती रहती हैं। कई महिलाएं रोती बिलखती हैं तो कई हमलावर भी होती हैं। यहां पहुंचे लोगों का मानना है कि सभी महिलाएं प्रेत बाधा से ग्रसित है। बता दें मंदिर परिसर में एक नरक कुंड भी है, जिसमें लगातार हवन होता रहता है। हवन का सुगंध मंदिर परिसर के चारों ओर फैली रहती है। वहीं मां अष्टभुजी की कृपा से सभी ठीक भी हो जाते हैं।

चैत्र और कार्तिक में लगता है भूतों का मेला

महुआ धाम के स्थानीय निवासी सुनील कुमार कहते हैं कि इस मंदिर की ख्याति अब जिले ही नहीं बल्कि कई प्रदेशों में फैली हुई है। यहां पर इस चैत्र और कार्तिक माह में बिहार सहित झारखंड छत्तीसगढ़ बंगाल तरफ से प्रेत बाधा से पीड़ित महिलाएं पहुंचती है। इस मंदिर में किसी तरह का न कोई ओझा गुणी नहीं होता है और न कोई मंत्रोच्चार होता है लेकिन फिर भी यहां पहुंचने वाली महिलाएं इस प्रेत बाधा से ठीक हो जाती हैं।

बिहार सहित दूसरे राज्यों से आते हैं लोग

स्थानीय की मानें तो यह कोई वर्षों पुराना मंदिर नहीं हैं बल्कि यह सिर्फ 20 साल पहले का ही मंदिर है। स्थानीय निवासी भैरो वैद्य बताते हैं कि 20 वर्ष पहले इस स्थान को हीरा सहाय कहा जाता था। इस परिसर में दो महुआ के पेड़ थे जिसके गिरने पर यहां मां अष्टभुजी की मूर्ति मिली थी तब से इसमें पूजा पाठ शुरू हो गया और देखते ही देखते हजारों लोगों के आने से इसे महुआ धाम के रूप में प्रसिद्धि मिल गई है। हालांकि मनोचिकित्सक द्वारा इसे एक मानसिक बीमारी ही माना जाता है।

जान जोखिम में डाल बस की छत पर बैठ यात्रा कर रहे यात्री

- कभी भी हो सकती है बड़ी घटना
- चैन की नींद सोए हैं परिवहन विभाग के लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले में आए दिन दुर्घटना घट रही है। बावजूद बसों में कोई खास असर दिखता नजर नहीं आ रहा है। जिले के विभिन्न रुटों में चलने वाली निजी बसों में ओवरलोडिग हो रही है। बता दें कि प्रतिदिन दुर्घटना होने के बावजूद भी बस संचालक सवारियों को बस की छत पर सफर करवाया जा रहा है। यहां निजी बस मालिक लगातार क्षेत्र में अपनी बसों में यात्रियों को छतों पर भेड़-बकरियों की तरह ठूंस-ठूंस कर भर रहे हैं। निजी बस मालिक चंद पैसों की खातिर यात्रियों की जान को जोखिम में डालकर ओवरलोडिंग करने में लगे हुए हैं। यहां तक जिले में जब कहीं भी बस हादसा होता है तो उस वक्त बड़े-बड़े नेता व प्रशासन एक दम हरकत में आते हैं। साथ ही बड़े-बड़े कानून बनाने की बातें कहते हैं, लेकिन कुछ समय बाद फिर स्थिति पहले जैसे ही हो जाती है। यातायात नियमों की अवहेलना पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं होती। यहां तक तक की जब कभी बस चालक की नजर पुलिस पर पड़ती है तो बस चालक बसों में सवारियों को छतों से उतार कर अंदर ठूंस दिया जाता है। परिवहन मंत्री के आदेशों की निजी बस मालिक कोई भी परवाह नहीं करते हैं। जम्होर के प्रदीप कुमार, विकास साव, औरंगाबाद शाहपुर के बब्लू सिंह ने बताया कि झारखंड के रांची से आ रहे हैं। ट्रेन से अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन उतरे तो बस में भीड़ अत्यधिक थी। मजबूरन जान जोखिम में डालकर बस के छत के ऊपर बैठ गए। जान जोखिम में डालकर किसी तरह औरंगाबाद पहुंचे है। एमवीआई औरंगाबाद ने बताया कि ओवरलोडिंग वाहनों के खिलाफ हमेशा जांच अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है। साथ ही वाहन चालकों से जुर्माना वसूला जाता है। वाहन चालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी बस चालक ओवरलोडिंग करते पकड़े जाएंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सड़क के किनारे सजती है फल व सब्जी की दुकानें, लोगों की जान खतरे में

परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा नहीं दिया जा रहा ध्यान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जीटी रोड के सिक्स लेन का निर्माण कार्य चारी है लेकिन वर्तमान में अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग के कारण यह सिकुड़ सी गई है। जहां-तहां सैकड़ों गाडियां खड़ी रहती हैं। सड़क पर ही सब्जी बाजार सजता है। इस कारण एनएच पर हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है। लेकिन एनएचएआइ और प्रशासन दोनों बेपरवाह बना हुआ है।

सड़क पर सैकड़ों की संख्या में वाहन लगे रहते हैं। यूं कह लीजिए जीटी रोड पर सिर्फ ट्रक खड़े रहते हैं। एनएच-दो एवं एनएच-139 पर सड़क किनारे वाहन लगे रहते हैं। वाहन खड़ा रहने के कारण जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। एनएचएआइ के अधिकारी व्यवस्था सुचारू करने में असफल साबित हो रहे हैं। महाराणा प्रताप चौक से रायपुरा गांव मोड़ तक जीटी रोड पर दोनों तरफ वाहन खड़े रहते हैं। सड़क पर वाहनों के खड़े होने से कई बार दुर्घटना हुई है। घटना के बाद एनएचएआइ की नींद खुलती है तो अभियान चलाया जाता है फिर कुछ दिनों बाद सभी चीजें पुरानी हो जाती है। बता दें कि शहर में तीन बस स्टैंड हैं जिनमें दो की स्थिति काफी बदहाल है। रामबांध में बेहतर बस स्टैंड बना परंतु नेशनल हाइवे पर ही वाहनों को खड़ा किया जाता है। रामाबांध बस स्टैंड की स्थिति नारकीय है। सभी वाहन एनएच-139 पर लग रहे हैं। इस वजह से जाम की समस्या हो जाती है। ओवरब्रिज से लेकर रामाबांध तक दोनों तरफ बस खड़े रहते है। बीच में थोड़ी जगह बच रही है जिसमें वाहनों का आवागमन होता है। अतिक्रमण से नागरिक परेशान हैं। मदनपुर एवं शिवगंज में बस स्टैंड भी जीटी रोड पर है। मदनपुर में हाइवे पर वाहन लगे रहने के सड़क संकीर्ण हो गई है। सड़क किनारे सजती है सब्जी दुकान जले में एनएच पर ही सब्जी की दुकानें सजती है। ओबरा में औरंगाबाद-पटना मुख्य पथ पर सब्जी की दुकानें लगती है। इस कारण हमेशा जाम रहता है। हमेशा दुर्घटनाएं होती रहती है। एनएच पर सब्जी विक्रेताओं ने कब्जा जमा रखा है। अधिकारियों की उदासीनता के कारण नागरिकों एवं ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। शहर के एनएच-139 पर ओवरब्रिज से रामाबांध तक सब्जी एवं चाइनीज फूड का ठेला लगा रहता है। दाउदनगर में भी यही स्थिति है। यहां भी बस सड़क पर ही खड़े होते हैं।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 05-10-2025 21:16 Page 1

औद्योगिक क्षेत्र में जलभराव से

सैकड़ों फैक्ट्रियों में उत्पादन पूरी तरह ठप

उद्यमियों ने जताया विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मूसलधार बारिश के बाद बेला औद्योगिक क्षेत्र का पूरा परिसर अस्त-व्यस्त हो गया है। जलजमाव से करीब 200 फैक्ट्रियों में पानी घुस गया, जिससे उत्पादन पूरी तरह ठप रहा। नुकसान से आक्रोशित उद्यमियों ने बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) नीरज कुमार मिश्रा से मिलकर विरोध दर्ज कराया। जलनिकासी की मांग की।

उत्तर बिहार उद्यमी संघ के अध्यक्ष संजीव चौधरी व उपाध्यक्ष अवनीश किशोर ने बताया परिसर की करीब 200 फैक्ट्रियों में पानी भर जाने से कच्चे माल के डूबने व मशीनरी में पानी घुसने से करीब 50 करोड़ के नुकसान का अनुमान है।

जलजमाव व बारिश से मजदूर भी काम पर नहीं आ सके, जिससे उत्पादन प्रभावित रहा। बेला फेज-एक के साथ दो भी जलभराव से प्रभावित रहा। डीजीएम से मिलने पहुंचे उद्यमियों ने सवाल किया, आप किस चीज का सुविधा व मेंटेनेंस शुल्क ले रहे हैं।

एक दिन की बारिश में पूरा परिसर जलमग्न हो गया। हमारा कच्चा माल डूब गया, इसकी भरपाई कौन करेगा। उद्यमियों ने मांग की कि उन्हें हुए नुकसान की भरपाई की जानी चाहिए। डीजीएम से मिलने वालों में संघ के महासचिव विक्रम कुमार विक्की, शशांक श्रीवास्तव, चितरंजन कुमार, मुरारी शाही आदि थे। उद्यमियों के अनुसार परिसर के अंदर के नालों को मुख्य (सरकारी) नाले से न जोड़ा जाना, जिससे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। शहरी व आसपास के रिहायशी इलाकों का पानी भी औद्योगिक परिसर में प्रवेश कर रहा है। परिसर में बनने वाले नालों व सड़कों का निर्माण समय पर पूरा नहीं होना जलजमाव का प्रमुख कारण बन रहा है।

110 एमएम बारिश ने तोड़ा वर्षों का रिकार्ड

मुजफ्फरपुर। चक्रवात व बंगाल की खाड़ी में बन रहे दबाव से लगातार हो रही बारिश ने उत्तर बिहार में पिछले 15 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है। पिछले 24 घंटे में 110 मिमी से अधिक बारिश रिकार्ड की गई। यह आंकड़ा शनिवार सुबह तक का है। रात तक 175 मिमी बारिश होने का अनुमान लगाया जा रहा है। दूसरी ओर रविवार को भी भारी बारिश की संभावना बनी रही।

आज मेट्रो का सपना होगा पूरा

पटना। पटना के लोगों का वर्षों पुराना सपना अब हकीकत बनने जा रहा है। कल से वह मेट्रो, जिसे अब तक पोस्टरों और परीक्षण दौर में देखा गया था, आम यात्रियों को लेकर पटरी पर दौड़ेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करेंगे और साथ ही बेली रोड पर मेट्रो के भूमिगत निर्माण कार्य की नींव भी रखेंगे।

मेट्रो में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीएमआरएस (मेट्रो रेल सेफ्टी कमिश्नर) ने ट्रायल और तकनीकी जांच पूरी करने के बाद आवश्यक प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। दशहरा से ठीक पहले हुई विस्तृत समीक्षा में सिग्नलिंग सिस्टम, पटरियों की मजबूती, ब्रेकिंग और ट्रेन की गति सहित सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की गई, और रिपोर्ट में सभी मानकों की पूर्ति पाई गई।

उद्घाटन की तिथि 6 अक्टूबर तय की गई है, जब पहली मेट्रो सेवा चलने के साथ-साथ भूमिगत मार्ग के लिए शिलान्यास भी किया जाएगा। भूमिगत मार्ग बनने से शहर के व्यस्त मार्गों पर ट्रैफिक दबाव कम होगा और यात्रा और भी सुगम होगी।

पीके ने मांझी को दिया झटका

हम के नेताओं ने थामा जसुपा का दामन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रविवार को गया जिला से आए हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के कई नेताओं ने जन सुराज पार्टी (जसुपा) की सदस्यता ले ली।

पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने पीला गमछा ओढ़ाकर उन सभी का स्वागत किया। उन सभी ने कहा कि जीतनराम मांझी की पार्टी परिवार और रिश्तेदार तक सिमट कर रह गई है।

हम के एससी-एसटी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे राजेश्वर मांझी, राष्ट्रीय महासचिव रही डॉ. शशि यादव, प्रदेश महासचिव लक्ष्मण मांझी, प्रदेश सचिव राकेश कुमार सिंह, प्रदेश युवा सचिव सुनील चंद्रवंशी, जिला परिषद सदस्य पार्वती देवी और गणेश मांझी आदि जसुपा में आए हैं।

डॉ. शशि यादव ने कहा कि बिहार बदल रहा है। अब तक हम लोग दूसरे के बेटे-बेटी और बहू को मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक बनाने के लिए काम करते आए हैं। अब प्रशांत किशोर के कथनानुसार हम लोग अपने बच्चों का भविष्य बदलने के लिए काम करेंगे।

राजेश्वर मांझी ने कहा कि प्रशांत किशोर की विचारधारा गरीबों के लिए है। बिहार अभी बदलाव की ओर बढ़ रहा है। इसलिए हम लोग प्रशांत जी के साथ चलने के लिए आगे आए हैं। मैं मांझी जी को पितातुल्य मानता हूं। उन्हें कई बार कहा भी कि पार्टी भटक गई है। पार्टी के लोग अब पूंजीपतियों के साथ हैं, लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं मानी। इसलिए हम लोगों ने सामूहिक तौर पर त्यागपत्र दे दिया। लक्ष्मण मांझी ने कहा कि प्रशांत किशोर की विचारधारा युवाओं के विकास के लिए है। जसुपा पहली पार्टी है, जो बिहार के बच्चों का पलायन रोकने और उन्हें आगे बढ़ाने की बात कर रही है। हम का मतलब अब जीतन राम मांझी, संतोष मांझी, ज्योति मांझी ही है। पार्वती देवी ने कहा कि हम लोग मांझी का रवैया देखकर बहुत निराश हो गए हैं। उनको अब मात्र अपना परिवार दिख रहा है। इसलिए अब प्रशांत किशोर के साथ रहना है।

मोटरसाइकिल की ठोकर से साइकिल सवार की मौत

शिवाजीनगर। प्रखंड क्षेत्र के भटौरा पंचायत अंतर्गत बथनाहा गांव के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार वृद्ध की मौत हो गई। मृतक की पहचान दूबेपुर गांव निवासी राम रतन मंडल के रूप में हुई है। वे अपने साइकिल से भटौरा गांव में एक संबंधी से मुलाकात कर लौट रहे थे तभी तेज रफ्तार मोटर साइकिल ने सामने से ठोकर मार दी। ठोकर लगने के बाद वृद्ध सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सीडीपीओ ने चलाया जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

तरैया,(सारण)। प्रखंड के पचरौड़ पंचायत अंतर्गत टिकमपुर गांव स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर शनिवार को बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सुधा कुमारी ने मतदाता जागरूकता अभियान के तहत महिलाओं व पुरुषों को संबोधित कर मतदान के महत्व पर जागरूक किया। खराब मौसम के बावजूद ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। सीडीपीओ सुधा कुमारी ने कहा कि – वोट हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। लोकतंत्र को मजबूत बनाने और क्षेत्र के विकास की दिशा तय करने के लिए हर नागरिक को मतदान अवश्य करना चाहिए।

उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर दूसरों को भी मतदान के प्रति प्रेरित करें, क्योंकि सशक्त महिला ही सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला होती है। इस मौके पर सेविका संजू कुमारी सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने का संकल लिया। लोगों को संकल्प दिलाया गया।

महिला का हाथ पैर बांधकर लाखों की डकैती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। घोघा थाना क्षेत्र के घोघा बाजार में बेखौफ अपराधियों ने सुबह के उजाले में डकैती की घटना को अंजाम दिया। यजमानी दक्षिणा (फल) देने के बहाने आए तीन लूटेरों ने घोघा बाजार निवासी गोपाल उपाध्याय के घर में जमकर लूट पाट की। तीनो लूटेरा बिना नंबर की एक हीं मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए और लूट की घटना को अंजाम देकर वापस चले गए । घटना रविवार सुबह की है । लूटेरा सुबह 6:15 में घर के अंदर घुसे घर के अंदर रह रही एक मात्र महिला कांति देवी का हाथ पैर बांध दिया मुंह में कपड़ा ठूंस कर टेप से चिपका दिया और 7:00 बजे घटना को अंजाम देकर निकल गए। घटना के वक्त गृह स्वामी गोपाल लूटेरों के साजिस मे फंसकर कहलगॉव चले गए थे। सूचना पाकर थानाध्क्ष व अन्य पदाधिकारी के साथ घटना स्थल पहुंचे आवश्यक जांच पड़ताल कर जल्द हीं उद्भेदन करने का पीड़ीत को अवश्वासन दिया।

बिहार-यूपी स्टेट हाइवे पर आवागमन ठप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कर्मनाशा नदी एक बार फिर उफान पर आ गई है। कैमूर जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र में स्थित उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने वाला दुर्गावती ककरैथ मार्ग पूरी तरह से बाधित हो गया है। लगातार 48 घंटे से हो रही बारिश और मुसाखाड़ बांध से 35 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने के बाद लतीफ शाह बीयर से हजारों क्यूसेक पानी ओवरफ्लो होकर कर्मनाशा नदी में गिर रहा है, जिससे नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है।

स्थल पर पानी की तेज धारा ढाई से तीन फीट तक बह रही है। राहगीरों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से डायल 112 की टीम ककरैथ पथ पर तैनात कर दी गई है। डायल 112 के पुलिसकर्मी नितिन कुमार ने बताया कि बढ़ते जलस्तर के कारण आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है और सुरक्षा के लिए टीम मौके पर मौजूद है। उन्होंने राहगीरों से अपील की है कि वे समझदारी से दूसरे रास्ते का उपयोग करें, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो।

चुनौतीपूर्ण हालात, प्रशासन चौकस

स्थानीय नेता और लोजपा प्रखंड अध्यक्ष पंडित रामप्रवेश शर्मा ने कहा कि यह वही जमानिया दुर्गावती पथ है, जहां जितिया पर्व के बाद पहली बार इस तरह के बाढ़ के हालात बने हैं। उन्होंने बताया कि हर साल तेज बारिश के दौरान कर्मनाशा नदी का जलस्तर बढ़ जाता है और यह पुलिया पर छलकता है। पंडित रामप्रवेश ने प्रशासन से मांग की कि इस मार्ग पर एक स्थायी पुल का निर्माण किया जाए, जिससे भविष्य में इस तरह की समस्या से निपटा जा सके। इस तरह लगातार बढ़ते जलस्तर और तेज धारा के कारण स्थानीय लोगों और प्रशासन के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा हो गए हैं।

लापता बच्चे की लाश पोखर से बरामद

बेगूसराय। वीरपुर प्रखंड के नौला गोइठा बहियार स्थित एक पोखर से रविवार की दोपहर तीन दिनों से लापता 12 वर्षीय बच्चे का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। मृतक की पहचान नौला गांव वार्ड संख्या-19 निवासी चितरंजन यादव के बारह वर्षीय पुत्र विपिन कुमार के रूप में की गई है। ग्रामीणों के अनुसार, विपिन तीन दिनों से लापता था। शनिवार की देर शाम स्वजनों ने उसकी गुमशुदगी की सूचना स्थानीय पुलिस पिकेट को दी थी। सूचना के बाद रविवार दोपहर ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने गोइठा बहियार की पोखर से बच्चे का शव बरामद किया।घटना की जानकारी मिलते ही पिकेट प्रभारी अकरम खान दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय भेज दिया। पिकेट प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला डूबने से हुई मौत का प्रतीत होता है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि की जा सकेगी।

करंट से ट्रॉली पर डांस कर रहे युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिवान। एमएच नगर थाना क्षेत्र के पकड़ी में रविवार की दोपहर मूर्ति विसर्जन के दौरान ट्रॉली पर चढ़कर डांस कर रहे युवक की हाई टेंशन तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है।

मृतक की पहचान पकड़ी निवासी श्रीराम पंडित के पुत्र अभय कुमार (19) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि पकड़ी गांव में रविवार को मां दुर्गा समेत अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का विसर्जन हो रहा है।

इस दौरान युवाओं द्वारा आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था। आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम ट्रैक्टर ट्रॉली पर चल रहा था। वहीं, पूरे गांव का भ्रमण करने के बाद चालक गांव स्थित हनुमान मंदिर के समीप ट्रॉली को घुमाने लगा। तभी अभय कुमार ट्रॉली के ऊपर चढ़कर डांस करने लगा। इस दौरान पास से गुजर रहे हाई टेंशन तार की चपेट में आकर वह झुलस गया। घटना के बाद अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। स्वजन व ग्रामीण उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

स्वजन उसे सदर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त कर थाना लाई तथा शव का पोस्टमार्टम कराने की तैयारी में जुट गई।

थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव में हाई टेंशन विद्युत तार की चपेट में आने से अभय कुमार की मौत की सूचना मिलते ही स्वजनों के रोने से माहौल गमगीन हो गया। आसपास के ग्रामीण स्वजनों को ढांढ़स बंधा रहे थे। अभय तीन बहनों व दो भाइयों में सबसे छोटा था। वह इंटर का छात्र था। उसके तीनों बहनों की शादी हो चुकी है।

प्रेमिका के साथ भागे युवक की पिटाई से मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। अंतरजातीय प्रेम संबंध से नाराज लड़की पक्ष के लोगों ने युवक को हरियाणा के पानीपत में पकड़ने के बाद शेखपुरा लाने तक इतना पीटा कि उसका दम निकल गया। हैवानियत ऐसी कि रास्ते भर उसकी पिटाई करते रहे। जहां युवक की हालत मरणासन्न हो जाती, नजदीकी अस्पताल में उसका उपचार कराने के बाद फिर मारते-पीटते गंतव्य के लिए रवाना हो जाते।दिल दहलाने वाली यह वारदात शेखपुरा थाना क्षेत्र के लालबाग मुहल्ला निवासी जितेंद्र कुमार के 21 वर्षीय बेटे गोलू कुमार के साथ हुई। गोलू का मृत शरीर उसकी मां प्रतिमा देवी और रिश्तेदारों ने डॉ. पुरुषोत्तम के अस्पताल से सोमवार की शाम छह बजे बरामद किया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

एएसपी डा. राकेश कुमार ने बताया कि अब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन शरीर पर जख्म के कई निशान मिले हैं। गोलू की मौत की बाबत लड़की के पिता और रिश्तेदारों के विरुद्ध हत्या की प्राथमिकी की गई है। उसकी प्रेमिका की बरामदगी के लिए भी प्रयास जारी है। गोलू का दूसरे मुहल्ले की एक युवती से प्रेम संबंध चल रहा था। दोनों 17 जुलाई को घर से भाग गए। इसके बाद दोनों के रिश्तेदारों ने खोजबीन शुरू की। सूचना पर गोलू का भाई दिलीप कुमार और बहनोई सोनू कुमार दिल्ली गए थे, जहां उनकी मुलाकात लड़की के तीन रिश्तेदारों से हुई। वे दिलीप और सोनू को बहला-फुसलाकर दिल्ली स्थित अपने घर लेकर गए और वहां दोनों को बंधक बना लिया। उन्हें कहा जा रहा था कि जब तक गोलू नहीं मिलता, तब तक वे इसी घर में रहेंगे। काफी मिन्नतें करने पर पांच दिनों बाद लड़की के रिश्तेदारों ने गोलू के भाई और बहनोई को मुक्त किया।

प्राथमिकी के अनुसार, गोलू के भाई दिलीप को लड़की के पिता और एक महिला रिश्तेदार ने 28 सितंबर को काल की। उन्होंने बताया कि गोलू उनकी गिरफ्त में है और वे उसे लेकर बिहार लौट रहे हैं। उसी शाम करीब छह बजे गोलू की उसके भाई से बात कराई गई।

तब उसने बताया कि उसकी बेरहमी से पिटाई की गई है। उसके हाथ और पैर की हड्डी टूट गई है। सिर भी फोड़ दिया गया है। उसकी हालत बिगड़ने पर मथुरा (उत्तरप्रदेश) के एक अस्पताल में उसे लाया गया है। गोलू ने जान बचाने की गुहार लगाई और कहा कि ये लोग रास्ते में मुझे मार डालेंगे। सोमवार को गोलू को शेखपुरा के डा. पुरुषोत्तम के अस्पताल में भर्ती कराने के बाद लड़की के पिता ने सूचना दी। उसने गोलू की मां को बताया कि धर-पकड़ में वह (गोलू) छत से कूद गया था, जिससे वह जख्मी हो गया। इस कारण उसे डॉ. पुरुषोत्तम के यहां भर्ती कराया गया। उस वक्त प्रतिमा देवी लखीसराय जिले के महसौना स्थित मायके में थीं।

काव नदी के उफान से किसानों में चिंता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रोहतास। हथिया नक्षत्र में शुक्रवार को तेज गरज के साथ हुई मूसलाधार बारिश से काव नदी रविवार को दूसरे दिन भी उफान पर रही। नदी के जलस्तर में वृद्धि हो जाने से क्षेत्र के सैंकड़ों एकड़ खेत में लगी धान की फसल जलमग्न हो बर्बाद हो रही है। पानी में डूबे धान की फसल को देख किसानों का कलेजा मुंह को आ जा रहा है। बावजूद अधिकारी व जनप्रतिनिधि प्रतिनिधि मूकदर्शक बने हुए हैं। इससे किसानों में निराशा पनपने लगा है।

काव नदी में आई बाढ़ से राजपुर, अकोढ़ीगोला व संझौली प्रखंड के हजारों एकड़ खेत में लगे धान के पौधे पानी में डूबकर बर्बाद हो रहे हैं। बाढ़ से प्रभावित राजपुर, प्रतापगंज, छनहा, कुशधर, सुअरा, पकड़ी, रामूडीह, मिश्रवलिया, अकोढ़ीगोला के कपसिया, हब्बुपुर तथा संझोली प्रखंड के बेनसागर सहित अन्य गांव के खेत में लगी धान की फसलों को नुकसान हुआ है। पकड़ी निवासी मदन मोहन तिवारी, प्रतापगंज के राजेंद्र सिंह, सोना महतो, कपसिया के धनंजय सिंह, विनोद सिंह, भलुआही रामजीत पांडेय, महेंद्र पांडेय, राजपुर के सतीश कुमार सिंह, अजय यादव आदि ने कहा कि काव नदी में बाढ़ आती है, लेकिन अभी तक हथिया नक्षत्र में इतनी बाढ़ कभी नहीं आई थी।

इस नक्षत्र में धान की फसल डूब जाने से पैदावार काफी प्रभावित हुआ है। अब भगवान ही किसानों के सहारा हैं। रोहिणी नक्षत्र बिचड़े वाले धान अब फूटने के कगार पर हैं, जिसे बाढ़ ने अपने आगोश में ले किसानों के सपने को चकनाचूर कर दिया।

काव नदी का जल निकास अवरूद्ध हो गया है। इसकी सफाई को ले कई बार सांसद, विधायक तथा अधिकारी से मांग की गई, लेकिन आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला।

शाहपुर-बनाही पथ पर छेर नदी का पानी चढ़ने से यातायात ठप

कई गांवों का संपर्क टूटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। तीन राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ने वाली शाहपुर बनाही पथ पर मिशन चर्च के समीप छेर नदी का पानी चढ़ाने के कारण यातायात पूरी तरह से ठप हो चुका है। वहीं तेज धार के कारण पुलिया के एक खंभे में दरार पड़ पड़ गया है।जिसके कारण कब कोई दुर्घटना हो जाये कहा नहीं जा सकता है।

आज महत्वपूर्ण सड़क एनएच 84, पटना-बक्सर फोरलेन एनएच922 व आरा-मोहनिया एनएच30 को आपस मे जोड़ती है। इसके साथ ही शाहपुर का नजदीकी रेलवे स्टेशन बनाही से संपर्क कट गया है। सड़क पर तीन से चार फीट तक पानी करीब दो सौ मीटर तक भरा हुआ है।वहीं आसपास के कई गांवों का सड़क संपर्क शाहपुर से कट चुका है।जिसके कारण लोगो शाहपुर रेफरल अस्पताल में इलाज के लिए आने में परेशानी खड़ी हो गई है। वही शाहपुर में दैनिक बाजार को आने वालों हजारो लोगो इससे परेशान है।

इधर शाहपुर एसएचओ राजेश मालाकार में बताया पुलिस प्रशासन को भी गश्ती करने व अन्य कार्यो के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताते चलें कि इस सड़क से प्रत्येक दिन हजारो की संख्या में लोग शाहपुर अपने कई कार्यो को लेकर आते जाते हैं। लेकिन सड़क पर पानी चढ़ने के कारण आवागमन पूरी तरह से बाधित है।

वहीं दामोदरपुर पंचायत के वार्ड संख्या नौ में सुरेश राय के घर के समीप पीसीसी सड़क के धंस जाने कारण ग्रामीण सड़क पर यातायात प्रभावित हो गया है।

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आगाज

38 जिलों के 684 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गया कॉलेज खेल परिसर स्थित खेल भवन में रविवार को बिहार राज्य खेल प्रतिभा खोज मशाल के तहत राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आगाज हुआ। तीन दिवसीय यह आयोजन अंडर-14 और अंडर-16 आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए खेल विभाग की सबसे प्रतिष्ठित प्रतिस्पधाओं में से एक मानी जा रही है।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों में जिला खेल पदाधिकारी सुरभि बाला, अल्पसंख्यक कल्याण सहायक निदेशक राहुल कुमार, प्रतियोगिता संयोजक आनंद शंकर तिवारी और मोती करीमी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई।

मंच पर उपस्थित अधिकारियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए इसे युवाओं की प्रतिभा निखारने का सुनहरा मंच बताया। इस राज्यस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में बिहार के कुल 38 जिलों से 684 खिलाड़ी शामिल हुए हैं।

5 से 7 अक्टूबर तक चलने वाले इस आयोजन में दोनों आयु वर्गों में दर्जनों मुकाबले प्रतिदिन खेले जा रहे हैं। पहले ही दिन परिसर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और दर्शकों से गुलजार रहा।

उद्घाटन के तुरंत बाद अंडर-16 वर्ग का पहला मुकाबला बक्सर और दरभंगा की टीमों के बीच खेला गया। मैच शुरू से ही कांटे का रहा। बक्सर ने आक्रामक खेल का परिचय देते हुए शुरूआती बढ़त बनाई, वहीं दरभंगा की टीम ने दमदार वापसी की कोशिश की।

अंततः बक्सर ने 28-26 के स्कोर से मुकाबला अपने नाम किया। खेल प्रशंसकों के लिए यह मैच रोमांच और जोश से भरपूर रहा। खिलाड़ियों के कौशल, चपलता और पकड़ने की तकनीक को देखकर दर्शक बार-बार तालियां बजाने को मजबूर हुए।

प्रतियोगिता संयोजक आनंद शंकर तिवारी ने बताया कि उद्घाटन दिवस पर ही करीब एक दर्जन मुकाबले अलग-अलग जिलों की टीमों के बीच खेले जाएंगे। शाम तक लगातार मैचों का सिलसिला चलेगा। अंडर-14 और अंडर-16 दोनों वर्गों के खिलाड़ी अपने-अपने जिलों का गौरव बढ़ाने के लिए पसीना बहाएंगे। गया कालेज खेल परिसर में सुबह से ही खिलाड़ियों और अभिभावकों की आवाजाही शुरू हो गई थी। आयोजन स्थल पर मेडिकल टीम, पेयजल, विश्राम स्थल और तकनीकी अधिकारियों की पूरी व्यवस्था की गई है। सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ प्रशासन भी मुस्तैद है।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेडिकल कैंप लगाया गया है। यह कैंप शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, इकबाल नगर की टीम द्वारा संचालित किया जा रहा है।

मौके पर एएनएम ममता कुमारी, एलटी यश राजन, सुषमा कुमारी, मंजू कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी तैनात हैं। साथ ही आपात स्थिति के लिए जेपीएन अस्पताल से एंबुलेंस 102 भी मुहैया कराई गई है। मेडिकल टीम खिलाड़ियों को प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य जांच और आवश्यकता अनुसार मदद उपलब्ध करा रही है।

जिला खेल पदाधिकारी सुरभि बाला ने बताया कि मशाल प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की छिपी प्रतिभाओं को राज्य स्तर पर अवसर देना है। उन्होंने कहा कि यहां से चयनित खिलाड़ियों को आगे राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भी तैयार किया जाएगा।

पहले दिन के मुकाबलों ने यह साफ कर दिया है कि आने वाले दो दिन कबड्डी प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक रहने वाले हैं। खिलाड़ियों में हौसला और जीत का जज्बा दिख रहा है।

कागजों पर ही चल रहा अभियान

जमुई। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत छूटे हुए पात्र लाभुकों के लिए पंचायत वार राशन कार्ड निर्माण अभियान चकाई प्रखंड में सिर्फ कागजों पर ही चलता दिख रहा है। शनिवार को चंद्रमंडी और रामसिंहडीह पंचायत में जागरण पड़ताल में यह सच सामने आया। चंद्रमंडी पंचायत में कैंप स्थल पर सिर्फ विकास मित्र राजेश दास मौजूद थे। पंचायत सचिव और डाटा इंट्री आपरेटर अनुपस्थित रहे। शिविर की जानकारी के अभाव में केवल एक लाभुक ही आवेदन देने पहुंचा। विकास मित्र ने मात्र एक आवेदन प्राप्त होने की पुष्टि की। रामसिंहडीह पंचायत में तो हाल इससे भी अधिक लापरवाही भरा रहा। यहां कैंप के लिए तय स्थल पर कोई कर्मी-कर्मी या अधिकारी पहुंचे ही नहीं, जबकि जिलाधिकारी के स्पष्ट निर्देश थे कि शिविर में पंचायत कर्मी, कंप्यूटर आपरेटर लैपटाप सहित उपस्थित रहेंगे और मौके पर ही आनलाइन एंट्री कर रसीद दी जाएगी। स्थानीय स्तर पर प्रचार-प्रसार नहीं होने और अधिकारी निरीक्षण से नदारद रहने के कारण यह महत्वपूर्ण अभियान धरातल पर फेल साबित होता दिख रहा है।

किशोरी के अपहरणकर्ता को लोगों ने दबोचा, धुना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। मुफस्सिल थाना अंतर्गत समस्तीपुर कालेज के समीप से एक नाबालिग किशोरी को भागने का बदमाशों ने असफल प्रयास किया। इस दौरान उक्त किशोरी का ममेरा भाई बदमाशों की बोलेरो गाड़ी से लटक गया।

इस दौरान सभी उसे दो सौ मीटर आगे तक घसीटते रहे।

हल्ला होने पर कन्हैया चौक के समीप में ग्रामीणों ने वाहन को घेर लिया। इस दौरान दो तीन बदमाश भागने में सफल रहा। जबकि, चालक समेत दो को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। सभी ने दोनों की जमकर पिटाई कर दी। दोनों पूसा थाना इलाके के रहने वाले बताए गए है।

सूचना पर पहुंची मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पकड़ गए बदमाश और गाड़ी को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आयी। बताया गया कि अपने ननिहाल में रह रही बंगरा थाना की एक किशोरी को बदमाशों ने भगाने की कोशिश की।

इस दौरान उसके एक ममेरे भाई ने देख लिया। वह दौड़कर गाड़ी में बदमाशों को पकड़ लिया। इस दौरान चालक गाड़ी स्टार्ट कर भागने की कोशिश की। वह दो सौ मीटर से अधिक दूर तक युवक को सड़क से घसीटते हुए भागता रहा। हल्ला होने पर ग्रामीणों ने उक्त वाहन को घेर लिया।

मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सभी जद में रहे दोनों युवक की जमकर पिटाई करना शुरू कर दिया। थानाध्यक्ष अजित प्रसाद सिंह ने बताया कि उक्त किशोरी एक बार पहले भी घर से भाग चुकी है।

मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने बरामद कर स्वजनों को सौंप दिया था। उसी वजह से पुनः भगाने का प्रयास किया गया होगा।

पुलिस घटना की छानबीन में जुटी है। स्वजनों के बयान पर अग्रेतर कर्रवाई की जाएगी।

CMYK

पारस हॉस्पिटल कैंसर मरीजों का करेगी और बेहतर इलाज : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजवंशी नगर स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम के सभागार में मुख्य अतिथि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां ने पारस हॉस्पिटल में कैंसर के मरीजों की तेजी और सटीकता से इलाज के लिए अत्याधुनिक दो मशीनें लिनेक और पेट सीटी का उद्घाटन किया। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां, एम डी डॉ. धर्मिंदर नागर, जोनल डायरेक्टर अनिल कुमार, जनरल सर्जरी के डायरेक्टर डॉ.अहमद अब्दुल हई, आर्थोपेडिक के डायरेक्टर डॉ. जॉन मकोपाध्याय, रेडिएशन आंकोलॉजी डॉ. शेखर केशरी और डॉ. चिन्मय बिसवाल ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां ने कहा कि आधुनिक तकनीक की दूसरी मशीनें लिनेक और पेट सीटी को पारस हॉस्पिटल में प्रतिस्थापित किया जा रहा है। यहां सिर्फ मशीन स्थापित नहीं हो रही है बल्कि एक नई उम्मीद जगी है। पारस हॉस्पिटल शुरू से ही बहुत अच्छा काम कर रहा है। अब और ज्यादा सुविधाओं के साथ बेहतर तरीके से अपने मरीजों का उपचार कर सकेगा। एक समय कैंसर का नाम सुनकर ही लोग डर जाते थे। यह बताने को भी तैयार नहीं होते थे कि उन्हें यह बीमारी है, लेकिन आज दुनिया में जो आधुनिक विज्ञान है, नई शोध है, नई दवाइयां है और उससे भी बढ़कर हमारे चिकित्सक है जिस तरीके से वे इलाज करते हैं उनकी बड़ी भूमिका होती है। चिकित्सक का जो संवाद होता है वो कैसे अपने मरीजों से बात करते हैं जिससे मरीजों का और उनके परिजनों का मनोबल बढ़ता है। पटना शहर में ऐसी चिकित्सा सुविधाएं है तो हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले दिनों में बिहार के मरीज इलाज के लिए बाहर नहीं जायेंगे जो चिकित्सा सेवा आज बिहार में उपलब्ध है वो किसी भी तरह से कम नहीं है। भारतीय समाज में निरोगी काया को बहुत महत्व दिया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार होने चाहिए। किसी भी अच्छे कार्य के लिए स्वस्थ शरीर की जरूरत है।

एमडी डॉ. धर्मिंदर नागर ने कहा कि मैने इंग्लैंड में एक चिकित्सक के तौर पर कार्य किया और मैंने महसूस किया कि हर इंसान की जरूरत बराबर है। हॉस्पिटल वहां होने चाहिए जहां जरूरत है। मुझे याद है एनसीआर और कोलकाता के बीच में एक पेट सीटी स्कैन था और देश की एक तिहाई आबादी जहां पेट सीटी स्कैन नहीं है तब मैने कहा कि जब गुड़गांव और दिल्ली में पेट सीटी स्कैन है तो बिहार में क्यों नहीं। हम अपने मरीजों से वायदा करते हैं कि हम आपका ईमानदारी से और उचित कीमत पर इलाज करेंगे। जोनल डायरेक्टर अनिल कुमार ने कहा कि बिहार की धरती पर मोस्ट एडवांस मेडिकल साइंस का सपना आज से 10 वर्ष पहले देखा था इसे आज धरातल पर देख रहे हैं। इसका सारा श्रेय हमारे एमडी डॉ. धर्मेंद्र नागर को जाता है। उनके गाइडेंस से हर वो चीज संभव हो पाया है जो आज दुनिया के किसी भी कॉरपोरेट मेडिकल में उपलब्ध है। बेहतर इलाज के कारण पारस हॉस्पिटल रोज आगे बढ़ रहा है। मरीजों का विश्वास हमे आगे लेकर जा रही है। आथोर्पेडिक डायरेक्टर डॉ. जॉन मकोपाध्याय ने कहा कि यह मशीन बिहार में चिकित्सा के भविष्य के लिए बेहतर होगा। जनरल सर्जरी के डायरेक्टर डॉ. अहमद अब्दुल हई ने कहा कि कैंसर बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है जो कि चिंता का विषय है, लेकिन आज कैंसर का इलाज आसान हो गया है।

मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने किया पांच हजार मे. टन गोदाम का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने 5000 मे. टन गोदाम का उद्घाटन किया। सहकारिता मंत्री ने मुरलीगंज प्रखंड, मधेपुरा में बिहार राज्य भंडार निगम के द्वारा निर्मित 5000 मे. टन के वृहत गोदाम का उद्घाटन कर भंडारण हेतु लोकार्पित किया। इस गोदाम से बिहार राज्य भंडार निगम के द्वारा मधेपुरा में स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप भंडारण क्षमता सृजित किया गया है। इस कार्यक्रम में बिहार राज्य भंडार निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. गगन सहित, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता तथा सहकारिता विभाग के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जंगलराज, गुंडाराज वाले लोगों से बिहार के लोग सावधान और सतर्क रहें : नित्यानंद राय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पटना में पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय जनता दल और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की हकीकत को बिहार के लोगों के सामने एक बार फिर से रखने का काम किया। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने राष्ट्रीय जनता दल के शासनकाल 1990-2005 को बिहार के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि उस 15 वर्ष के बिहार की दुर्दशा के लिए अगर कोई जिम्मेदार है तो वह राष्ट्रीय जनता दल और लालू परिवार है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल का मतलब अपराध, नरसंहार, अपहरण, गुंडाराज, जंगलराज है। पूरा बिहार जानता है कि किस तरह से 1990 से 2005 के शासनकाल में राष्ट्रीय जनता दल ने बिहार को लूट, अपहरण, हत्या, बलात्कार का केंद्र बना दिया। रात तो रात दिन में भी लोगों को घर से बाहर निकलने में डर लगता था। राज्य में हालात इतने खराब थे कि स्कूली बच्चों तक का अपहरण कर लिया जाता था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 1990 से 2005 के बीच में 32000 से ज्यादा अपहरण की घटनाएं बिहार में सामने आई। बिहार में अपहरण एक उद्योग बन चुका था और उस उद्योग के संचालक और संरक्षक कोई और नहीं लालू परिवार और राष्ट्रीय जनता दल था।

एसबीआई म्यूचुअल फंड ने नवरात्रि पर निवेशक जागरुकता अभियान चलाया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नवरात्रि के पावन अवसर पर एसबीआई म्यूचुअल फंड ने निवेशक शिक्षा एवं जागरुकता के लिए एक विशेष पहल की है। 'एसआईपी के तीर से वित्तीय अनुशासनहीनता के 10 सिरों को हराएं' शीर्षक से शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य लोगों को बेहतर वित्तीय अनुशासन अपनाने और सुरक्षित भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करना है। अभियान में समझाया गया कि जैसे रावण के दस सिर बुराइयों के प्रतीक थे, उसी तरह आम जिंदगी में वित्तीय अनुशासन की कमी भी दस प्रमुख समस्याओं के रूप में सामने आती है। इनमें निवेश में टालमटोल, आपातकालीन फंड का अभाव, आवेगपूर्ण खर्च, बजट न बनाना, कर्ज का जाल, अल्पकालिक सोच, महंगाई की अनदेखी, कर अक्षमता, एक ही संपत्ति वर्ग पर निर्भरता और बिना लक्ष्य निवेश करना शामिल है। ये दसों सिर किसी भी व्यक्ति की वित्तीय सेहत को कमजोर कर सकते हैं। एसबीआई म्यूचुअल फंड का मानना है कि इन सभी बुराइयों से निपटने के लिए सबसे कारगर साधन है सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी)। नियमित और अनुशासित निवेश से न केवल कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है बल्कि महंगाई से लड़ते हुए दीर्घकालिक लक्ष्यों जैसे शिक्षा, रिटायरमेंट या घर बनाने की योजना को भी पूरा किया जा सकता है।

विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत पटना जंक्शन पर अमृत संवाद का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दानापुर। दानापुर मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा व विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत पटना जंक्शन पर अमृत संवाद का आयोजन किया गया। यह पहल अमृत काल की भावना और पंच प्रण के सिद्धांतों पर आधारित है जिसका उद्देश्य नागरिकों को रेलवे के विकास में भागीदार बनाना है और रेल परिसर को साफ और स्वच्छ रखना है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य स्वास्थय निरीक्षक ने यात्रियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने स्टेशन पर सुविधाओं व सुधारों जैसे प्रतीक्षालय, शौचालय, लिफ्ट, आधुनिक टिकटिंग व्यवस्था, एस्केलेटर, वाई-फाई, दिव्यांग अनुकूल सेवाओं सहित जन औषधि केंद्र जैसी सुविधाओं की जानकारी दी। यात्रियों से इन सुधारों पर प्रतिक्रिया ली गई और आगे की अपेक्षाओं व सुझावों को जाना गया। यह संवाद यात्रियों को उनकी जिम्मेदारी का बोध कराते हुए स्वच्छता और स्टेशन की देखरेख में भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। इसके साथ ही दानापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान, जन-जागरूकता गतिविधियां सक्रिय रूप से जारी हैं। विदित हो कि विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत क्रियान्वयन चरण में आगामी दिनों में कार्यालयों और स्टेशनों की सफाई के साथ स्थान प्रबंधन, लंबित मामलों का निस्तारण, स्क्रैप निपटान, ई. वेस्ट निपटान, हरित पहल, डिजिटलीकरण को बढ़ावा और सभी प्रमुख स्टेशनों पर अमृत संवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही साथ दानापुर मंडल के कोचिंग डिपो में महत्वपूर्ण प्रीमियम ट्रेनों व अन्य ट्रेनों की सघन सफाई की गई।

बिहार के डॉ. धीरेंद्र नारायण सिन्हा विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रसिद्ध चिकित्सा वैज्ञानिक डॉ. धीरेंद्र नारायण सिन्हा को वर्ष 2024 के लिए विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में स्थान मिला है। यह सूची अमेरिका के प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई है। स्कूल ऑफ प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी, पटना के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. सिन्हा लगातार इस प्रतिष्ठित वैश्विक सूची में अपना स्थान बनाए हुए हैं। वे बिहार के पहले वैज्ञानिक हैं जिन्हें चिकित्सा क्षेत्र में यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई इस रैंकिंग में विश्वभर के एक लाख से अधिक शोधकर्ताओं का मूल्यांकन किया गया है। इसमें वैज्ञानिक प्रभाव और उद्धरणों के आधार पर कंपोजिट स्कोर तय किया गया है। डॉ. सिन्हा ने अब तक 300 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले शोध-पत्र विश्व के प्रतिष्ठित जर्नलों में प्रकाशित किए हैं। उनके शोध कार्यों का उल्लेख 90,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों में किया गया है। वे हीलिस सेखसारिया इंस्टिट्यूट फॉर पब्लिक हेल्थ, मुंबई के साथ कई अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक परियोजनाओं से भी जुड़े रहे हैं। स्कूल ऑफ प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी की स्थापना से पहले डॉ. सिन्हा ने पटना मेडिकल कॉलेज और बिहार के अन्य प्रमुख चिकित्सा महाविद्यालयों में अध्यापन किया है।

रानाघाट-बनगांव खंड के दोहरीकरण के लिए 396 करोड़ की मंजूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। रानाघाट-बनगांव खंड पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल का एक प्रमुख खंड है जो अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट बनगांव स्टेशन को सियालदह-कृष्णानगर मुख्य लाइन से कम दूरी पर जोड़ता है जिससे निकटवर्ती जिलों नदिया और उत्तर 24 परगना के बीच माल और स्थानीय यात्रियों की त्वरित आवाजाही संभव हो पाती है। रानाघाट-बनगांव खंड के दोहरीकरण से खंड के विभिन्न स्टेशनों के पूर्व दूरस्थ क्षेत्रों से माल और यात्रियों की निर्बाध आवाजाही संभव हो सकेगी। कूपर हॉल्ट, नबा रायनगर हॉल्ट, गंगनापुर, माझेरग्राम, अकाईपुर हॉल्ट, गोपालनगर और सतबेरिया से पश्चिम बंगाल के अन्य हिस्सों के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों तक रेल संपर्क स्थापित किया जाएगा। रेलवे बोर्ड ने रानाघाट-बनगांव दोहरीकरण कार्य (32.93 किमी) के लिए 396.04 करोड़ की स्वीकृत दी है जो इस परियोजना को शीघ्र पूरा करने में सहायक सिद्ध होगी। इस खंड के दोहरीकरण कार्य में कुल 9 स्टेशन और 2 सीमित ऊंचाई वाले सबवे (एलएचएस) शामिल होंगे जिनमें से एक सबवे को रानाघाट और माझेरग्राम के बीच और दूसरे सबवे को माझेरग्राम और गोपालनगर के बीच बनाया जाएगा। रानाघाट जंक्शन सियालदह-कृष्णानगर-लालगोला मुख्य लाइन खंड पर स्थित एक स्टेशन है जबकि बनगांव सियालदह/ कोलकाता-दमदम बनगांव-पेट्रापोल (बांग्लादेश सीमा के पास) खंड पर स्थित एक जंक्शन स्टेशन है। भौतिक रूप से ये दोनों स्टेशन नदिया और उत्तर 24 परगना जिलों के सुदूर छोर पर स्थित है जो अब सिंगल लाइन रेलवे नेटवर्क से जुड़े हैं, लेकिन बढ़ती आबादी और तेज रसद और यात्री आवाजाही की आवश्यकता को देखते हुए तेज कनेक्टिविटी की सख्त जरूरत होगी। हाल ही में राणाघाट और सियालदह के बीच बनगांव होते हुए (रानाघाट-बनगांव मार्ग से) एसी ईएमयू लोकल ट्रेन सेवा शुरू की गई है जिससे इस क्षेत्र में यात्री सेवा में भी वृद्धि हुई है और राणाघाट और बनगांव के बीच दोहरीकरण कार्य इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए रेलवे सेवा के विस्तार के रेलवे के प्रयासों को गति प्रदान करेगा।

79वीं जन्म-जयंती पर याद किए गए लघुकथा आंदोलन के जनक स्व. सतीशराज पुष्करणा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा मंच के संस्थापक एवं लघुकथा आंदोलन के जनक स्व. सतीशराज पुष्करणा की 79वीं जयंती पर महेंद्रू स्थित व्योम में एक स्मृति- गोष्ठी का आयोजन किया गया। लघुकथा मंच की उपाध्यक्ष प्रो. अनीता राकेश की अध्यक्षता एवं महासचिव डॉ ध्रुव कुमार के संचालन में आयोजित स्मृति गोष्ठी में लघुकथाकारों ने इस साहित्यिक विधा को स्थापित करने में डॉ पुष्करणा के योगदान की विस्तार से चर्चा की। वरिष्ठ लघुकथाकार तारिक असलम तस्नीम ने कहा कि उन्होंने 1987 में लघुकथा मंच की स्थापना के साथ ही देश भर के लघुकथाकार को हर वर्ष पटना आमन्त्रित कर राष्ट्रीय विमर्श को आगे बढ़ाया। चितरंजन भारती ने कहा कि लघुकथा के प्रति पुष्करणा जी के समर्पण की चर्चा उत्तरपूर्व राज्यों के साथ पूरे देश में होती थी और उनके प्रयास से पटना लघुकथा के एक केंद्र के रूप में उभरा। कार्यक्रम में वीरेंद्र भारद्वाज, विभा रानी श्रीवास्तव, अनिल रश्मि, सुमन कुमार आदि ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्हें लघुकथा के लिए समर्पित योद्धा बताया।

'जननायक' की पावन धरती समस्तीपुर में एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन

एनडीए की प्रचंड बहुमत से जीत सुनिश्चित : डॉ. दिलीप जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जननायक कर्पूरी ठाकुर की पावन धरती समस्तीपुर जिले के सरायरंजन विधानसभा के नरघोघी हाईस्कूल मैदान में आज एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल सहित एनडीए के दिग्गज नेताओं की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने एनडीए सरकार बनाने के संकल्प को दोहराया। इस मौके पर सभी दिग्गज नेताओं ने कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते हुए कहा कि आने वाला चुनाव बिहार का भविष्य तय करेगा। इस सम्मेलन में आए कार्यकर्ताओं के हुजूम को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कार्यकर्ताओं के उत्साह, ऊर्जा और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि कर्मठ और निष्ठावान कार्यकर्ता ही एनडीए की ताकत हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार के उज्जवल भविष्य की नींव रखी है और यही एनडीए सरकार बिहार को विकसित बिहार भी बनाएगी। उन्होंने कहा कि आज एनडीए सरकार ने किसानों, महिलाओं, युवाओं, विद्यार्थियों यानी सभी के उत्थान और विकास के लिए ही काम नहीं किया है बल्कि प्रदेश की आधारभूत संरचनाओं को भी विकसित किया है। उन्होंने कहा कि जो कार्य शेष रह गए थे, मुख्यमंत्री उसे पूरा करने के लिए जिलों में पहुंच रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने जोर देकर कहा कि बिहार की जनता एनडीए के साथ खड़ी है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में एनडीए की प्रचंड बहुमत से सरकार बनेगी। उन्होंने राजद सरकार की चर्चा करते हुए कहा कि आज भी बिहार के लोग उस दौर को नहीं भूले हैं। उन्होंने कहा कि अब कोई चांदी का चम्मच लेकर आने वाला राजा नहीं बनेगा, अब गरीब का बेटा ही राजा बनेगा। उन्होंने इस दौरान जदयू नेता विजय चौधरी के कार्यों की जमकर तारीफ की। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार जरूरी है। उन्होंने महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव और राहुल गांधी को 'जननायक' की टाईटल छिनने की बात कही। इस सम्मेलन में बिहार के मंत्री विजय चौधरी, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश उपाध्यक्ष अभय सिंह, रालोमो के प्रदेश महासचिव रामपुकार सिन्हा, मंत्री मदन सहनी, जनक राम सहित एनडीए के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा घोषणा पत्र के लिए सुझाव संग्रह अभियान 20 अक्टूबर तक

युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सशक्तिकरण और किसानों का कल्याण होगा: डॉ. दिलीप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय से आज पार्टी के घोषणा पत्र के लिए लोगों से सुझाव लेने हेतु 'पेटियां रथों' को रवाना किया गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल झंडी दिखाकर इन रथों को रवाना किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसावल ने इस मौके पर कहा कि भाजपा के द्वारा मतदाताओं से सुझाव लेने के लिए सुझाव संग्रह अभियान की आज से शुरूआत की जा रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार में गरीब कल्याण और महिला सशक्तिकरण और किसान के कल्याण के लिए धरातल पर बहुत सारे काम किये है। एनडीए की फिर से सरकार बने इसके लिए हम मतदाताओं से घोषणा पत्र के लिए सुझाव चाहते है कि जनता बिहार विकसित बिहार बनाने के लिए वे अपना सुझाव देने का काम करे। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र के लिए एक करोड़ लोगों से सुझाव लिया जाएगा। यह रथ सभी विधानसभा क्षेत्रों के शहरों और गाँव में पहुंचेगा और लोगों से सुझाव लेगा। लोगों से इसके लिए सुझाव मांगा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह रथ सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचेगा। उन्होंने कहा यह अभियान 20 अक्टूबर तक चलेगा। इस बार हमारा घोषणा पत्र गरीबों का कल्याण, युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सशक्तिकरण और किसानों का कल्याण होगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि अब तक एनडीए सरकार जो काम की है उसे और आगे बढ़ाने का काम किया जाएगा। इस मौके पर विकसित बिहार वेबसाइट का भी लॉन्चिंग किया गया। इसके जरिये भी लोग अपना सुझाव दे सकते हैं। इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री प्रेम कुमार, कार्यक्रम संयोजक प्रदेश प्रवक्ता सुरेश रूंगटा, विधानपार्षद देवेश कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक, प्रो सीता सिन्हा, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अमित प्रकाश बबलु, प्रभात कुमार, सूरज पाण्डे सहित सैकड़ों कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिहार में पिछड़ा वर्ग के सामाजिक न्याय को लेकर आयोग की जनसुनवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर की अध्यक्षता में पटना के स्टेट गेस्ट हाउस में बिहार राज्य की विभिन्न जातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग की केंद्रीय सूची में शामिल करने संबंधी जनसुनवाई आयोजित की गई। आज की जनसुनवाई में आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बिहार राज्य की बाथम वैश्य, वियाहुत कलवार, छिपी, दोनवार, गोसाई, लक्ष्मी नारायण गोला, सैंथवार, मोदक मायरा, सामरी वैश्य, सूत्रधार, गोढ़ी (छाबी), परथा और सुरजापुरी मुस्लिम सहित कुल 18 जातियों/उपजातियों को केंद्रीय सूची में शामिल किए जाने के प्रस्ताव पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। विभिन्न समुदायों के जनप्रतिनिधियों ने आयोग के समक्ष अपनी बात रखी और इन जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल किए जाने का पूरजोर समर्थन किया। यह आयोग और बिहार सरकार के बीच आयोजित चौथी महत्वपूर्ण बैठक रही जिसमें राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने बिहार सरकार के अधिकारियों से इन जातियों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़ेपन के समसामयिक आंकड़े प्रस्तुत करने का आग्रह किया।

लखीसराय में कृषि विकास को मिलेगी नई दिशा-चार परियोजनाओं का शुभारंभ

42 करोड़ की लागत से कृषि बाजार समिति का जीर्णोद्धार : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा लखीसराय जिले के विभिन्न स्थलों पर चार महत्वपूर्ण कृषि विकास परियोजनाओं का विधिवत उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य राज्य में आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, बागवानी विकास एवं दलहन फसलों के प्रोत्साहन को नई दिशा देना है। बड़हिया प्रखंड में दलहन विकास केन्द्र के क्षेत्रीय कार्यालय का शुभारंभ किया गया। यह केन्द्र दलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार, बीज वितरण, प्रशिक्षण और उत्पादन संवर्धन में अहम भूमिका निभाएगा। इस पहल से किसानों को दाल उत्पादन के माध्यम से अतिरिक्त आय प्राप्त होगी तथा राज्य में पोषण सुरक्षा को भी बल मिलेगा। उसी परिसर में 'टिश्यू कल्चर लैब' का भी शुभारंभ किया गया। इस अत्याधुनिक प्रयोगशाला में रोगमुक्त एवं उच्च गुणवत्ता वाले पौधों और बीजों का उत्पादन किया जाएगा। यह पहल बिहार में उन्नत बीज प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देगी तथा राज्य को आत्मनिर्भर बीज उत्पादन की दिशा में सशक्त बनाएगी। आदर्श बागवानी केन्द-शुष्क बागवानी की स्थापना से क्षेत्र में बागवानी आधारित कृषि को नई गति मिलेगी। यह केन्द्र आम, अमरूद, आंवला, बेर जैसे फलों के पौध उत्पादन, प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन का प्रमुख केन्द्र होगा। इससे कृषि विविधीकरण को प्रोत्साहन मिलेगा और किसानों को अधिक आय के अवसर प्राप्त होंगे।

संपादकीय

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की अधूरी कहानी

समाज में महिला और पुरुषों की आबादी में संतुलन बेहद जरूरी है। देश में बेटियों की कम हो रही संख्या को समान अनुपात में लाने के लिए सरकार की ओर से हर स्तर पर प्रयास किए जाते रहे हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना भी इन्हीं प्रयासों का एक हिस्सा है। राष्ट्रीय स्तर पर शुरू की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य गिरते लिंगानुपात को रोकना, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना तथा बालिकाओं की शिक्षा और शारीरिक एवं मानसिक विकास से जुड़े कार्यों को गति देना है। बेटियों के लिए यह योजना निश्चित तौर पर बदलाव की वाहक बन सकती है, लेकिन सवाल है कि क्या यह परिणामोन्मुख तरीके से आगे बढ़ पा रही है? महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की हालिया रपट के तथ्यों से तो ऐसा नजर नहीं आ रहा है। रपट में कहा गया है कि इस योजना के तहत पिछले ग्यारह वर्षों में स्वीकृत राशि में से करीब एक तिहाई राशि का इस्तेमाल नहीं हो पाया है। वर्ष 2024-25 (31 दिसंबर तक) में तो सबसे कम करीब तेरह फीसद राशि ही खर्च हो पाई। ऐसे में इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और इसकी सफलता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह सच है कि नई तकनीक अपने साथ चुनौतियां भी लेकर आती हैं। भ्रूण परीक्षण जैसे गैरकानूनी और अनैतिक कृत्य भी तकनीक के दुरुपयोग का ही परिणाम है। देश में लिंगानुपात गड़बड़ाने का एक कारण भ्रूण परीक्षण भी है। हालांकि इस पर कानूनन प्रतिबंध है, लेकिन चोरी-छिपे भ्रूण परीक्षण कराने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। हमारे समाज की रूढ़िवादी मानसिकता भी इसके लिए जिम्मेदार है। बेटे को प्राथमिकता और बेटियों को परिवार पर बोझ समझने की प्रवृत्ति आज भी मौजूद है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना में समाज की इस सोच को बदलने का आह्वान भी सम्मिलित है। इसके क्रियान्वयन में जो लापरवाही देखी जा रही है, वह बेहद निराशाजनक है। जब इस योजना के तहत स्वीकृत धनराशि का एक बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं किया जा रहा है, तो इसका लाभ पात्र बालिकाओं तक कैसे पहुंचेगा? जिस उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई थी, वह लक्ष्य कैसे हासिल हो पाएगा?

इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। रपट में कहा गया है कि पिछले ग्यारह वर्षों में इस योजना के तहत स्वीकृत धनराशि का सौ फीसद इस्तेमाल कभी नहीं हो पाया। यानी संबंधित अधिकारी यह तय ही नहीं कर पाते हैं कि इस राशि को कहां और कैसे खर्च किया जाए। जबकि योजना के मुताबिक, इस राशि का इस्तेमाल लड़कियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने, उनमें खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, पोषण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सुविधाएं और शौचालय के निर्माण जैसे कार्यों पर किया जाता है।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है।

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

(ललित गर्ग)

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं। संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा

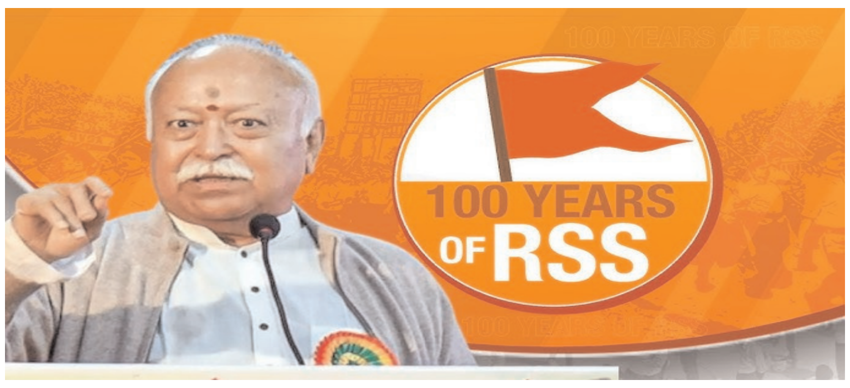

सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की 'स्वदेशी अपनाओ' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 'अंत्योदय' की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है।

शरद पूर्णिमा पर सोलह कलाओं से परिपूर्ण होगा चंद्रमा, क्या है दान और पूजा पाठ का महत्व?

(आयुषी त्यागी)

हिंदू धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। इसे कोजागरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह वर्ष की वह एकमात्र रात होती है जब चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है और उसकी किरणें अमृत तुल्य दिव्य गुणों से भरी होती हैं।

शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर को है। इस दिन चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से पूर्ण होकर अमृत वर्षा करता है। इसे कोजागरी पूजा भी कहते हैं। मान्यता है कि मां लक्ष्मी इस दिन धरती पर भ्रमण करती हैं और प्रसन्न रहती हैं। उनकी पूजा और मंत्र जप से मनचाही इच्छाएं पूरी होती हैं, जिससे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

शरद पूर्णिमा का व्रत हर साल आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि को रखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से पूर्ण रहता है। चंद्रमा इस दिन अपनी किरणों से अमृत की बरसात करते हैं। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूजा भी कहा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन जिस भी चीजों पर भी चंद्रमा की किरणें पड़ती हैं उसमें भी अमृत का संचार हो जाता है। इसलिए इसे शरद पूर्णिमा की रात कहा जाता है।

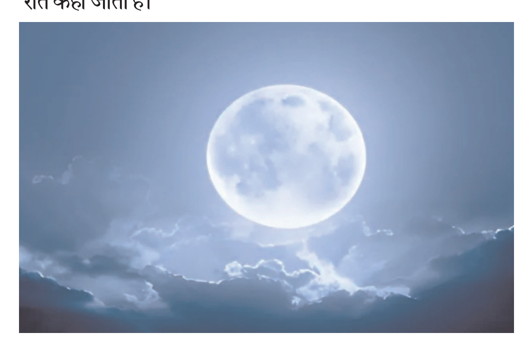

कब है शरद पूर्णिमा 2025 ?

पूर्णिमा तिथि का आरंभ 6 अक्टूबर को दोपहर में 12 बजकर 24 मिनट पर होगा और पूर्णिमा तिथि 7 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 18 मिनट तक रहेगी। शास्त्रों के अनुसार, पूर्णिमा तिथि जिस समय शाम के वक्त होती है उस दिन पूर्णिमा का व्रत किया जाता है। इसलिए शरद पूर्णिमा का व्रत आदि 6 अक्टूबर को किया जाएगा।

शरद पूर्णिमा यानी मां लक्ष्मी

शरद पूर्णिमा यानी मां लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी सबसे प्रसन्न मुद्रा में रहती हैं। सुख समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होने का त्योहार है। माना जाता है कि इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा करने से मनचाही इच्छा पूरी होती है। इस दिन मां लक्ष्मी के मंत्रों के जप करने चाहिए ओम श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः। शरद पूर्णिमा के दिन इस मंत्र का जप घर में जरूर करना चाहिए।

शरद पूर्णिमा का महत्व

शरद पूर्णिमा की रात को विशेष माना जाता है। क्योंकि, चंद्रमा अपनी पूरी चमक के साथ निकलता है। ये किरणें मन को शांति देती हैं। शरीर को ताजगी और ऊर्जा से भर देती हैं। ऐसा कहा जाता है कि मां लक्ष्मी इस दिन धरती पर आकर भ्रमण करती हैं। जो व्यक्ति इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा करता है उसकी सारी इच्छाएं पूरी होती हैं।

यह पर्व विशेष रूप से मां लक्ष्मी, भगवान विष्णु और चंद्र देव को समर्पित है। मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो भक्त जागरण कर पूजा करते हैं, उन पर उनकी कृपा बरसती है। इस दिन पूजा-पाठ के साथ दान का विशेष महत्व होता है।

शरद पूर्णिमा की तिथि और शुभ मुहूर्त

तिथि - 06 अक्टूबर 2025, सोमवार
पूर्णिमा तिथि का आरंभ - 06 अक्टूबर दोपहर 12:23 बजे
पूर्णिमा तिथि का समापन - 07 अक्टूबर सुबह 9:16 बजे

इस वर्ष शरद पूर्णिमा का व्रत और पूजन 6 अक्टूबर 2025, सोमवार को ही किया जाएगा।

मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए करें ये दान- चावल और अनाज का दान - चावल और गेहूं का दान करने से घर में अन्न-भंडार भरे रहते हैं और चंद्र देव व सूर्य देव का आशीर्वाद मिलता है।

संजय कुमार

05 अक्टूबर को राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस पर विशेष

एक कदम गांगेय डॉल्फिन की ओर

गांगेय डॉल्फ़िन आज भी गंभीर खतरे में है। भारत, नेपाल और बांग्लादेश की नदियों में पाई जाने वाली मीठे पानी की एकमात्र डॉल्फ़िन प्रजाति की संरक्षण स्थिति बहुत चिंताजनक है। खतरे की स्थिति को देखते हुए गांगेय डॉल्फ़िन को इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर की रेड लिस्ट में %लुप्तप्राय% प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। तो वहीं, भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972~ में इसे अनुसूची-ढ्ढ के तहत पूर्ण सुरक्षा प्रदान की गई है, जिसका अर्थ है कि इसका शिकार करना पूरी तरह से प्रतिबंधित है और कानूनी रूप से दंडनीय है।

इसके संरक्षण को लेकर हर ओर पहल की गूंज सुनाई पड़ती रहती है, क्योंकि वर्ष 1957 के बाद से गांगेय डॉल्फ़िन की आबादी में 50त्न से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। हालिया सर्वेक्षणों को देखें तो भारत में गंगा और ब्रह्मपुत्र बेसिन में इनकी अनुमानित संख्या लगभग 6,327 है,जिसमें उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 2,397 और बिहार में 2,220 हैं। विशेषज्ञों की मानने तो डॉल्फिन की आवादी की कमी के पीछे प्रदूषण, अवैध शिकार, नदी के बहाव में बदलाव और आवास विखंडन जैसे खतरें अहम हैं।

डॉल्फिन संरक्षण को लेकर बड़ा कदम केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने मार्च 2022 में 5 अक्टूबर को राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा के साथ की थी। इसका मुख्य उद्देश्य डॉल्फिन संरक्षण के लिए जन जागरूकता बढ़ाना और सामुदायिक भागीदारी को सुनिश्चित करना है। तब से 5 अक्टूबर को हर साल राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस के रूप में मनाया जाता है और डॉल्फिन के संरक्षण और उनके महत्व के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। यों तो बिहार में डॉल्फिन दिवस 2012 से ही मनाया जाता रहा है जिसका पूरा श्रेय उस समय के विभाग के सचिव रहे दीपक सिंह को जाता है। डॉल्फिन संरक्षण मुहिम के बीच मौत की खबरें बीच-बीच में आती ही रहती है। डॉल्फिन को वर्ष 2009 में भारत का राष्ट्रीय जलीय जन्तु घोषित किया गया था। एक कदम और बढ़ा जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2020 को नदी और समुद्री डॉल्फिन दोनों के संरक्षण के लिए %प्रोजेक्ट डॉल्फिन% लॉन्च किया।

जहाँ तक बिहार में डॉल्फ़िन का सवाल है तो हाल ही में जारी नदी डॉल्फ़िन सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, बिहार देश में दूसरा सर्वाधिक डॉल्फ़िन वाला राज्य है। गंगा नदी के अलावा, बिहार में डॉल्फ़िन घाघरा गंडक, कोसी, महानंदा, कमला-बलान, पनार और बागमती जैसी नदियों में पाई जाती हैं। डॉल्फ़िन की सबसे अधिक संख्या बिहार में सुल्तानगंज से कहलगाँव के बीच है, जहाँ विक्रमशिला गांगेय डॉल्फ़िन अभयारण्य स्थित है। जागरूकता की वजह से इनके अवैध शिकार में कमी आई है, लेकिन अभी भी खतरे बने हुये हैं।

विक्रमशिला गांगेय डॉल्फ़िन अभयारण्य भारत का एकमात्र डॉल्फ़िन अभयारण्य है, जो बिहार के भागलपुर जिले में सुल्तानगंज से कहलगाँव तक गंगा नदी के 60 किमी. के खंड में फैला हुआ है। यह डॉल्फ़िन के लिए एक प्रमुख संरक्षित क्षेत्र है। डॉल्फ़िन को अहम मानते हुए एशिया का पहला राष्ट्रीय डॉल्फ़िन अनुसंधान केंद्र, पटना में बना है, जिसका उद्घाटन 4 मार्च, 2024 को पटना विश्वविद्यालय परिसर में गंगा नदी के तट पर किया गया।

बात बिहार में डॉल्फिन को देखने की तो सूदन सहाय, बिहार राज्य वाइल्ड लाइफ बोर्ड के पूर्व सदस्य रहे हैं, जिन्होंने पहली बार वर्ष 1992 में डॉल्फिन को देखा था। अजीबो गरीब जलीय प्राणी को पटेगना-पलासी के दोमुहाना घाट पर लोग देख कर हैरत में पड़ गये थे। ग्रामीणों की भीड़ ने उसे राक्षस यानि राकस का नाम देते हुए मार डाला था। सूदन सहाय कहते है कि यहाँ की डॉल्फिन पनार के ही मूल जलीय प्राणी हैं। तब से इसके संरक्षण से वे जुड़े रहे हैं। अररिया में डॉल्फिन संरक्षण में सालों से सक्रिय सूदन सहाय कहते हैं कि बिहार में डॉल्फिन को संरक्षित करने में अहम भूमिका मछुआरों की है। करेंटी जाल में फंसने से डॉल्फिन की मौत हो जाती है। ऐसे में लगातार मछुआरों को जागरूक किया जाता है। सुदन सहाय कहते हैं कि मछुआरों का जीवन नदी और मछली पकड़ने पर निर्भर है। ऐसे में सरकार को मछुआरों को समय-समय पर प्रशिक्षण और सहायत राशि भी दी जाए। और अगर उनके जाल में फंसते है तो उसे सुरक्षित फिर से पानी में छोड़ने या जान बचाने पर उन्हें प्रोत्साहन राशि दिया जाना चाहिए। क्योंकि डॉल्फिन के करीबी कोई है तो मछुआरा ही होता है।

वहीं, डॉल्फिन के जानकार डॉ. गोपाल शर्मा, अंतरिम निदेशक, राष्ट्रीय डॉल्फिन शोध केंद्र, पटना कहते हैं बिहार की नदियों में डॉल्फ़िनों को आवास विखंडन, जल प्रदूषण, घटते जल स्तर, बड़े- बड़े क्रूज का चलना, बाल खनन के नाव का परिचालनऔर मछुआरों द्वारा आकस्मिक या जानबूझकर हत्या जैसे खतरों का सामना करना पड़ता है। पिछले तीस वर्षों में, केवल अररिया में कम से कम 11 डॉल्फ़िन की मृत्यु दर्ज की गई है, जो अक्सर मछली पकड़ने की गतिविधियों और पारिस्थितिकी दबावों के कारण होती रही है। हाल के सर्वेक्षणों ने अररिया की परमान और महानंदा दोनों नदियों में गंगा डॉल्फ़िन की उपस्थिति की पुष्टि की है, और परमान नदी में 2013 में 35 से 2021 में लगभग 50 तक की संख्या में वृद्धि देखी गई है। वे कहते हैं स्वच्छ नदी अभियान और तकनीकी सर्वेक्षण, आवास

स्थितियों का आकलन करने और समुदाय को डॉल्फ़िन-सुरक्षित प्रथाओं, जैसे हानिकारक मछली पकड़ने के जालों से बचने और नदी प्रदूषण को कम करने, के बारे में शिक्षित करने के लिए किए गए हैं।

डॉ गोपाल शर्मा की माने तो 1993 में अररिया जिले में एक घटना घटी थी जिसमें लगभग 10 फुट की मादा गर्भवती डॉल्फिन अररिया के मरिया धार में फंस गयी थी। वन विभाग के अधिकारियों ने सप्राइज़ देने के लिए उस डॉल्फिन को बिना एक्सपर्ट का सहारा लिए जीप की ट्रॉली में पटना भेजना चाहा। लेकिन कुछ ही दूर चलने के बाद उस गर्भवती मादा डॉल्फिन की मौत हो गयी। इस मृत मादा डॉल्फिन का पटना के जू अस्पताल में डिसेक्शन डॉल्फिनमैन प्रो आर. के. सिन्हा एवं डॉ.गोपाल शर्मा के नेतृत्व में किया गया। मृत डॉल्फिन के गर्भ से 7 महीने का भ्रूण (बच्चा) मिला। दोनों को संरक्षित कर पटना के जू में 1993 से 2016 तक रखा गया। 2016 में डॉ गोपाल शर्मा जो कि उस समय भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के उपनिदेशक थे के दूरदर्शी प्रयास से बिहार सरकार के वन विभाग के तत्कालिक प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक रहे एस. एस. चौधरी से संपर्क कर भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के संग्रहालय में रखने के लिए मांगा। उन्होंने उसे 2016 में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के संग्रहालय के लिए दान में दे दिया। वह मृत डॉल्फिन आज भी सुरक्षित है। यह अब तक के देश में उपलब्ध मृत डॉल्फिन में सबसे बड़ी डॉल्फिन है। इस मसले पर सुदन सहाय ने भी लड़ाई लड़ी थी।

प्रमुख खतरों में कम जल प्रवाह, बढ़ता प्रदूषण, गाद जमाव, यंत्रीकृत नौका विहार, और प्रत्यक्ष मानव संघर्ष जैसे कि जाल में आकस्मिक उलझाव और कभी-कभार अवैध शिकार शामिल हैं। मौसमी परिवर्तन, नदी की गहराई और जल प्रवाह इन छोटी सहायक नदियों में डॉल्फ़िन के अस्तित्व के लिए प्रमुख पारिस्थितिक कारक हैं। जलवायु परिवर्तन और लीन सीज़न में पानी की मात्रा में कमी डॉल्फ़िन के लिए और भी ख़तरा पैदा करती है, क्योंकि उनके प्रजनन और भोजन चक्र के लिए गहरे जल क्षेत्र आवश्यक हैं।

हालिया जानकारी में पटना में वाटर मेट्रो की शुरुआत की जानी है जिसे डॉल्फिन विशेषज्ञों से सलाह लेकर ईको टूरिज़्म की शुरुआत की जानी चाहिए, क्योंकि पटना के पास ही 20 से 25 की संख्या में डॉल्फिन निवास करती है।

बात करते हैं गांगेय डॉल्फिन संरक्षण के लिए आखिर क्या करें। क्या न करें। विशेषज्ञ बताते हैं कि डॉल्फिन को दूर से अवलोकन करना चाहिए ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो। दूरबीन या जूम लैंस का उपयोग करना चाहिए। डॉल्फिन को देखने के लिए प्रमाणित गाइड के साथ जाना चाहिए। ईको-फ्रेंडली व डॉल्फ़िन-फ्रेंडली टूर ऑपरेटर को चुनना चाहिए ,जो पर्यावरण और डॉल्फ़िन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हों।

डॉल्फिन को देखते वक्त शांत रहना जरूरी है, ताकि डॉल्फ़िन को डर या असहजता न हो। गैर-मोटर या शांत नावों का उपयोग करना चाहिए। यदि आप अवैध मछली पकड़ने या डॉल्फ़िन के शिकार को देखें तो तुरंत स्थानीय अधिकारियों को सूचित करें, ताकि डॉल्फिन का नुकसान न हो सकें। एक अहम पहल नदी को साफ़ यानि कचरा मुक्त रखें क्योंकि डॉल्फिन साफ पानी में निवास करती है। तो आइये गांगेय डॉल्फिन को संरक्षित रखने की पहल करें, एक कदम बढ़ायें और लुप्तप्राय~होने से बचाये।

(लेखक डीडी न्यूज, दिल्ली में उप निदेशक हैं)

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 05-10-2025 21:18 Page 1

सबसे कम उम्र की मुखिया रहस्मय तरीके से गायब

पति ने दर्ज करायी शिकायत, छानबीन में जुटी पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। गोमिया प्रखंड अंतर्गत पलिहारी गुरुडीह पंचायत की सबसे कम उम्र की मुखिया सपना बीते 2 अक्टूबर की दोपहर से लापता हैं। जानकारी के अनुसार, सपना दोपहर में अपने घर से बाहर निकली थीं, लेकिन इसके बाद वह अब तक वापस नहीं लौटीं।

परिजनों ने आसपास के इलाकों, रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों के यहां खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार उनके पति ने गोमिया थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सपना ने वर्ष 2022 के पंचायत चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सुनीता को मात्र 19 वोटों से हराकर बोकारो जिले की सबसे कम उम्र की मुखिया बनने का गौरव हासिल किया था। शुरूआत में वह एक कर्मठ और सक्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में जानी जाती थीं।

हालांकि, अब उनके अचानक लापता हो जाने से पूरे इलाके में तरह-तरह की चचाएं तेज हो गई हैं। त्योहारों की रौनक के बीच इस घटना ने लोगों को सकते में डाल दिया है। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा है कि क्या यह सिर्फ एक संयोग है या इसके पीछे कोई गहरा रहस्य छिपा है। फिलहाल पुलिस मुखिया सपना की तलाश में जुटी है।

लफंगों ने की मंदिर की पवित्रता भंग करने का प्रयास

भड़का जनाक्रोश, दुकानें रही बंद, प्रशासन सतर्क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिमडेगा। जिले के कोलेबिरा प्रखंड स्थित प्रसिद्ध बाघचंडी मंदिर में बीते शनिवार की रात अज्ञात असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश और तनाव का माहौल फैल गया है। घटना की जानकारी तब सामने आई जब रविवार सुबह मंदिर के पुजारी पंचम सिंह पूजा के लिए मंदिर पहुंचे। उन्होंने देखा कि मंदिर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ है, बाहर लगे त्रिशूल को उखाड़कर फेंक दिया गया है, और लाइटें, गेट व पूजा सामग्री को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।

पुजारी पंचम सिंह ने बताया कि मुख्य पूजा स्थल के साथ भी छेड़छाड़ की गई है। कई धार्मिक वस्तुएं तोड़ दी गई हैं, और ऐसा प्रतीत होता है कि मंदिर की पवित्रता को भंग करने का प्रयास किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मंदिर परिसर में जुट गए। लोगों ने इस घटना को आस्था पर हमला बताया और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस बीच, कोलेबिरा विधायक विक्सल कोंगाड़ी, पूर्व विधायक विमला प्रधान, और कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस घटना की कड़ी निंदा की है।

हिंदू ब्रिगेड ने इस घटना को जिले की साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश बताया है। संगठन ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व जिले के शांतिपूर्ण वातावरण को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। पहले चर्च में हमला और अब मंदिर में तोड़फोड़, यह एक गहरी साजिश का संकेत है। ऐसे तत्वों को किसी भी सूरत में सफल नहीं होने दिया जाएगा।

भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता अशोक बड़ाइक ने कहा, यह केवल एक मंदिर पर हमला नहीं, बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा पर सीधा प्रहार है। हेमंत सरकार में न सनातनी सुरक्षित हैं, न मंदिर, न सरना स्थलों की सुरक्षा बनी हुई है। यह श्रद्धा के केंद्र को अपवित्र करने का घृणित प्रयास है। दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी होनी चाहिए।

भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाइक ने कहा कि यह घटना धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने का प्रयास है। प्रशासन को तत्काल सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने कहा, ह्लवर्तमान सरकार में न मंदिर सुरक्षित हैं, न चर्च। यह हमारी आस्था का अपमान है, और भाजपा इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी।

घटना के विरोध में कोलेबिरा के व्यापारियों ने रविवार को स्वतः अपनी दुकानें बंद रखीं। स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और पूरे मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

वॉकथॉन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मारवाड़ी युवा मंच गिरिडीह प्रेरणा शाखा द्वारा आज साई मंदिर के पास चिल्ड्रन पार्क में एक भव्य वॉकथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था कि जन-जन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और यह संदेश देना कि वर्क करना यानी वॉक करना, हमारे शरीर और मन दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप से मंडल-5 की उपाध्यक्ष रिया अग्रवाल मंगिया टीएमटी बार के डायरेक्टर गुणवंत सिंह सलूजा प्रेस क्लब गिरिडीह के महासचिव अरविंद अग्रवाल साथ उपस्थित रहे। गिरिडीह प्रेरणा शाखा की अध्यक्ष सोनू चौधरी, सचिव बरखा बालासिया विजय इंस्टिट्यूट के सह सचिव रोहित श्रीवास्तव आरसीएम परिवार के संजय बरनवाल, दिनेश कुमार राय विनोद ठाकुर तथा मीडिया बंधु के अभय वर्मा सहित बड़ी संख्या में मंच के सदस्य एवं शहरवासी मौजूद रहे। वॉकथॉन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन बसता है। हर सुबह कुछ कदम अपने लिए बढ़ाइए, क्योंकि चलना ही जीवन की सबसे सरल दवा है।

मर्सी हॉस्पिटल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मर्सी हॉस्पिटल, गिरिडीह में आज निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 300 से अधिक मरीजों ने विभिन्न रोगों की जांच और विशेषज्ञ परामर्श का लाभ उठाया। शिविर में जिलेभर से आए मरीजों का उत्साह देखने लायक था।

कार्यक्रम के दौरान कई विभागों के अनुभवी चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं, जिनमें स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. लीलावती पंडिला, डॉ. सना खान; ऑर्थोपेडिक एवं ट्रॉमा सर्जन - डॉ. एम. इफ्तिखार अहमद; सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. राम बाबूः मेडिसिन विशेषज्ञ - डॉ. एन. के. सिंह, डॉ. आनंद कुमार, डॉ. रजी अरशद; बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका अग्रवाल; चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. फरहाद आजाद; जनरल सर्जन डॉ. अफजल हुसैन कासमी; ईएनटी सिर एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक डोकानिया; ऑर्थोडॉन्टिस्ट डॉ. विशाल शाहाबादी, डॉ. स्क्काडून लीडर सौरभ जगवानी सेवानिवृत्त शिविर में मरीजों की ब्लड शुगर, बीपी, यूरिन, हीमोग्लोबिन, एक्स-रे जैसी जांचें निःशुल्क की गईं। साथ ही विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों को उचित

उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दिया मर्सी हॉस्पिटल के नए सीईओ डॉ. परमहंस मिश्रा एमबीबीएस, डीएनबी, एमएचए, ऐम्स दिल्ली) ने कहा कि आज के शिविर में लोगों की उत्साही भागीदारी यह दशार्ती है कि गिरिडीह के नागरिक अब स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज पंजीकृत सभी मरीजों को सीटी स्कैन, एक्स-रे और पैथोलॉजी जांचों पर 30% से 50% तक की विशेष छूट प्रदान की जाएगी डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि मर्सी हॉस्पिटल आगे भी ऐसे शिविरों का आयोजन समय-समय पर करता रहेगा ताकि जिले के लोगों को बेहतर और सुलभस्वास्थ्य सेवाएं मिलती रहें कार्यक्रम के सफल आयोजन में अस्पताल के सभी चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, तकनीकी टीम और प्रबंधन सदस्यों का विशेष योगदान रहा मर्सी हॉस्पिटल में 24 घंटे आपातकालीन (इमरजेंसी) एवं आईसीयू सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हैं, जहाँ अनुभवी चिकित्सक और प्रशिक्षित स्टाफ हर समय मरीजों की सेवा में तत्पर रहते हैं।

दीवार गिरने से बच्ची की मौत

खरसावां। आमदा ओपी क्षेत्र के कृष्णापुर पंचायत के गोलमायसाई टोला में घर की दीवार गिरने से दबकर एक बच्ची श्रद्धा नापित (3) की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार श्रद्धा नापित अपनी मां पूजा नापित के साथ पुराने मिट्टी के घर में सोई हुई थी। इस दौरान रात को करीब एक बजे अचानक घर की दीवार गिर गई, जिससे मलवे में दब कर बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसकी मां पूजा नापित को हल्की चोट लगी है। घटना के दिन बच्ची के पिता आनंद नापित अपने एक रिश्तेदार का घर गए हुए थे। मकान गिरने की आवाज सुनकर पड़ोसी भागकर मौके पर पहुंचे और मलवा हटा कर रात को ही बच्ची को बाहर निकाला। लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद बीडीओ प्रधान माझी, आमदा ओपी प्रभारी रमन विश्वकर्मा गोलमायसाई पहुंचे तथा पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला भेजवाया। शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिये परिजनों को सौंप दिया।

समुचित इलाज के अभाव में बिरहोर महिला की गयी जान

स्वास्थ्य सेवाओं से उपेक्षित रखने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण में बिरहोर समुदाय की महिला पार्वती बिरहोरिन की मौत इलाज के अभाव में हो गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने पर कोई एमबीबीएस चिकित्सक मौजूद नहीं था, जबकि अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने केवल प्राथमिक उपचार की कोशिश की।

समुचित इलाज न मिलने के कारण महिला ने दम तोड़ दिया। घटना से परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने जिला प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। बीते माह भी बिरहोर समुदाय की एक किशोरी और डायरिया से पीड़ित एक मासूम की मौत इलाज न मिलने के कारण हुई थी। लगातार हो रही मौतों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं और स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विधायक मनोज कुमार यादव और मुखिया प्रतिनिधि एवं

पूर्व मुखिया बिनोद सिंह ने घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की और स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था पर आक्रोश जताया।

चौपारण प्रखंड, जो जिला का सबसे बड़ा प्रखंड है और एक्सीडेंटल जोन के रूप में भी जाना जाता है, यहां के एकमात्र सामुदायिक अस्पताल में चिकित्सकों की भारी कमी के कारण गंभीर मरीजों को अक्सर केवल प्राथमिक उपचार देकर रेफर कर दिया जाता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार उपेक्षा और मौतों की घटनाओं ने स्वास्थ्य तंत्र की नाकामी और प्रशासनिक उदासीनता को उजागर कर दिया है। ग्रामीणों की मांग है कि चिकित्सकों की कमी दूर की जाए और मरीजों को समय पर उचित इलाज उपलब्ध कराया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

घाटशिला उपचुनाव की तैयारी शुरू

प्रत्येक बूथ पर 500 वोट लाने का लिया गया संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

घाटशिला। घाटशिला के टाउन हॉल में झामुमो के विधानसभा स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में झारखंड सरकार के उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, परिवहन मंत्री दीपक बिरूआ, सांसद जोबा माझी समेत कई नेता पहुंचे। इस प्रशिक्षण शिविर में विधानसभा के विभिन्न प्रखंड से पार्टी के पदाधिकारी, बूथ स्तर से सक्रिय पांच पांच सदस्य पहुंचे।

कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों के बीच मंत्रियों ने घाटशिला उप चुनाव के लिए शंखनाद करते हुए सभी को बूथ मजबूत करने का संकल्प लिया। मंत्रियों ने कार्यकर्ताओं के बीच जोश भरने का काम किया।

प्रशिक्षण शिविर में बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती, पूर्व विधायक कुणाल सारंगी, लक्ष्मण टुडू, सोमेश सोरेन, मोहन कर्मकार, राजू गिरी, जिला परिषद चेयरमैन बारी मुर्मू समेत कई नेता मौजूद थे।

दीपक बिरूआ ने कहा जितना भी प्रयास भाजपा कर ले इस क्षेत्र से हमारे जड़ को हिलाना मुश्किल है। प्रत्येक बूथ में 500 वोट लाने का संकल्प लेना होगा। कोई भी घाटशिला से आपको हराने की चुनौती नहीं दे सकता है।

रामदास सोरेन ने जिस विश्वास से घाटशिला का नेतृत्व किया। इस क्षेत्र को विकसित क्षेत्र बनाने का काम किया। आज वे हमारे बीच में नहीं। लेकिन उनके भावनाओं को आगे बढ़ाने का काम करना है। युवा नेता सोमेश सोरेन के नेतृत्व में आगे बढ़ना होगा। एक तरफ हमारे सीएम हेमंत सोरेन है। दूसरे तरफ कोल्हान के चार पूर्व मुख्यमंत्री एक तरफ है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बने सतीश केडिया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने झारखंड प्रदेश के कांग्रेस जिला अध्यक्षों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में गिरिडीह जिला कांग्रेस का अध्यक्ष सतीश केडिया को बनाया गया है। वे लंबे समय से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हैं। वर्तमान में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। पार्टी ने इस बार उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें पूर्णकालिक जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। उनके मनोनीत होने पर सतीश केडिया ने कांग्रेस के राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उनके कंधों पर सौंपी है, उसे वे निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे।

जर्जर सड़कें और पेयजल संकट से लोग बेहाल

सड़क में दो से तीन फीट तक हैं गड्ढे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कैरो (लोहरदगा)। लोहरदगा जिला के कैरो प्रखंड के दर्जन भर से अधिक सड़कों की स्थिति बदहाल है। जर्जर सड़क में चलना लोगों के मुश्किल हो रहा है। सड़कों के निर्माण को लेकर न किसी प्रतिनिधि को चिंता है और न अधिकारियों को। जर्जर सड़क में इतने बड़े-बड़े गड्ढे हैं कि राहगीरों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है।

कैरो प्रखंड मुख्यालय से गुड़ी पंचायत के चोगड़े मोड़ तक कच्ची सड़क की स्थिति नारकीय हो गई है। बरसात के दिनों में तो सड़क की स्थिति और भी खराब हो जाती है। बरसात में उक्त सड़क से लोगों को आवागमन बंद कर देना पड़ता है।

सड़क का उपयोग कैरो प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए बरवाटोली, नगड़ा, चिपो, बाघी सहित अन्य गांव के ग्रामीण करते हैं। सड़क में दो से तीन फीट तक गड्ढे हो गए हैं।

अगर कोई अनजान व्यक्ति उक्त सड़क में आना-जाना करेगा तो, निश्चित रूप से दुर्घटना का शिकार होना पड़ेगा। सड़क के गड्ढे दूर से नहीं दिखाई देते हैं।

सड़क निर्माण को ले ग्रामीणों द्वारा कई बार अधिकारियों व प्रतिनिधियों से गुहार लगाई गई है। लेकिन इस पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसके अलावे पंचायत में पेयजल, स्वास्थ्य सहित अन्य समस्याएं हैं। गुड़ी पंचायत के नगड़ा बरटोली गांव में विगत पांच वर्षों से लाखों की लागत से निर्मित पेयजलापूर्ति योजना खराब है। जिसके कारण लोगों को पेयजल समस्या उत्पन्न हो रही है। पंचायत के अन्य गांवों में भी पेयजल समस्या से लोग जूझ रहे हैं।

सबसे अधिक परेशानी गर्मी के दिनों में होती है। पंचायत में पेयजल के अलावे स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई आदि समस्याओं का अंबार

लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर

है। ग्रामीणों द्वारा समस्या को ले प्रतिनिधि व अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई गई है, बावजूद इसपर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

ग्रामीण ज्ञानचंद भगत कहते हैं कैरो प्रखंड की दर्जनों सड़कें बदहाल है। लेकिन कैरो से चोगड़े मोड़ जाने वाली सड़क की स्थिति बदतर हो गई है। जहां राहगीरों को चलने में पसीना छूट जाता है। सड़क निर्माण हो जाने से प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए आसन होता। सड़क निर्माण को ले किसी के भी द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है।

गुड़ी पंचायत के अंगनु उरांव कहते हैं चोगड़े मोड़ से कैरो प्रखंड जाने वाली सड़क की स्थिति नारकीय है। बरसात के दिनों में तो सड़क पर चलना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावे पंचायत में और भी समस्याएं हैं, जिसका निराकरण को ले जिले के वरीय अधिकारियों को पत्राचार कर समस्या का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

जिले में गांधी आगमन शताब्दी समारोह पर होंगे कई कार्यक्रम

मंत्री सुदीव्य कुमार होंगे मुख्य अतिथि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह में महात्मा गांधी के आगमन के 100 वर्ष पूर्ण होने पर जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर गिरिडीह और खरगडीहा के बीच पदयात्रा निकाली जाएगी, जिसमें सैकड़ों पदयात्री शामिल होंगे। कई जनप्रतिनिधि और मंत्री सुदीव्य कुमार भी अतिथि के रूप में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। जिला प्रशासन के निर्देश पर गिरिडीह गांधी आगमन शताब्दी समारोह समिति ने पूरे आयोजन का कार्यभार संभाला है।

कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत 6 और 7 अक्टूबर को चितरडीह, पचंबा हाई स्कूल मैदान और नगर

भवन में विशेष आयोजन होंगे समारोह की शुरूआत आज तेतरिया स्टेडियम, पचंबा में एक दोस्ताना फुटबॉल मैच से हुई। इस खेल का आयोजन नूरुल होदा और सुंदर पांडेय के नेतृत्व में किया गया। आयोजन की जिम्मेदारी में सुंदर पांडेय, अमित सिंह और गौतम सोनी सहित कई प्रतिनिधि शामिल रहे। फुटबॉल मैच प्रतिभा विकास क्लब गिरिडीह और पचंबा एकेडमी क्लब के बीच खेला गया।

पहले हाफ में प्रतिभा विकास क्लब के खिलाड़ी अर्पित कुमार (जर्सी नंबर 16) ने शानदार गोल दागा, और प्रतिभा विकाश क्लब की जीत हुई,दोनों टीम ने जमकर मेहनत किया।

समिति के सदस्य राजेश सिन्हा ने इस अवसर पर कहा कि गांधी जैसे महान व्यक्तित्व के गिरिडीह आगमन की शताब्दी एक ऐतिहासिक क्षण है। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधि और नागरिकों को मिलकर समाज में एक सकारात्मक संदेश देना चाहिए।

दो चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। चोरी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन रेस हो गई है। पूर्व में हुई चोरी मामले में भी पुलिस को सफलता मिली है। नगर थाना क्षेत्र में लगातार दो दिन हुई चोरी मामले में भी पुलिस को सफलता हासिल हुई है।

दो चोर को पकड़कर जेल भेजा गया है। साथ ही पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने थानेदारों को चोरी पर अंकुश लगाने का सख्त निर्देश दिया है। वर्तमान में पुलिस संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रख रही है। हाल ही में ही नगर थाना क्षेत्र के अलावा महेशपुर व पाकुड़िया थाना क्षेत्र स्थित मंदिरों में चोरी की घटना हुई थी, लेकिन पुलिस ने मामले का उद्भेदन भी किया है। पांच सितंबर को महेशपुर थाना क्षेत्र के गड़बाढ़ी गांव स्थित दो नारायण मंदिरों में चोरी हुई थी।

पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए 20 सितंबर को आरोपित नगर थाना क्षेत्र के नया बल्लभपुर गांव निवासी सनाउल शेख को गिरफ्तार कर लिया था। उसके पास से चोरी की चांदी का मुकुट, चांदी का जनेऊ व चांदी की हार बरामद हुआ था।

यह पुलिस के लिए बड़ी सफलता थी। इसी तरह नगर थाना क्षेत्र के शिवपुरी कालोनी स्थित जटाधारी मंदिर में 26 सितंबर 2025 को त्रिशूल चोरी कर भाग रहे आरोपित राजू बेहड़ा को गिरफ्तार कर लिया गया।

वहीं नगर थाना क्षेत्र के शहरकोल पहाड़िया टोला में घर में चोरी करते बड़ी अलीगज निवासी शमशेर आलम उर्फ सोनू को पकड़ लिया गया। ग्रामीणों ने उसे बंधक बना लिया। गिरफ्तार चोर को जेल भेज दिया गया।

नगर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक के नजदीक हनुमान मंदिर और माल पहाड़ी रोड स्थित एक मंदिर में चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा होगा।

नक्सलियों के बंद को ले रेल प्रशासन अलर्ट मोड में

तीन स्टेशनों पर रेलवे प्रशासन की रहेगी खास नजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। नक्सली संगठन भाकपा माओवादी ने 08 से 14 अक्टूबर तक प्रतिरोध सप्ताह और 15 अक्टूबर को झारखंड, बिहार, उडीसा, छतीसगढ, पश्चिम बंगाल और असम को बंद करने की घोषणा की है। इसी के मद्देनजर दक्षिण पूर्व रेलवे के आरपीएफ विभाग सतर्क हो गया है।

चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष निगरानी और सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए हैं।

चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले बिसरा,भालूलता एवं जराईकेला रेलवे स्टेशन पर यात्री सुरक्षा के मद्देनजर आरपीएफ और आरपीएसएफ की तैनाती कर दी गई है। इन रेलवे स्टेशन नक्सल प्रभावित होने के साथ साथ हावड़ाझमुंबई मुख्य रेल मार्ग में बसे होने के कारण इन तीनों स्टेशन पर रेलवे प्रशासन खास नजर रख रहे है।

रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा बढ़ा

दी गई है। रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। संवेदनशील रूटों पर एक्सप्रेस तथा यात्री ट्रेनों के आगे आगे मालगाड़ी चलाई का रही है।

इसके अलावा रेलवे ट्रैक, पुल-पुलियों और स्टेशन परिसरों की लगातार जांच की जा रही है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तुरंत रेलवे हेल्पलाइन या नजदीकी रेलवे स्टेशन पर सूचना दे।गांधी

बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी की कीमत 11100000 पार... बनाया नया रेकॉर्ड

● पोकेमोन कार्ड की भी कीमत बढ़ी ● कई सार्वजनिक कंपनियां बिटकॉइन जमा कर रही हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी ने एक नया रेकॉर्ड बनाया। इसकी कीमत 1,25,000 डॉलर (करीब 1.11 करोड़ रुपये) के पार चली गई। लोग इसे सुरक्षित निवेश मान रहे हैं, इसलिए इसकी मांग बहुत बढ़ गई है। पिछले 7 दिनों में बिटकॉइन ने जबरदस्त रिटर्न दिया है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन रविवार को 1,25,689 डॉलर तक पहुंच गई। निवेशकों को अमेरिका में सरकारी कामकाज बंद होने की चिंता थी। इसी वजह से बिटकॉइन की कीमत बढ़ी। इसने 14 अगस्त को बने अपने पिछले रेकॉर्ड 1,24,514 डॉलर को तोड़ दिया। अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी और बिटकॉइन से जुड़े ईटीएफ में नए निवेश आने से भी इसे मदद मिली। निवेशकों का मानना है कि बुधवार से शुरू हुआ सरकारी कामकाज का बंद होना, पैसे को सुरक्षित संपत्तियों की ओर धकेल सकता है। बाजार के लोग इस चलन को डीबेसमेंट ट्रेड कह रहे हैं। फाल्कनएक्स नाम की क्रिप्टो ब्रोकरेज फर्म के बाजार सह-प्रमुख जोशुआ लिम ने ब्लूमबर्ग को बताया कि कई संपत्तियां, जिनमें शेयर, सोना और यहां तक कि पोकेमोन कार्ड जैसे संग्रहणीय सामान भी शामिल हैं,

रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच रहे हैं। ऐसे में यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बिटकॉइन डॉलर के अवमूल्यन की कहानी से लाभ उठा रहा है। अक्टूबर का महीना बिटकॉइन के लिए आमतौर पर अच्छा रहता है। इसे अक्सर अपटूबर कहा जाता है। पिछले दस सालों में से नौ बार इस महीने में बिटकॉइन की कीमत बढ़ी है। इस साल की तेजी ने बिटकॉइन के मूल्य को 30 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ा दिया है। बिटकॉइन की इस बढ़ोतरी में कंपनियों का इसे अपनाना भी एक बड़ा कारण है। माइकल सायलर की कंपनी स्ट्रैटेजी जैसी कई सार्वजनिक कंपनियां बिटकॉइन जमा कर रही हैं।

7 दिन में कितनी रिटर्न?

बिटकॉइन ने पिछले 24 घंटे और 7 दिनों में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। यह रिटर्न ऐसे समय आया है जब एक बिटकॉइन की कीमत हाल ही में 1.11 लाख डॉलर के करीब आ गई थी। करीब 15 फीसदी रिटर्न दिया है। ब्लूमबर्ग के हवाले से स्टैंडर्ड चार्टर्ड पीएलसी में डिजिटल एसेट्स रिसर्च के वैश्विक प्रमुख ज्योफ केंड्रिक ने कहा कि अमेरिका में इस बार सरकारी कामकाज का बंद होना मायने रखता है।

अमेजन से आगे निकला बिटकॉइन

बिटकॉइन में मार्केट वैल्यू के हिसाब से ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन को भी पीछे छोड़ दिया है। बिटकॉइन का मार्केट कैप 2.4 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया। इसने अमेजन के मार्केट कैप (2.37 ट्रिलियन डॉलर) को पीछे छोड़ दिया। इस तरह यह दुनिया की सातवीं सबसे मूल्यवान संपत्ति बन गई। वहीं इसकी मार्केट वैल्यू ऐप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, सऊदी अरामको और सोने जैसी बड़ी संपत्तियों के करीब आ गई है। उन्होंने यह भी बताया कि 2018-2019 में जब पिछली बार सरकारी कामकाज बंद हुआ था, तब यह क्रिप्टोकरेंसी एक अलग जगह पर थी। उस समय यह पारंपरिक जोखिम वाली संपत्तियों के साथ नहीं चल रही थी। उन्होंने आगे कहा कि इस दौरान बिटकॉइन के बढ़ने की संभावना है।

फास्टैग लगवाओ या 1.25 गुना चुकाओ... टोल का गणित बदला

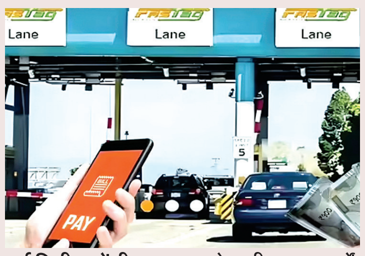

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा पर कैश लेनदेन कम करने के नए नियम बनाए हैं। इनसे डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा मिलेगा। नए नियम 15 नवंबर, 2025 से लागू होंगे। इन बदलावों के तहत, जिन वाहनों में वैलिड फास्टैग नहीं होगा, उन्हें टोल चार्ज अलग तरीके से देना होगा। अगर कोई यूजर कैश पेमेंट करता है तो उसे सामान्य टोल शुल्क का दोगुना देना होगा। लेकिन, वही यूजर अगर यूपीआई या किसी अन्य स्वीकृत डिजिटल माध्यम से पेमेंट करता है तो उसे सामान्य शुल्क का केवल 1.25 गुना देना होगा। इसका मुख्य मकसद डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देना, पारदर्शिता बढ़ाना और टोल प्लाजा पर दक्षता में सुधार करना है। सरकार को उम्मीद है कि इससे भीड़ कम होगी और यात्रियों का समय बचेगा।

देश में अमीरी और गरीबी की खाई को बढ़ा रही सरकार

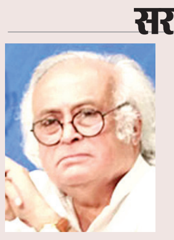

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र अमीरी और गरीबी की खाई को बढ़ा रहा है। पार्टी ने कहा कि यह सिर्फ अर्थव्यवस्था के लिए समस्या नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला है। कांग्रेस महासचिव व संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत अब अरबपतियों का नया केंद्र बनता जा रहा है और देश में अमीर लोगों की संख्या साल दर साल तेजी से बढ़ रही है। रमेश ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा, एक के बाद एक रिपोर्ट भारत में धन के एक खास वर्ग के बारे में सीमित होने की चेतावनी दी जा रही है। जहां लाखों भारतीय अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं सिर्फ 1,687 लोगों के पास देश की आधी संपत्ति है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश का पैसा कुछ खास लोगों के बीच केंद्रित हो गया है। इसके कारण हमारे देश में भारी आर्थिक असमानता पैदा हुई है। यह असमानता व्यापक सामाजिक असुरक्षा और असंतोष को जन्म दे रही है।

अगले हफ्ते ये 5 आईपीओ करा सकते हैं 32 प्रतिशत तक मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले हफ्ते कई नए आईपीओ शेयर मार्केट में एंट्री कर रहे हैं। इनमें टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का आईपीओ भी शामिल हैं। टाटा कैपिटल आईपीओ इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। अगले हफ्ते आ रहे आईपीओ निवेशकों की जबरदस्त कमाई करा सकते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक इनमें 5 आईपीओ ऐसे हैं जो निवेशकों को 32 फीसदी तक मुनाफा दे सकते हैं। दरअसल, अगले हफ्ते आ रहे आईपीओ में से कई को ग्रे मार्केट में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि इनकी लिस्टिंग भी जबरदस्त हो सकती है। इनमें मेन बोर्ड आईपीओ के शामिल हैं। ऐसे में ये 5 आईपीओ जीएमपी (ग्रे मार्केट प्रीमियम) में तेजी के कारण निवेशकों का ध्यान खींच रहे हैं। मेन बोर्ड का यह आईपीओ इस साल का टाटा कैपिटल के बाद दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। यह 7 अक्टूबर को खुलेगा और 9 को बंद हो जाएगा। इसका जीएमपी 20 प्रतिशत है। निवेशकों की इसमें ठीक-ठाक दिलचस्पी दिख रही है। इसकी लिस्टिंग 24 अक्टूबर को हो सकती है। यह आईपीओ भी मेन बोर्ड से है। यह 9 अक्टूबर को खुलेगा और 13 अक्टूबर को बंद हो जाएगा। इसका इश्यू साइज 1,377.50 करोड़ रुपये है। ग्रे मार्केट में इस आईपीओ को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। अभी इसका जीएमपी 12.37 प्रतिशत है। इस आईपीओ की लिस्टिंग 16 अक्टूबर को हो सकती है। अगले हफ्ते मेन बोर्ड से यह सबसे बड़ा और खास आईपीओ होगा। यह 15,512 करोड़ रुपये का है। यह आईपीओ 6 अक्टूबर को खुलेगा और 8 अक्टूबर को बंद हो जाएगा। हालांकि ग्रे मार्केट में इसे बहुत खास रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। इसके जीएमपी में पिछले कई दिनों से गिरावट आ रही है। इसका जीएमपी 2.76 प्रतिशत है। हालांकि इसे आईपीओ को लेकर निवेशकों में क्रेज दिखाई दे रहा है। यह भी मेन बोर्ड का आईपीओ है। यह निवेशक के लिए खुल गया है। इसमें 7 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। इसकी लिस्टिंग 10 अक्टूबर को हो सकती है। इसके जीएमपी में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। निवेशकों की इसमें ठीक-ठाक दिलचस्पी दिख रही है। अभी इसका 0.77 प्रतिशत है।

दिवाली से पहले चीन का निकला दिवाला, बाजार से चीनी सामान गायब

स्वदेशी चीजों ने मचाई धूम, क्यों बढ़ी देसी सामान की मांग?

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरात्रि के बाद देश में दिवाली की तैयारी शुरू हो गई है। व्यापारी मान रहे है कि इस बार का त्योहारी सीजन भारत के व्यापार इतिहास में नया अध्याय लिखेग। व्यापारी संगठन कैट का अनुमान है कि इस दिवाली की बिक्री 4.75 लाख करोड़ तक पहुंचेगी, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा। वहीं, दिल्ली के बाजारों की ही बात करें तो कारोबारियों का अनुमान है कि राजधानी में त्योहारी बिक्री 75,000 करोड़ तक पहुंच सकती है। दावा है कि इस दिवाली पर चीनी सामान के बजाए स्वदेशी आइटम की धूम मची हुई है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि नवरात्रि के दौरान कैट ने विभिन्न राज्यों के 35 शहरों में व्यापारिक संगठनों से सर्वे कराया। इस सर्वे में दो प्रमुख कारण सामने आए जो इस बार के त्योहारी कारोबार को नई ऊंचाई दे रहे हैं।

पहला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वदेशी का आह्वान और उनका वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल का दृष्टिकोण, जिसमें ग्राहकों का जबरदस्त समर्थन मिला है। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में दिवाली पर बंपर बिक्री हो रही है। कैट के अनुसार साल 2021 में 1.25 लाख करोड़, साल 2022 में 2.50 लाख करोड़, साल 2023 में 3.75 लाख करोड़ और इस साल का अनुमानित आंकड़ा 4.75 लाख करोड़ है। जानकारों के मुताबिक इस बार दिवाली पर जबरदस्त कमाई हो सकती है।

दिवाली की बिक्री 4.75 लाख करोड़ तक पहुंचेगी

हर सेक्टर में बंपर बिक्री की संभावना

कैट का दावा है कि इस बार दिवाली के मौके पर बाजारों में चीनी सामान बिल्कुल गायब हो चुके हैं। इसकी जगह स्वदेशी आइटम का दबदबा है। इस बार ग्राहक विभिन्न भारतीय उत्पादों को लेकर विशेष उत्साह दिखा रहे है। इनमें मिट्टी के दीये, मूर्तिया, वॉल हैंगिंग्स, हैंडीक्राफ्ट, पूजन सामग्री, गृह सजावट से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल सामान, बिल्डर्स हार्डवेयर, ऑटोमोबाइल, कपड़ा और टेपेस्ट्री, रेडीमेड वस्त्र, फर्नीचर, खिलौने, मिठाई, पर्सनल केयर प्रोडक्ट, किचनवेयर और बर्तन तक शामिल हैं। लगभग हर सेक्टर में बंपर बिक्री की संभावना है, जिसमें भारतीय कारीगर, निर्माता और व्यापारी प्रमुख भूमिका निभा रहे है।

व्यापार के लिए गेम चेंजर होगा भारत-यूरोपीय संघ के बीच एफटीए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) और निवेश संरक्षण समझौता गेम चेंजर साबित हो सकता है, खासकर तब जब कई देश अपने बाजार बंद कर रहे हैं या टैरिफ बढ़ा रहे हैं। यह बात भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत हेर्वे डेल्फिन ने कही है। बता दें कि ये बात उन्होंने तब कही जब भारत और 27 देशों के इस आर्थिक समूह के बीच 14वीं बातचीत जल्द ही ब्रसेल्स में होने वाली है। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस समझौते को दिसंबर तक पूरा करने का संकल्प दोहराया था। मामले में डेल्फिन ने बताया कि यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और वित्तीय वर्ष 2023-24 में दोनों के बीच व्यापार का कुल आंकड़ा 135 अरब डॉलर रहा। उन्होंने कहा कि यह समझौता यूरोपीय और भारतीय व्यापारियों के लिए नए अवसर खोल सकता है और द्विपक्षीय व्यापार व निवेश को बढ़ा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कई देशों के बाजार बंद करने या टैरिफ बढ़ाने के बीच यह समझौता व्यापार को विविधता देने, अनिश्चितताओं से बचाव करने और सप्लाई चेन को मजबूत बनाने का अवसर है। हालांकि, दूसरी ओर डेल्फिन ने स्वीकार किया कि समझौते की बातचीत चुनौतीपूर्ण है और कई महत्वपूर्ण मुद्दे अभी भी हल होने बाकी हैं। सितंबर में दिल्ली में हुई 13वीं बातचीत में यूरोपीय आयोग के कमिश्नर शामिल थे, लेकिन अपेक्षित बड़ी प्रगति नहीं हुई। उन्होंने बताया कि अब तक 11 चैप्टर पर सहमति हो चुकी है, जिनमें कस्टम्स, विवाद समाधान, डिजिटल ट्रेड, सतत खाद्य प्रणाली, एमएसएमई, प्रतिस्पर्धा, सब्सिडी और पूंजी आंदोलन शामिल हैं। लेकिन रूल्स ऑफ ओरिजिन और मार्केट एक्सेस जैसे अहम मुद्दे अभी भी बातचीत के अधीन हैं।

रिटर्न देखकर ज्यादा खरीदने के लालच में न आएं

● एक झटके में बर्बाद कर देगी चांदी!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में दिवाली 2025 की तैयारी चल रही है। इस बीच, सोने और चांदी ने बाजार में अपनी चमक बिखेर दी है। इस साल अब तक सोने के दाम 47 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गए हैं। वहीं, चांदी के दाम 55 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं। एमसीएक्स पर चांदी का भाव 1.45 लाख रुपये प्रति किलो के ऊपर चला गया है। चांदी में ज्यादा तेजी को देखते हुए निवेशक अब इसमें ज्यादा निवेश कर रहे हैं। लेकिन जानकारों ने चेतावनी दी है कि चांदी में ज्यादा निवेश नुकसान का भी कारण बन सकता है।

चांदी की कीमत कई कारणों से बढ़ रही है। मुख्य वजह है औद्योगिक और सजावटी कामों में चांदी की मांग बढ़ना। साथ ही, दुनिया भर में चांदी की सप्लाई भी कम हो गई है। जानकारों के मुताबिक चांदी में तेजी को कई चीजों का सपोर्ट मिला है। जैसे कि करेंसी में बदलाव, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी के बेंचमार्क में मजबूती और घरेलू खरीदारी में उछाल। लोगों को लग रहा है कि कीमतें और बढ़ सकती हैं, इसलिए वे ज्यादा खरीद रहे हैं। ह्वद्वश्ठ्ठ्ह की रिसर्च हेड रेनीशा चैनानी का कहना है कि दिवाली तक बाजार में तेजी से स्थिरता का दौर आ सकता है। उनका मानना है कि बाजार में कोई बड़ी गिरावट नहीं आएगी। वह बताती हैं कि पिछले नौ महीनों में कीमतों में बहुत तेजी आई है। इससे कुछ निवेशक अपना छोटा मुनाफा बुक कर सकते हैं। अगर दुनिया में भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ते हैं, तो सोना-चांदी में तेजी और बढ़ सकती है।

एक्सपर्ट के अनुसार ना केवल सोना, बल्कि चांदी में भी तेजी के मुख्य कारण अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेड रिजर्व की नरम नीति, कमजोर अमेरिकी डॉलर, गोल्ड ईटीएफ में लगातार निवेश और भारत में त्योहारी मांग का मजबूत होना हैं। लेकिन सवाल है कि क्या आगे चलकर इसकी कीमत थम सकती है और गिरावट भी आ सकती है?

देसी फॉर्मूला कर गया काम...

रास्ता बदलते ही छप्परफाड़ कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के सांगली में रहने वाले विनोद तोडकर के लिए देसी फॉर्मूला वरदान साबित हुआ है। पिछले दो दशकों में हल्दी की खेती में आई गिरावट को उन्होंने इसके जरिये एक अवसर में बदल दिया है। रासायनिक खेती में घटते उत्पादन और बढ़ते खर्च से तंग आकर विनोद ने जैविक खेती यानी ऑर्गेनिक फार्मिंग को अपनाया। उनके इस साहसिक बदलाव का जोरदार नतीजा सामने आया। जहां केमिकल वाली फार्मिंग से उन्हें प्रति एकड़ 20-25 क्विंटल हल्दी मिलती थी। वहीं, अब वह 40 से 52 क्विंटल तक की रिकॉर्ड पैदावार ले रहे हैं। कभी घाटे में पहुंच चुके विनोद का सालाना टर्नओवर 21 लाख रुपये पहुंच गया है। आइए, यहां विनोद तोडकर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विनोद तोडकर महाराष्ट्र के सांगली के रहने वाले हैं। बीस साल तक हल्दी की पारंपरिक खेती करने के बाद विनोद का कई बातों पर ध्यान गया। उन्होंने पाया कि जलवायु परिवर्तन का फसलों पर असर पड़ा है। जड़ों में फंगस जैसी समस्याएं बढ़ गई हैं। साथ ही, ह्क्क्र जैसी रासायनिक खादों के दाम आसमान छूने लगे हैं। इससे उनके लिए हल्दी की खेती घाटे का सौदा बनती जा रही थी। इस संकट को देखते हुए विनोद ने खेती का वैकल्पिक रास्ता खोजने का फैसला किया। उनकी तलाश जैविक खेती पर समाप्त हुई। इसमें पशु खाद, कम्पोस्ट और प्राकृतिक कीट नियंत्रण पर जोर दिया जाता है ताकि मिट्टी

की उर्वरता को प्राकृतिक रूप से सुधारा जा सके। जैविक खेती को अपनाने के बाद विनोद की पैदावार में चमत्कारिक बढ़ोतरी हुई। रासायनिक खेती में जहां प्रति एकड़ 20-25 क्विंटल हल्दी होती थी, वहीं जैविक खेती में यह बढ़कर 40 से 45 क्विंटल हो गई। एक बार तो यह 52 क्विंटल तक पहुंच गई। विनोद ने 1.5 एकड़ जमीन से पिछले सीजन में 3 टन (3000 किग्रा) ऑर्गेनिक हल्दी पाउडर 750 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेचा और 21 लाख रुपये का कारोबार किया। सभी खर्चों को काटने के बाद उनका शुद्ध मुनाफा 10 लाख रुपये रहा जो प्रति एकड़ 6.5 लाख रुपये बना। विनोद की सफलता के पीछे उनका खुद का इनोवेशन है। इसमें वह किसानों को ह्क्क्र एजोटोबैक्टर नाम के जैविक बायोफर्टिलाइजर को सिर्फ एक बार खरीदने की सलाह देते हैं।

इस कपल ने कर दिया कमाल, आप भी जान लें इनके निवेश के टिप्स

चार साल में 20 लाख से बनाए 1 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। लोग अपने पैसे को इस वजह से निवेश करते हैं कि उन्हें अच्छा रिटर्न मिले। लेकिन कई बार गलती या नासमझी से ऐसे फैसले हो जाते हैं जिनके चलते निवेश की गई रकम पर या तो अच्छा रिटर्न नहीं मिलता या वह रकम डूब जाती है। लेकिन एक यंग कपल ने निवेश के मामले में कमाल कर दिया। उन्होंने मात्र 4 साल में ही 20 लाख रुपये के निवेश को 1 करोड़ रुपये से ज्यादा में बदल दिया है।

इस यंग कपल में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक पोस्ट में अपनी पर्सनल फाइनेंस से जुड़ी जानकारी शेयर की है। इस पोस्ट में एक युवा जोड़े ने बताया कि उन्होंने 30 साल की उम्र से पहले ही 1 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति का आंकड़ा कैसे पार कर लिया। उनकी यह पोस्ट अब काफी वायरल हो गई है और यूजर्स उनके इन्वेस्टमेंट के तरीके की तारीफ कर रहे हैं।

लक्ष्य से पहले ही बना लिया बड़ा फंड, न कोई ईएमआई, न कोई मकान

इस कपल में 29 साल का पति और 31 साल की प प्रतिशती शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सितंबर 2025 तक उनकी कुल संपत्ति 1.1 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई थी। उन्होंने अपना लक्ष्य जनवरी 2026 का रखा था, लेकिन वे उससे काफी पहले ही इसे हासिल करने में कामयाब रहे। उनकी कहानी इसलिए खास है क्योंकि उन्होंने कोई बहुत बड़ी कमाई नहीं की, न ही कोई जोखिम भरे दांव लगाए और न ही अपनी सुख-सुविधाओं को पूरी तरह से छोड़ा। इसके बजाय, उन्होंने लगातार मेहनत की, खर्चों पर काबू रखा और धीरे-धीरे आगे बढ़ने के तरीके से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना और जल्दी रिटायर होना) के लक्ष्य को पाया। उन्होंने साल 2021 में निवेश करना शुरू किया था। कपल ने गंभीरता से बचत करना शुरू किया था। उस समय उनकी कुल संपत्ति सिर्फ 20 लाख रुपये थी। उस वक्त उनके दिमाग में एफायर का कोई विचार

भी नहीं था। उनकी रणनीति बहुत सीधी थी। उन्होंने अपने घर के सालाना खर्चों को एक जैसा रखा। शुरुआती सालों में यह खर्च 6 लाख रुपये था। अपनी बढ़ती हुई कमाई का ज्यादातर हिस्सा उन्होंने बचत में लगाना शुरू कर दिया। इन चार सालों में भी उन्होंने हर साल 2-3 घरेलू यात्राएं और एक अंतरराष्ट्रीय यात्रा की। वे घूमने-फिरने को प्राथमिकता देते थे, लेकिन अपने बजट में ही रहते थे। साल 2024 में उनके बच्चे हुए। इसके बावजूद, आज भी उनका सालाना खर्च 14 लाख रुपये से कम है। यह दिखाता है कि वे अपने खर्चों पर कितना नियंत्रण रखते हैं। अभी यह कपल हर महीने लगभग 2.6 से 2.8 लाख रुपये कमाता है। उनके ऊपर कोई ईएमआई नहीं है। उनके पास एक सामान्य कार है और उनके किराए के घर का खर्च सिर्फ 3 लाख रुपये सालाना है। यह सब उनके कम खर्च वाली जीवनशैली का हिस्सा है। इस जोड़े के पास सरकार द्वारा दी गई मेडिकल इंश्योरेंस और 1.5 करोड़ रुपये का लाइफ इंश्योरेंस कवर भी है। उनके पास अपनी कोई संपत्ति नहीं है और उन्होंने अपनी पुश्तैनी संपत्ति को इस हिसाब में शामिल नहीं किया है। कपल ने बताया कि उनकी असली यात्रा साल 2025 में शुरू हुई थी। उनका लक्ष्य साल 2026 की शुरुआत तक 1 करोड़ रुपये जमा करना था। लेकिन सोने और चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण, उन्होंने यह लक्ष्य महीनों पहले ही हासिल कर लिया। अब उन्होंने अपने निवेश पोर्टफोलियो को फिर से व्यवस्थित करना शुरू कर दिया है।

रुक्मिणी वसंत ने कांतारा - चैप्टर 1 को बताया ज़िंदगी बदल देने वाला अनुभव

आज जब कांतारा – चैप्टर 1 दुनियाभर में रिलीज़ हुई है, तब एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत ने अपने दिल की बात शेयर की। एक इमोशनल नोट में उन्होंने बताया कि कैसे ये सफर उन्हें एक कलाकार और इंसान दोनों रूपों में नया बना गया। उन्होंने लिखा एक साल पहले मुझे 'कांतारा – चैप्टर 1' का हिस्सा बनने का मौका मिला। इस फिल्म ने मुझे चुनौती दी, मुझे सिखाया, मेरे हुनर को निखारा और ज़िंदगी को एक नया नज़रिया दिया। ये फिल्म सच में प्यार और जुनून से बनी है – सैकड़ों लोगों की मेहनत से, जिन्होंने दिन–रात एक कर दिया। इस जादुई फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बेहद आभारी हूं। रुक्मिणी ने फिल्म के कप्तान ऋषभ शेट्टी को दिल से शुक्रिया कहा- ऋषभ सर इस प्रोजेक्ट की रीढ़ हैं। सर, आपका जुनून, मेहनत और विज़न मेरे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा रहा। मुझ पर भरोसा करने और इस सफर में मेरा साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद।

उन्होंने होम्बले फिल्म्स की पूरी टीम – विजय किरागंदूर, चालुवे गौड़ा, आदर्श और उन सभी अनसुने हीरोज़ का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर इस अनुभव को जीवंत बनाया। और सफर अभी शुरू ही हुआ है। कांतारा – चैप्टर 1 के बाद रुक्मिणी अब दो बड़े प्रोजेक्ट्स में नज़र आएंगी – रॉकिंग स्टार यश के साथ टॉक्सिक और प्रशांत नील की एनटीआर जूनियर वाली मेगा फिल्म में।

मॉडलिंग के बाद फिल्मों में आईं, अब बिग बॉस का हिस्सा होंगी मालती चाहर!

अभिनेत्री, लेखिका और निर्देशक मालती चाहर इन दिनों सुर्खियों में हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 19 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री ले सकती हैं।

हर साल, यह शो अलग–अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को एक साथ लाता है। इस सीजन में भी ऐसा ही हुआ है। अगर खबरें सही हैं तो मुम्किन है मालती शो की अगली कंटेस्टेंट हों। मालती चाहर के शो में आने से पहले ही वह काफी चर्चा में हैं। फैंस उनकी जिंदगी और करियर के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। बिग बॉस के घर में कदम रखने से पहले आइए उनके बारे में कुछ अहम बातें जान लेते हैं।

सौंदर्य प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा

मालती को पहली बार पहचान तब मिली जब उन्होंने सौंदर्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। मालती फेमिना मिस इंडिया 2014 की फाइनलिस्ट थीं और उन्होंने फेमिना मिस इंडिया दिल्ली 2014 में मिस फोटोजेनिक का खिताब भी जीता। इसने मनोरंजन उद्योग में उनके करियर के लिए दरवाजे खोल दिए।

परिवार का खेल से है नाता

मालती न केवल एक अभिनेत्री हैं, बल्कि एक मॉडल, कंटेंट क्रिएटर और फिल्म निर्माता भी हैं। वह भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन हैं। उनके परिवार का क्रिकेट से भी गहरा नाता है। उनके चचेरे भाई राहुल चाहर भी भारत के लिए खेलते हैं।

इन फिल्मों में किया काम

बाद में मालती ने अभिनय की ओर रुख किया और 2018 में अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित बॉलीवुड फिल्म जीनियस से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। साल 2022 में, उन्होंने अरविंद पांडे द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा इश्क पश्मीना में अभिनय किया। अभिनय के अलावा, मालती ने फिल्म निर्माण में भी रुचि दिखाई है। उन्होंने लघु फिल्मों का निर्देशन और निर्माण किया है।

सोशल मीडिया पर अच्छी फॉलोइंग

मालती चाहर सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं। यहां वह अक्सर अपने पेशेवर जीवन और निजी पलों के बारे में पोस्ट करती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनके 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। मालती ने अभी तक बिग बॉस 19 में अपनी एंट्री के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

शरवरी वाघ ने शुरू की इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपनी अगली बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली कर रहे हैं। इस फिल्म में वेदांग रैना उनके अपोजिट दिखाई देंगे। दशहरे के शुभ अवसर पर अभिनेत्री शरवरी वाघ ने यह खुशखबरी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकीं। इसके बजाय उन्होंने अपने कमरे में फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ एक छोटी सी पूजा की और फिल्म की शुरुआत की। इस तस्वीर में एक नोटबुक भी रखी है, जिस पर उन्होंने कुछ लिखा था और जिसे ताजा गुड़हल के फूलों से सजाया गया था। इसे शेयर करते हुए शरवरी ने लिखा, आज पूजा के लिए घर पर नहीं आ सकी, इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। दशहरा की शुभकामनाएं। एक बेहद खास निर्देशक और टीम के साथ एक बेहद खास फिल्म की शूटिंग शुरू कर रही हूं। जून में इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस समय शरवरी ने उत्साह और आभार व्यक्त करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा था, मेरे जन्मदिन पर यह घोषणा देखकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन। इम्तियाज अली सर, जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा है, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने के लिए तत्पर थी। यह मेरे लिए सीखने का सबसे अद्भुत अनुभव होगा। आपके विजन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे चुनने के लिए धन्यवाद। इस ड्रीम टीम का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। इस नए सफर के लिए बेहद उत्साहित हूं। शरवरी वाघ ने 2021 में यशराज की फिल्म बंटी और बबली 2 से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में रानी मुखर्जी, सैफ अली खान और सिद्धांत चतुर्वेदी जैसे कलाकार भी थे। उन्हें पिछले साल रिलीज हुई फिल्म मुंज्या के लिए भी जाना जाता है। वह बहुत जल्द फिल्म अल्फा में अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ दिखाई देंगी। इस फिल्म में बॉबी देओल भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

विजय और रश्मिका की शादी की तारीख का हुआ खुलासा

साउथ फिल्म इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। लंबे समय से जिन दो सितारों की लव-स्टोरी चर्चा में रही, वह अब एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। जी हां, नेशनल क्रश कही जाने वाली रश्मिका मंदाना और टॉलीवुड के सबसे चहेते सितारों में से एक विजय देवरकोंडा अब एक-दूसरे के हो चुके हैं। दोनों ने सगाई कर ली है और अब फैंस को शादी का इंतजार है।

विजय देवरकोंडा की टीम ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि रश्मिका और विजय अगले साल यानी फरवरी 2026 में शादी के बंधन में बंधेंगे। हालांकि, इस बारे में खुद रश्मिका या विजय ने कोई आधिकारिक पोस्ट या बयान अभी तक साझा नहीं किया है। लेकिन नजदीकी सूत्रों ने यह खुशखबरी फैंस तक पहुंचा दी है।

रश्मिका और विजय की दोस्ती और फिर नजदीकियां साल 2018 से चर्चा में हैं, जब दोनों पहली बार फिल्म गीता गोविंदम में साथ नजर आए थे। इसके बाद 2019 में आई डियर कॉमरेड ने उनके रिश्ते को और गहराई दी। ऑन–स्क्रीन उनकी केमिस्ट्री जितनी हिट रही, ऑफ–स्क्रीन उनकी बॉन्डिंग भी उतनी ही चर्चा का विषय बनी। फैंस ने कई बार दोनों को एक साथ ट्रैवल करते, इवेंट्स में स्पॉट होते और यहां तक कि छुट्टियों की तस्वीरें एक जैसे लोकेशन से शेयर करते देखा। यही वजह रही कि सोशल मीडिया पर लगातार दोनों के रिलेशनशिप को लेकर अफवाहें उड़ती रहीं। हालांकि, दोनों हमेशा इस सवाल से बचते रहे।

फैंस में खुशी की लहर

जैसे ही सगाई की खबर पक्की हुई, सोशल मीडिया पर बधाइयों की बौछार शुरू हो गई। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर फैंस ने दोनों की जोड़ी को ड्रीम कपल और साउथ का पावर कपल कहा। अब सभी की नजरें उनकी शादी पर टिकी हैं, जिसके फरवरी 2026 में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

अब छुपा नहीं, दिखा प्यार

साल 2024 में इंटरव्यू में दोनों ने साफ कहा था कि वो सिंगल नहीं हैं, लेकिन पार्टनर का नाम उजागर करने से बचते रहे। अब जाकर उनकी सगाई की खबरों ने यह साबित कर दिया कि जिस रिश्ते को दोनों छुपाते आए, वही रिश्ता अब शादी के मुकाम तक पहुंच चुका है। हाल ही में एयरपोर्ट पर दोनों को एक ही कार से निकलते हुए देखा गया था, जिसने इन अफवाहों को और मजबूत कर दिया था।

फिल्मों का सफर

जहां तक करियर की बात है तो रश्मिका मंदाना हाल ही में फिल्म कुबेरा में नजर आईं, जिसमें उनके साथ धनुष और नागार्जुन जैसे दिग्गज सितारे थे। जल्द ही वो दिवाली 2025 पर रिलीज होने वाली थामा नाम की हॉरर–कॉमेडी में नजर आएंगी, जिसमें आयुष्मान खुराना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल भी हैं। इसके अलावा रश्मिका कॉकटेल 2, द गर्लफ्रेंड और मायसा जैसी फिल्मों में भी दिखाई देंगी। वहीं विजय देवरकोंडा हाल ही में रिलीज हुई फिल्म किंगडम में नजर आए, जिसमें सत्यदेव और भाग्यश्री बोर्से भी अहम भूमिकाओं में थे। इस फिल्म का निर्माण सारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमा ने किया था।

8 घंटे की वर्किंग शिफ्ट पर रानी का बयान कोई आप पर काम थोप नहीं रहा

बीते कुछ वक्त से बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर बहस चल रही है। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने 8 घंटे काम करने की मांग की थी, जिसके बाद उन्होंने संदीप रेड्डी वांगा की आगामी फिल्म स्पिरिट' को बीच में ही छोड़ दिया था। इसके बाद से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया था। इसपर कई सेलेब्स ने भी प्रतिक्रिया दी है। अब काम के घंटे को लेकर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने भी रिएक्ट किया है। साथ ही उन्होंने निर्देशन में अपने करियर को लेकर भी बात कही है।

शूटिंग के दौरान भी कैसी रखती थीं बच्चे का ख्याल?

एएनआई से बात करते हुए रानी मुखर्जी ने फिल्म हिचकी की शूटिंग के दिनों को याद किया और अपनी बेटी आदिरा के पालन–पोषण के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने हिचकी की थी, तब आदिरा 14 महीने की थी। मुझे सबकुछ करके शहर के एक कॉलेज में शूटिंग करने जाना होता था।'

काम के बीच में जिम्मेदारियों को भी बैलेंस किया

आगे उन्होंने फिल्म की शूटिंग और पारिवारिक जिम्मेदारी के बीच में बैलेंस का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जुहू स्थित मेरे घर से शूटिंग की जगह तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते थे और ट्रैफिक भी बहुत ज्यादा रहता था। इसलिए मैंने तय किया था कि बेटी के लिए सबकुछ करके 6.30 बजे निकल जाती और शूटिंग शुरू कर देती। मेरा पहला शॉट सुबह 8 बजे होता था और मैं 12.30 से 01 बजे तक सब कुछ निपटा लेती थी। मेरे क्रू मेंबर्स बहुत योजनाबद्ध थे, जिस वजह से उन 6–7 घंटों में मैं अपनी शूटिंग पूरी कर लेती थी। शहर में ट्रैफिक शुरू होने से पहले, मैं 3 बजे तक घर पहुंच जाती थी। मैंने अपनी फिल्म इसी तरह की।'

काम के घंटे आपसी समझ पर आधारित हैं

काम के घंटे को लेकर रानी मुखर्जी ने कहा, 'आजकल ये बातें चर्चा में हैं क्योंकि शायद लोग बाहर इस पर चर्चा कर रहे हैं। लेकिन यह सभी कार्यों का एक सामान्य नियम रहा है। मैंने भी ऐसा किया है, जहां मैंने कुछ घंटों तक काम किया है। अगर निर्माता को इससे कोई आपत्ति नहीं है, तो आप फिल्म नहीं करते। इसलिए यह भी एक विकल्प है। कोई किसी पर कुछ भी थोप नहीं रहा है।'

रानी मुखर्जी का वर्कफ्रंट

रानी मुखर्जी के काम की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे में देखा गया था। वहीं उनकी आगामी फिल्म मर्दानी 3 है।

बताया कब करेंगी निर्देशन

अभिनेत्री से उनकी निर्देशने को लेकर रुचि के बारे में सवाल किया गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि मैं इस पेशे में हमेशा कहती हूं कि कभी ना मत कहो। मुझे लगता है कि मैं जिस तरह की इंसान हूं, मुझे पता होता है कि मैं कब निर्देशन के लिए तैयार हूं या मुझे पता होता है कि वह समय कब आएगा। अभी, मुझे नहीं लगता कि ऐसा है। अभी, मैं एक अभिनेत्री होने और निर्देशित होने से बहुत खुश हूं।'

वर्ल्ड कप से पहले ही रोहित विराट का करियर होगा खत्म?

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है. रोहित-कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है. ऐसे में उनकी मैदान पर वापसी का फैन्स को बेसब्री से इंतजार है. ये इंतजार 19 अक्टूबर को खत्म होगा, जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी.

बड़ी बात ये है कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे क्योंकि अब उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है. रोहित की जगह शुभमन गिल टेस्ट के बाद वनडे टीम के भी नए कप्तान बने हैं. अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के इस फैसले ने फैन्स को हैरान कर दिया है. फैन्स सवाल पूछ रहे हैं कि शानदार प्रदर्शन के बावजूद रोहित शर्मा से कप्तानी क्यों छीनी गई.

रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और टीम प्रबंधन ने 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए एक दीर्घकालिक ब्लूप्रिंट तैयार किया है. इस दौरान ये राय भी बनी कि शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान बनाया जाए. इस ट्रांजिशन के लिए सबसे बड़ी चुनौती रोहित शर्मा को मैनेज करना था, जिन्होंने इसी साल अपनी कप्तानी में भारत को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जिताया था.

मैच नहीं खेलना रोहित के खिलाफ गया

बीसीसीआई के अधिकारियों का मानना था कि अगला वनडे वर्ल्ड कप अभी दो साल दूर है और रोहित शर्मा केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, जिसके चलते उन्हें पर्याप्त मैच प्रैक्टिस नहीं मिल पाती. रोहित ने सभी फिटनेस मानकों को पूरा किया है, लेकिन हालिया समय में वो क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहे हैं जो उनके खिलाफ गया. चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इशारों-इशारों में इसके संकेत भी दिए. रोहित शर्मा ने आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था, जबकि उनका पिछला इंटरनेशनल मैच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में था.

शुरुआत में बीसीसीआई के भीतर मतभेद थे क्योंकि रोहित का कप्तानी रिकॉर्ड शानदार रहा है. लेकिन जैसे-जैसे ऑस्ट्रेलिया दौरा नजदीक आया, बदलाव के पक्ष में सहमति बन गई. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि विराट कोहली की स्थिति भी रोहित शर्मा जैसी ही है क्योंकि दोनों इस वक्त केवल वनडे क्रिकेट ही खेल रहे हैं. जहां रोहित 38 वर्ष के हैं, वहीं विराट 36 साल के हैं. ऐसे में बोर्ड ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अगर हम चीजों को और टालते रहेंगे तो यह और जटिल हो जाएगी. दो खिलाड़ियों में से एक 38 के हैं और दूसरे 36 के. ऐसे में शुरुआती दांव लगाना मुश्किल है. युवा खिलाड़ी भी फॉर्म या फिटनेस खो सकते हैं, लेकिन यह अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प है.

रोहित-कोहली को लेकर अगरकर ने क्या कहा?

अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 के वर्ल्ड कप में खेलने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं. अगरकर बताना चाहते थे कि उस टूर्नामेंट के लिए रोहित और विराट की टीम में जगह की गारंटी नहीं दी जा सकती है. अगरकर ने कहा कि बीसीसीआई की पॉलिसी है कि टीम में सेलेक्शन के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना होगा. ये देखना होगा कि आने वाले समय में विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू वनडे टूर्नामेंट (विजय हजारे ट्रॉफी) में खेलते हैं या नहीं.

दोनों खिलाड़ियों पर यदि बीसीसीआई की ओर से घरेलू मैच खेलने का ज्यादा प्रेशर बनाया जाता है तो वे निकट भविष्य में बड़ा फैसला ले सकते हैं. पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए था क्योंकि इससे उन्हें काफी गेम टाइम मिलाता. आकाश कहते हैं कि कोहली और रोहित शर्मा को अब लगातार रन बनाने होंगे, नहीं तो कोई और उनकी जगह टीम में आ सकता है.

बीसीसीआई अब टीम को ऐसे खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द तैयार करना चाहती है जो 2027 वर्ल्ड कप में कमाल कर सके. शुभमन गिल को कप्तान बनाना इसी रणनीति का हिस्सा है. रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे हैं, लेकिन अब चयन समिति ने संकेत दे दिया है कि भारतीय टीम की नजरें युवा खिलाड़ियों पर हैं. यह बदलाव भावनात्मक रूप से कठिन जरूर है, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट में नई शुरुआत भी हो सकती है.

वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद गिल ने भरी हुंकार

2027 वर्ल्ड कप जीतना है लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल के कप्तान बनने के साथ ही भारत ने वनडे क्रिकेट के एक नए युग में कदम रखा है और इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाला वनडे विश्व कप ही उनका अगला टारगेट है। भारतीय टीम वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में पहुंच गई थी जहां उसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मुकाबले में पारी और 140 रन से हरा दिया और इसके ठीक बाद उन्हें भारतीय वनडे टीम का कप्तान बनाया गया। वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद गिल ने बताया कि ये उनके लिए गर्व की बात है और उन्होंने अपने प्लान का भी खुलासा कर दिया। शुभमन गिल ने बीसीसीआई मीडिया से कहा कि अपने देश की वनडे में कप्तानी करना, उस टीम की कप्तानी करना जिसने इतना कुछ हासिल किया है सबसे बड़ा सम्मान है। इससे मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है और मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा। भारतीय सेलेक्टर्स ने वनडे वर्ल्ड कप 2027 को देखते हुए ये बड़ा कदम उठाया। गिल अब भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान हैं और टी20 टीम के वो उप-कप्तान हैं। गिल ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि विश्व कप से पहले हमारे पास लगभग 20 वनडे मैच हैं और जाहिर है सबसे बड़ा लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका में होने वाला विश्व कप है। हम जो भी खेलेंगे और टीम का हर खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। हम विश्व कप से पहले एक शानदार सीजन बिताने की पूरी कोशिश करेंगे और उम्मीद है कि हम इसे जीतेंगे।.

ऑस्ट्रेलिया के हरजस ने खेली तूफानी पारी

वनडे में ट्रिपल सेंचुरी, 35 छक्कों के साथ बनाए 314 रन...

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रोहित शर्मा का है, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे. ऑस्ट्रेलिया के हरजस सिंह ने 50 ओवरों के मुकाबले में ट्रिपल सेंचुरी लगाकर सनसनी मचा दी. उन्होंने न्यू साउथ वेल्स प्रीमियर क्रिकेट टूर्नामेंट में 314 रनों की धुआंधार पारी खेली. 141 गेंदों में खेली इस पारी में उन्होंने 35 छक्के भी लगाए, यानी 210 रन तो उन्होंने सिर्फ छक्कों से ही बना डाले. 20 वर्षीय हरजस सिंह ने शनिवार को दूसरे दौर के मैच में वेस्टर्न सबर्ब्स की ओर से खेलते हुए सिडनी के खिलाफ ये ट्रिपल सेंचुरी जड़ी. वह मुकाबले में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे, इससे पहले निकोलस कटलर और जोशुआ क्लार्क के बीच 70 रनों की साझेदारी हुई थी.

हरजस सिंह ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की, और जब एक बार उनकी आंख जम गई तो छक्के-चौकों की बरसात शुरू कर दी. हरजस सिंह ने 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था. पचास रन पूरे करने के बाद फिर वह थोड़ी देर के लिए धीमे हुए, उन्होंने 74 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. लेकिन इसके बाद तो मैदान पर उनका अलग ही रूप देखने को मिला, उन्होंने हर गेंदबाज की पिटाई शुरू कर दी.

सिर्फ बॉउंड्री से बनाए 258 रन

हरजस सिंह ने 314 रनों की पारी में 35 छक्के और 12 चौके लगाए, यानी उन्होंने 210 रन छक्कों से और 48 रन चौकों से बनाए. मतलब उन्होंने 258 रन तो सिर्फ बॉउंड्री से बना डाले. पहले शतक में उन्होंने 74 गेंदें खेली, लेकिन दूसरा शतक सिर्फ 29 गेंदों में आ गया था. हरजस ने 132 में अपनी ट्रिपल सेंचुरी पूरी की, वह आखिरी ओवर में 314 रन बनाकर आउट हुए. हरजस की तूफानी पारी के सहारे वेस्टर्न सबर्ब्स ने 483 रनों का विशाल स्कोर बनाया.

ऑस्ट्रेलिया के लिए 19 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं हरजस सिंह

हरजस 2024 अंडर-19 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया टीम का हिस्सा थे, जिसमें उन्होंने भारत के खिलाफ फाइनल में 55 रन बनाए थे. ट्रिपल सेंचुरी लगाने के बाद हरजस सिंह ने कहा, मैं शतक बनाने से ही खुश था, क्योंकि मैंने अपनी मां से कहा था कि अगर मैं इस मैच में शतक लगाऊंगा तो क्या आप मुझे अपनी कार चलाने दोगी. इंटरनेशनल क्रिकेट में रोहित शर्मा नंबर-1 !

वनडे इंटरनेशनल में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने का रिकॉर्ड अभी भी रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने 13 नवंबर 2014 को श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे. 173 गेंदों में खेली इस पारी में रोहित ने 9 छक्के और 33 चौके लगाए थे. रोहित शर्मा अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, वह ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए विराट कोहली के साथ टीम में चुने गए हैं लेकिन अब वह कप्तान नहीं है.

क्रिकेट में पहली बार चोट के कारण बीच मैच में बदली प्लेइंग 11, जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में सब्सटीट्यूट के नए ट्रायल के तहत वेस्टर्न प्रोविंस के ओपनर बल्लेबाज जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज हो गया। वह शनिवार (4 अक्टूबर) को पहले लाइक टू लाइड इंजरी रिप्लेसमेंट सब्सटीट्यूट बन गए। साउथ अफ्रीका की प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दूसरे दौर में लायंस के खिलाफ प्रोविंशियल चार दिवसीय मैच में चोट होने के कारण बीच मैच में वेस्टर्न प्रोविंस के प्लेइंग 11 में बदलाव हुआ। न्यूलैंड्स में खेले जा रहे इस मैच में वैन हीर्डन ने एडवर्ड मूर की जगह ली। मूर को दूसरे दिन फील्डिंग करते समय बाईं जांघ की अंदरूनी मांसपेशी (एडक्टर) में चोट लग गई थी।

सब्सटीट्यूट का यह ट्रॉयल ऑस्ट्रेलिया के शेफील्ड शील्ड और भारत के दलीप ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में भी होगा। यह ट्रायल आईसीसी की एक पहल का हिस्सा है, जो मैच के दौरान गंभीर रूप से चोटिल खिलाड़ी की अन्य खिलाड़ी को मौका देने के लिए समाधान की तलाश में है। ऑस्ट्रेलिया की तरह साउथ अफ्रीका भी अंदरूनी और बाहरी दोनों चोट के लिए रिप्लेसमेंट दे रही है। भारत में अभी केवल बाहरी चोट के लिए रिप्लेसमेंट देने की योजना है।

चोटिल खिलाड़ी 7 दिन मैदान से रहेगा दूर

इसके बाद वे मैच रेफरी से संपर्क करके अपने फैसले की पुष्टि करते हैं। बाहरी चोट जैसे कि हड्डी टूटने या खिसने पर मैच रेफरी डॉ. रामजी और सेपेंग से सलाह लेकर किसी अन्य खिलाड़ी के बारे में फैसला ले सकते हैं। घायल खिलाड़ी की जगह तभी किसी और को लाया जा सकता है जब वह मैच से पूरी तरह बाहर हो गया हो। सीएसए की प्लेइंग कंडिशन के अनुसार उसे मैदान पर वापसी करने के लिए कम से कम 7 दिन इंतजार करना होगा।

साउथ अफ्रीका में ये है प्रोटोकॉल: साउथ अफ्रीका की घरेलू क्रिकेट में कोई चोटिल खिलाड़ी कब रिप्लेस होगा यह निर्धारित करने के लिए सख्त प्रोटोकॉल है। अंदरूनी चोट जैसे कि मांसपेशी में खिंचाव होने पर खिलाड़ी को अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन करानी पड़ती है। इसके बाद रिपोर्ट सीएसए के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हर्शेंद्र रामजी और सीएसए के क्रिकेट संचालन प्रबंधक ओबाकेंग सेपेंग को भेजी जाती है। यह रिपोर्ट के मद्देनजर निर्धारित करते हैं कि क्या चोट इतनी गंभीर है कि रिप्लेसमेंट की अनुमति मिल सके।

क्या इंटरनेशनल क्रिकेट में आएगा लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट: ऑस्ट्रेलिया में रिप्लेसमेंट केवल दूसरे दिन स्टंप्स तक ही मिल सकता है। चोटिल खिलाड़ी के कम से कम 12 दिनों तक मैदान से दूर रहना अनिवार्य है।

ऑस्ट्रेलिया और भारत की तरह साउथ अफ्रीका भी फिलहाल बहु-दिवसीय क्रिकेट में इस प्रणाली का केवल ट्रायल कर रहा है। प्रोटोकॉल में अंतर इस बात पर निर्भर करता है कि विभिन्न देश इस प्रणाली का परीक्षण कैसे करना चाहते हैं। वे सभी आईसीसी को रिपोर्ट करेंगे, जो फिर अंतरराष्ट्रीय खेल में लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट के लिए नियम बना सकता है।

वान्या शर्मा बनीं बेस्ट योगिनी, राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास की मिसाल बनीं वान्या शर्मा ने एक बार फिर योग की दुनिया में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। नई दिल्ली के सरकारी विद्यालय, सरस्वती विहार में आयोजित राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 में वान्या ने अपने अद्वितीय योगाभ्यास से निर्णायकों को प्रभावित करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

उनकी अद्भुत संतुलन क्षमता, लचीलापन और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति के लिए उन्हें विशेष सम्मान बेस्ट योगिनी ट्रॉफी से नवाजा गया। मंच पर वान्या की योग मुद्राओं में अनुशासन, निपुणता और सहजता का ऐसा संगम देखने को मिला कि पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट

से गूंज उठा। वान्या शर्मा पहले भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। उन्होंने सितंबर 2025 में मलेशिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में भारत के लिए तीन स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया था। वर्ष 2024 में भी उन्होंने इंटर-स्कूल योगासन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया।

उल्लेखनीय है कि अब तक 14 विश्व रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज हैं। छोटी सी उम्र में ही योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने वाली वान्या आज देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

राहुल तेवतिया का खुलासा

इन दो भारतीय खिलाड़ियों से सीखा बल्लेबाजी का हुनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर राहुल तेवतिया ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी पर युवराज सिंह और एमएस धोनी का गहरा प्रभाव रहा है। एक बाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में तेवतिया युवराज की स्टाइल और शॉट सिलेक्शन के प्रशंसक हैं, जबकि धोनी से उन्होंने डेथ ओवरों में शांत रहकर मैच खत्म करने की कला सीखी। तेवतिया ने कहा, मैं युवराज सिंह की बल्लेबाजी देखते हुए बड़ा हुआ हूं।

जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब माही भाई की बल्लेबाजी को ध्यान से देखने लगा। उन्होंने डेथ ओवरों में गेंदबाजों को कैसे निशाना बनाया, यह सीखकर मुझे काफी फायदा हुआ।

आईपीएल के फिनिशर के रूप में पहचान : तेवतिया ने 2020 में राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब के खिलाफ मैच में एक ओवर में पांच छक्के जड़कर सनसनी मचा दी थी। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए 2022 में उन्होंने आखिरी दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सीजन में टाइटन्स ने आईपीएल ट्रॉफी भी जीती, जिसमें तेवतिया की भूमिका अहम रही।

प्रक्रिया पर ध्यान, नतीजे पर नहीं : तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, सफलता या असफलता दोनों में समान रहना चाहिए। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो बुरा लगता है, लेकिन असली फोकस प्रक्रिया और तैयारी पर होना चाहिए, न कि नतीजे पर।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: जीतने के जुनून ने किसान के बेटे निशाद कुमार को बनाया वर्ल्ड चैंपियन

अंब (ऊना), एजेंसी। हिमाचल के ऊना में रहने वाले निशाद के लिए यह दोहरी खुशी थी क्योंकि उन्होंने अपने 26वें जन्मदिन पर पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा जीती। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का राड्रिक टांसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। जीतने के जुनून ने किसान के बेटे को वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। वह भी उस दिन, जब उसका जन्मदिन था। अपने जन्मदिन का इससे बेहतर तोहफा कोई इससे बेहतर क्या दे सकता है। यह तोहफा पैरा एथलीट निशाद कुमार ने देश और खुद को दिया है। 3 अक्तूबर 1999 को जन्मे

निशाद ने अपनी जिंदगी के सिल्वर जुबली वर्ष में देश के नाम सोने का तमगा जीत कर अपने जन्मदिन की खुशियों को वर्ल्ड चैंपियन के खिताब के साथ मनाया। इसमें सोने पर सुहागा यह रहा कि पहली बार किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके पिता रछपाल सिंह, माता पुष्पा देवी और बहन रमा स्टेडियम में मौजूद रहे। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का राड्रिक टांसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। टांसेंट ने तीसरा स्थान हासिल किया। जब भी किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का जिक्र होता था, तो निशाद की यह जिद नजर आती थी।

बीएफआई कप:

मंजू, अंकुशिता, अरुंधति, प्रिया और परवीन का जलवा, बीएफआई कप के सेमीफाइनल में पहुंच

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा

चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए। विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए।

संक्षिप्त समाचार

शिष्टाचार दस्ते ने अपनी जागरूकता मुहिम को गति दी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस ने नई पहल शुरू की है। पुलिस ने एक सशक्त कदम उठाते हुए अपने शिष्टाचार दस्ते ने अपनी जागरूकता मुहिम को गति दी। उन्होंने इस दौरान दिल्ली के कई इलाकों में कई महिलाओं से मुलाकात की और उनसे फीडबैक लिया। पुलिस ने इसके लिए घेवरा मेट्रो बस स्टैंड पहुंची और वहां मजलिस पार्क ? टिकरी बॉर्डर जाने वाली बस रूट नंबर 938 में महिलाओं से बात की। बस स्टॉप को पहले टार्गेट करते हुए इस सतर्क दस्ते ने महिला यात्रियों के साथ बातचीत की और उन्हें सेफ्टी ऐप्स, 112 हेल्पलाइन और तुरंत शिकायत दर्ज कराने वाले साधनों के बारे में जागरूक किया। अधिकारियों ने सूचना वाले पर्चे भी बांटे और यात्रियों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को गर्मजोशी और आश्वासन के साथ सुना। दस्ते के अधिकारियों ने दृढ़ता से कहा, महिलाओं की सुरक्षा सिर्फ हमारा कर्तव्य नहीं है, यह हमारी प्रतिबद्धता है। इस पहल ने सामान्य यात्रा के बीच लोगों से जुड़ाव और आत्मविश्वास को भी बढ़ाने में मदद की। पुलिस ने आगे कहा कि सुरक्षा कोई विशेषाधिकार नहीं है; यह एक वादा है और जब शिष्टाचार दस्ता गति पर है, तो कोई भी महिला अकेले यात्रा नहीं करती है। ये सारी जानकारी बाहरी जिला, नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने दी।

कैब बुक कर आते थे बाइक चुराने, दिल्ली पुलिस गिरोह के 2 सदस्यों को पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सदर बाजार पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा कर दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर चोरी के आठ दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से दिल्ली के अलग-अलग थानों में दर्ज चोरी के कुल 8 मामले सुलझ गए हैं। डीसीपी राजा बांठिया ने रविवार को बताया कि सदर बाजार इलाके में वाहन चोरी को रोकने के लिए अहाता किदारा चौकी प्रभारी एसआई प्रशांत शर्मा की टीम को निर्देश दिए गए थे। टीम ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया और संदिग्धों के रूट का पता लगाया। डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि वाहन चोरी करने आए बदमाशों ने एक विशेष मोबाइल नंबर से ओला कैब बुक की थी। सीडीआर और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण से पता चला कि आरोपी यूपी के शाहजहाँपुर के एक गाँव से सक्रिय थे और अपराध से पहले और बाद में लोनी, गाजियाबाद में रह रहे थे। तकनीकी निगरानी की मदद से 26 सितंबर को आरोपियों की लोकेशन लोनी, गाजियाबाद में पता चली। पुलिस टीम ने तुरंत दबिश दी और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फैज और फैजान के रूप में हुई है। दोनों बरेली जिले के रहने वाले हैं और पेशे से बढ़ई हैं। लेकिन नशे और शराब की लत पूरी करने के लिए वे आसान पैसा कमाने के लिए वाहन चोरी करने लगे। पूछताछ में आरोपियों ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वाहन चोरी के कई मामलों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर दिल्ली और यूपी के शाहजहाँपुर व बरेली के अलग-अलग स्थानों से बरामद की गईं। इनमें दो मोटरसाइकिलें सदर बाजार थाने में दर्ज मामलों से संबंधित थीं। बरामद कुछ वाहनों के इंजन और चेसिस नंबरों से छेड़छाड़ की गई थी। आगे की जांच जारी है ताकि इस रैकेट में शामिल अन्य सहयोगियों की भूमिका का पता लगाया जा सके और चोरी के अन्य वाहनों का पता लगाया जा सके।

केजरीवाल के शीशमहल में लोगों को भी मिलेगी एंट्री की अनुमति

रेखा सरकार की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के शासनकाल में तैयार हुए उनके सरकारी निवास, जिसे भाजपा शीश महल कहती है, को रेखा गुप्ता सरकार कैफेटेरिया युक्त राज्य अतिथि गृह (स्टेट गेस्ट हाऊस) में बदलने की तैयारी कर रही है। इसके लिए योजना पूरी तरह तैयार हो चुकी है और बस उस पर अंतिम मुहल लगना बाकी है। इस बारे में जानकारी देते हुए शनिवार को अधिकारियों ने बताया कि इस बंगले में जल्द ही शहर के अन्य राज्य भवनों की तरह पारंपरिक व्यंजन परोसने वाली एक कैंटीन शुरू हो सकती है। सबसे खास बात जो उन्होंने बताई वह यह कि यहां आम जनता के प्रवेश की अनुमति भी होगी, और वह भी इस स्थान का लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा इस प्रस्ताव के अनुसार यहां एक पार्किंग स्थल, वेटिंग हॉल और अन्य सुविधाओं का निर्माण भी किया जाएगा। हालांकि इस योजना को फिलहाल अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। जानकारी देते हुए कहा, सरकार सिविल लाइंस इलाके में फ्लैगस्टाफ रोड पर स्थित इस बंगला नंबर 6 में एक राज्य अतिथि गृह बनाने के काम को अंतिम रूप देने के करीब है, जो पूर्व मुख्यमंत्री के आवास के रूप खाली पड़ा था। इसमें एक फूड आउटलेट, पार्किंग और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उक्त अधिकारी ने आगे कहा, जिस तरह अन्य राज्य अतिथि गृहों में अधिकारी और मंत्री मीटिंग और ट्रेनिंग वर्कशॉप के लिए आकर ठहरते हैं और बदले में कमरों का किराया देते हैं, यहां भी ऐसा ही किया जाएगा। हालांकि इस योजना को अभी उच्च अधिकारियों से अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है। बंगले के रखरखाव के लिए फिलहाल वहां लगभग 10 लोगों का स्टाफ मौजूद है, जिन पर अलग-अलग कामों को करने की जिम्मेदारी है। इसमें रोजाना झाड़ू लगाना, सफाई करना और रेफ्रीजरेटर व एयर कंडीशनर जैसे बिजली के उपकरणों को नियमित रूप से चलाकर देखना व उनकी देखभाल करना शामिल है। इससे कुछ ही दिन पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि शीश महल बंगला एक सफेद हाथी की तरह है और दिल्ली सरकार को अभी इसके भाग्य के बारे में फैसला करना बाकी है। गुप्ता ने कहा था, यह दिल्ली सरकार के पास सफेद हाथी की तरह पड़ा है और हम सोच रहे हैं कि इसका क्या किया जाए। यह वही बंगला है जिसे अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान उनके आधिकारिक आवास के रूप में इस्तेमाल किया गया था। बता दें कि यह वही सरकारी बंगला है, जिसे भाजपा ने एक बड़ा मुद्दा बनाते हुए पूर्व सीएम केजरीवाल पर कई आरोप लगाए थे। भाजपा ने इसे शीशमहल नाम देते हुए इसके पुनर्निमाण के लिए केजरीवाल पर करोड़ों रुपए फूंकने का आरोप लगाया था। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि साल 2022 तक इस बंगले के पुनर्निर्माण पर लगभग 33.86 करोड़ रुपए खर्च हुए थे।

जेएलएन स्टेडियम में विदेशी कोचों को कुत्तों के काटने पर बोली पशु अधिकार कार्यकर्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) स्टेडियम में दो विदेशी कोचों को आवारा कुत्तों द्वारा काटे जाने पर एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट और पीपल फॉर एनिमल्स इंडिया की ट्रस्टी गौरी मौलेखी ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की कड़ी आलोचना की है। गौरी मौलेखी ने एमसीडी पर दिल्ली में आवारा कुत्तों की आबादी की समस्या को संभालने में लापरवाही और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि जेएलएन स्टेडियम में हालिया डॉग बाइट की घटना ने यह उजागर कर दिया है कि सुप्रीम कोर्ट के 22 अगस्त के निर्देशों और दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहे अवमानना मामले के बावजूद एमसीडी मोटी चमड़ी वाला बना हुआ है। उसने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। मौलेखी आरोप लगाया कि दिल्ली के 20 एनिमल बर्थ कंट्रोल प्रोजेक्ट्स भ्रष्टाचार से ग्रस्त हैं और इनमें से लगभग आधे को केंद्र सरकार से मंजूरी भी नहीं मिली है। उनके अनुसार, इन प्रोजेक्ट्स का डेटा और आंकड़े पारदर्शी नहीं हैं और आरटीआई से मिली जानकारी में भारी भ्रष्टाचार उजागर हुआ है।

गौरी मौलेखी ने यह भी दावा किया कि कई अनधिकृत एनजीओ आवारा कुत्तों को रिहायशी इलाकों से उठाकर दूसरी जगह छोड़ रहे हैं, जिससे डॉग बाइट की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि कुत्ते क्षेत्रीय होते हैं और दूसरी जगह ले जाने से वे घबरा जाते हैं, जिससे काटने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। उन्होंने मांग की कि एमसीडी में एनिमल बर्थ कंट्रोल के प्रभारी अधिकारी को सस्पेंड किया जाए और कानून का पालन कराने के लिए एक ईमानदार अधिकारी नियुक्त किया जाए।

समुद्र की गहराई से निकला खजाना

मिला सोने-चांदी से लदा स्पेनिश जहाज

फ्लोरिडा , एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा तट पर गोताखोरों की एक टीम ने समुद्र के नीचे दबी 300 साल पुरानी स्पेनिश जहाज का खजाना खोज निकाला है। इस जहाज में सोने और चांदी के हजारों सिक्के दबे हुए थे, जिनकी कीमत करीब 1 मिलियन डॉलर (लगभग 8.3 करोड़ रुपये) बताई जा रही है। यह जहाज 1715 में आए एक भयंकर तूफान में डूब गया था और तब से समुद्र की गहराइयों में लापता था।

कहां मिला यह खजाना?

रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा के अटलांटिक तट के पास गोताखोरों को यह खजाना मिला है। इस तटीय क्षेत्र को पहले से ही खजाना तट कहा जाता है, क्योंकि यहां पहले भी कई पुराने जहाजों के मलबों से खजाने मिल चुके हैं।

इस बार की खोज 1715 एलएलसीनामक कंपनी की टीम ने की है। उन्होंने समुद्र के तल से 1,000 से ज्यादा सोने-चांदी के सिक्के निकाले हैं। माना जा रहा है कि ये सिक्के स्पेनिश उपनिवेशों में ढाले गए थे – जहाँ अब मैक्सिको, पेरू और बोलीविया स्थित हैं।

इतिहासकारों के अनुसार, 31 जुलाई 1715 को 11 जहाजों का स्पेनिश बेड़ा अमेरिका से स्पेन की ओर खजाना लेकर जा रहा था। लेकिन रास्ते में फ्लोरिडा तट के पास भयंकर तूफान आया, जिसने बेड़े को तबाह कर दिया। उस हादसे में हजारों लोग मारे गए और टनों सोना-चांदी समुद्र में समा गया। तब से यह खजाना समुद्र के भीतर गुम था। गोताखोरों द्वारा मिले सिक्कों में से कई पर टकसाल और 1710 से 1715 के बीच की तारीखें खुदी हुई हैं। इससे इतिहासकारों को यह समझने में मदद मिलेगी कि उस दौर में स्पेनिश साम्राज्य का व्यापार और सोने-चांदी की ढलाई का नेटवर्क कैसा था। कंपनी के ऑपरेशन डायरेक्टर सैल गुट्टूसो ने कहा –यह सिर्फ खजाने की खोज नहीं, बल्कि इतिहास के एक भूले हुए अध्याय को उजागर करने जैसा है। हर सिक्का उस दौर के लोगों की कहानी कहता है। उन्होंने इसे एक असाधारण ऐतिहासिक खोज बताया, क्योंकि इतने ज्यादा सिक्के एक साथ मिलना बेहद दुर्लभ है। फ्लोरिडा राज्य कानून के अनुसार, राज्य की सीमा में पाए गए सभी ऐतिहासिक अवशेष और खजाने राज्य सरकार की संपत्ति माने जाते हैं। हालांकि, खोजकर्ता कंपनियों को वैध अनुमति दी जाती है, और बरामद सामग्री का 20त्न हिस्सा राज्य के म्यूजियम या सार्वजनिक प्रदर्शनी के लिए रखा जाता है। बाकी हिस्सा खोजकर्ताओं को दिया जा सकता है। यह खोज न केवल एक आर्थिक खजाना है, बल्कि इतिहास और पुरातत्व के लिहाज से भी बेहद कीमती है। इससे यह साबित होता है कि फ्लोरिडा के तट के नीचे अब भी कई खोए हुए खजाने छिपे हो सकते हैं, जिनका संबंध स्पेनिश साम्राज्य के स्वर्ण युग से है।

आईफोन और आईपेड के लिए 17 की उम्र में बेच डाली थी किडनी, अब डायलिसिस पर काट रहा जिंदगी

वाशिंगटन, एजेंसी। महज़ एक आईफोन 4 और आईपेड 2 खरीदने की सनक में की गई एक गलती आज 14 साल बाद भी चीन के वांग शांगकुन को दर्द दे रही है। 17 साल की जवानी में वांग ने अपनी एक किडनी अवैध बाजार में बेच दी थी। आज 31 साल की उम्र में वह पूरी तरह विकलांग हो चुके हैं और उनकी जिंदगी अब डायलिसिस मशीन पर निर्भर है। यह दिल दहला देने वाली घटना साल 2011 की है। गरीब परिवार से आने वाले वांग शांगकुन उस समय महज़ 17 साल के थे। आईफोन और आईपैड खरीदने के लिए वांग अंग तस्करों के झांसे में आ गए थे। तस्करों ने उन्हें एक किडनी के बदले 20,000 युआन (लगभग ढाई लाख रुपये) का लालच दिया था। वांग ने सोचा कि वह एक किडनी के सहारे आराम से जी लेगा। उन्हें हुनान प्रांत के एक छोटे शहर में ले जाया गया जहां असुरक्षित और ग़ैर-स्वच्छ स्थानीय अस्पताल में उनकी सर्जरी हुई। सर्जरी के बाद वांग को कोई सही देखभाल (पोस्ट-ऑपरेटिव केयर) नहीं मिली। पैसे हाथ में आते ही वांग गैजेट्स लेकर घर लौट आए। आईफोन की खुशी ज़्यादा दिन नहीं टिकी। कुछ ही महीनों में वांग की बची हुई दूसरी किडनी में इंफेक्शन हो गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि गैर-स्वच्छ सर्जरी की वजह से बैक्टीरिया उनके शरीर में फैल गया था। वांग को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां पता चला कि उनकी किडनी अब सिर्फ 25त्न ही काम कर रही है। वहीं आज 31 साल की उम्र में वांग शांगकुन को अपनी पूरी ज़िंदगी डायलिसिस मशीन पर गुजारनी पड़ रही है। वांग शांगकुन की यह दर्दनाक कहानी एक बार फिर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसकी वजह यह है कि आईफोन 17 प्रो जैसे नए गैजेट्स की ऊंची कीमतों के चलते आज भी कई युवा ऐसी ही भयानक गलती करने की कोशिश कर रहे हैं और अंग तस्करी करने वाले गिरोहों के संपर्क में आ रहे हैं।

ट्रंप के रोकने के बावजूद गाजा पर हमला कर रहा इजरायल

येरूसलम, एजेंसी। गाजा में चल रहे संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप युद्ध विराम की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच इजरायल ने गाजा पर फिर से हवाई हमला शुरू कर दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को हुए इजरायली हमले में कम से कम 70 फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। मारे गए नागरिकों में मासूम बच्चे भी शामिल हैं। दरअसल, ट्रंप हमास-इजरायल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। हमास द्वारा सहमति जताए जाने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायल से गाजा पर तुरंत बमबारी रोकने का आदेश दिया था। इसके बाद भी शनिवार को इजरायल द्वारा गाजा पर हमला किया गया है। इस हमले में इजरायली सैन्य ठिकानों के बीच में रहे गाजा शहर के लोग सबसे अधिक हताहत हुए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वहां 45 लोगों की जान चली गई। हाल के हफ्तों में इजरायली हमलों ने दस लाख से अधिक गाजावासियों को प्रभावित किया है।

गैस स्टेशन में पार्ट टाइम जॉब करता था भारतीय छात्र, अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर ले ली जान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी कर हैदराबाद के रहने वाले एक भारतीय छात्र की हत्या कर दी। उसके परिजन ने शनिवार को यह जानकारी दी। अमेरिका में अज्ञात हमलावरों ने एक गैस स्टेशन पर गोलीबारी की थी। परिजन ने बताया कि पोल चंद्रशेखर की शुक्रवार रात को डलास (अमेरिका) में बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। परिजन ने सरकार से उसके शव को स्वदेश पहुंचाने में मदद करने का आग्रह किया। चंद्रशेखर के भाई दामोदर ने पत्रकारों को बताया कि हैदराबाद से बीडीएस की पढ़ाई पूरी करने करने के बाद वह (पीड़ित) दो साल पहले एमएस की पढ़ाई के लिए अमेरिका गए थे और उन्होंने छह महीने पहले ही अपनी डिग्री पूरी की थी तथा वह नौकरी तलाश रहे थे। फिलहाल चंद्रशेखर गैस स्टेशन पर अंशकालिक तौर पर काम कर रहे थे। छात्र की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। पीड़ित के परिजन को सहायता का आश्वासन देते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार शव को वापस लाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगी। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक टी. हरीश राव ने घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने और पार्टी के अन्य नेताओं ने यहां शोकसंतप्त परिजनों से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की।

चीन के नए 'के वीजा' ऑफर से मचा बवाल

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने विदेशी पेशेवरों के लिए अपने बहुप्रचारित 'के वीजा को एक अक्टूबर से लागू करने की घोषणा की थी। हालांकि, विदेश में उसके सभी दूतावास राष्ट्रीय दिवस और त्योहारों की छुट्टियों के कारण आठ अक्टूबर तक बंद हैं, जिसके चलते 'के वीजा का क्रियान्वयन फिलहाल नहीं हो पाया है। बहरहाल, चीन में आर्थिक सुस्ती के कारण बढ़ती बेरोजगारी दर के मद्देनजर 'के वीजा योजना को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। चीन ने इस साल अगस्त में 'के वीजा योजना पेश की थी। हालांकि, यह योजना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तभी सुर्खियों में आई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने '॥1क्क वीजा का शुल्क बढ़ाकर सालाना एक लाख अमेरिकी डॉलर किए जाने की घोषणा की। चीनी विदेश मंत्रालय के

प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने 29 सितंबर को बीजिंग में संवाददाताओं से बातचीत में कहा था कि 'के वीजा का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विभिन्न देशों के साथ युवा पेशेवरों के आदान-प्रदान और सहयोग को सुविधाजनक बनाना है। 'के वीजा को चीन का '॥-1क्क वीजा करार दिया जा रहा है। हालांकि, सोशल मीडिया उपयोगकर्ता देश में उच्च बेरोजगारी दर के बीच इस वीजा को पेश किए जाने के फैसले पर सवाल उठा रहे हैं। चीन में बेरोजगारी दर पिछले दो वर्षों से लगभग 19 फीसदी बताई जा रही है। देश में हर साल औसतन 1.2 करोड़ युवा स्नातक तैयार होते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर लोगों को नौकरियां देने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। हांगकांग के अखबार 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक, फैसले की आलोचना कर रहे उपयोगकर्ताओं ने एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित) विषयों में स्नातक की डिग्री को 'के वीजा के एक प्रमुख मापदंड के रूप में निर्धारित किए जाने पर सवाल उठाए हैं। खबर के अनुसार, कुछ उपयोगकर्ताओं का मानना है कि यह नीति चीन में पढ़ाई करने वालों की तुलना में विदेशी स्नातकों को अनुचित रूप से तरजीह देती है।

मुगलिया फरमान से लेकर डिजिटल चिप्स तक; कई मायनों में खास है डीयू की ये लाइब्रेरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय, जो 1922 से परिसर का बौद्धिक केंद्र रहा है, अब एक नया अध्याय शुरू करने की तैयारी कर रहा है। कभी यह सिर्फ 700 सीटों वाला एक छोटा हॉल हुआ करता था, लेकिन अब इसका बड़ा विस्तार हो रहा है, जिससे इसकी बैठने की क्षमता बढ़कर लगभग 3,400 हो जाएगी, लेकिन यह बदलाव सिर्फ ईंटों और गारे (भवन निर्माण) से कहीं ज्यादा है। इसमें 18वीं और 19वीं शताब्दी की पांडुलिपियां, कई भाषाओं की किताबें, और सबसे दुर्लभ खजाने, मुगल सम्राट औरंगजेब की ओर से जारी किए गए तीन असली फरमान शामिल हैं।

जब 1922 में ष्ठ की स्थापना हुई थी, तो पुस्तकालय की शुरुआत काफी साधारण थी। इसने अस्थायी जगहों से 1,380 उपहार में मिली किताबों और 86 पत्रिकाओं के साथ काम करना शुरू किया था। 1933 से 1958 के बीच, यह वाइस रीगल लॉज के एक बॉलरूम में रहा और अंत में 1958 में वर्तमान केंद्रीय पुस्तकालय भवन में चला गया, जो विश्वविद्यालय के कला संकाय और कानून संकाय के बीच स्थित है। यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन राजेश सिंह ने बताया, 1933 से 1958 के बीच, पुस्तकालय वाइस रीगल लॉज में कन्वेंशन सेंटर में था, जो कभी एक बॉलरूम हुआ करता था। उसके बाद, पुस्तकालय आखिरकार 1958 में केंद्रीय पुस्तकालय भवन में स्थानांतरित हो गया।

1,500 से भी कम किताबों के साधारण से शुरुआत से लेकर आज इसकी अलमारियों पर 6,50,000 से अधिक किताबें हैं। यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन राजेश सिंह ने कहा,

किताबों के ढेर-पर-ढेर यह पुस्तकालय यादों, ज्ञान और पुरानी यादों (नॉस्टैल्जिया) का भंडार जैसा महसूस होता है। इसकी सबसे खास विशेषताओं में से एक हैं बर्मा टीक की बनी हुई किताबों की अलमारियां। इन्हें मॉरिस ग्वेयर ने दान किया था, जो 1938 से 1952 तक डीयू के कुलपति और फेडरल कोर्ट ऑफ इंडिया के मुख्य न्यायाधीश थे। इन अलमारियों में अब 27,000 से अधिक थीसिस (शोध प्रबंध) रखी हैं। इसकी शुरुआत 1958 में जमा की गई पहली थीसिस से हुई थी, जिसका शीर्षक था भागवत पुराण का एक आलोचनात्मक अध्ययन । ऊपर की मंजिल पर दुर्लभ पुस्तकों का कमरा है, जो छिपे हुए खजानों की तलाश में आए विद्वानों को अपनी ओर खींचता है। इस संग्रह में मुगल युग के शाही आदेश भी शामिल हैं। सिंह ने बताया, इस संग्रह में सबसे महत्वपूर्ण हैं औरंगजेब की ओर से जारी किए गए तीन असली फरमान। यह दस्तावेज जिस वर्ष जारी हुआ था, वह था एएच 1087। पुस्तकालय में औरंगजेब की ओर से 1676 ईस्वी (एएच 1087) में जारी किए गए तीन असली फरमान हैं। इनके अलावा, यहां जॉर्ज मेरेडिथ की कविताएं , 1808), एडब्ल्यू किंगलेक की ईओथेन), 18वीं और 19वीं शताब्दी की तिब्बती पांडुलिपियां और 750 ईस्वी तक के पुराने भारत के नक्शे भी मौजूद हैं। दशकों से, पुस्तकालय के पीछे की जमीन विस्तार के लिए आरक्षित थी। अब वह योजना साकार हो रही है। सिंह ने बताया, तीन नई विंग (खंड) बनाए जा रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक चार-मंजिला ब्लॉक है। इससे पुस्तकालय का क्षेत्रफल 4,775 वर्ग मीटर से बढ़कर 18,525 वर्ग मीटर हो जाएगा। ?110 करोड़ की इस आधुनिकीकरण योजना में बायोमेट्रिक गेट्स और मेटालिक चिप्स लगी हुई किताबें शामिल हैं। इन किताबों को जारी करने से पहले डिमैग्नेटाइज (विचुम्बकित) करना होगा, जिससे अनाधिकृत निष्कासन (चोरी) को रोका जा सके। राजेश सिंह ने समझाया कि विस्तार के पहले चरण का काम इस साल फरवरी में शुरू हुआ था, और दिसंबर के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

अंचलों में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन कल से

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जनता दरबार में ज्यादातर मामले भूमि के दाखिल-खारिज, जमाबंदी में सुधार, भू-मापी एवं लगान-रसीद जमा करने के समस्याओं के निराकरण को लेकर उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देशानुसार जिले के सभी अंचल कार्यालयों अंतर्गत प्रत्येक हल्का कार्यालय/पंचायत सचिवालय में एक-एक दिन का विशेष राजस्व शिविर दिनांक 06 अक्टूबर से प्रारंभ होकर दिनांक 17 अक्टूबर तक पूर्वाहन 10 बजे से अपराह्न 04 बजे तक संचालित होगा। जिला के सभी अंचल कार्यालयों के अधीन हल्का कार्यालयों में एक-एक दिन का विशेष राजस्व शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर सोमवार दिनांक 06 अक्टूबर 2025 से शुरू हो रहा है। इन विशेष शिविरों का मुख्य उद्देश्य, भूमि संबंधित मामलों (दाखिल-खारिज, जमाबंदी सुधार, भू-मापी, रसीद आदि) का त्वरित निपटारा करना है। सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है।

गुमला में नवजात शिशुओं के खरीद फरोख्त मामले में जांच शुरू

गुमला/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुमला जिला के रायडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जुड़ी बीटीटी एवं सहिया के द्वारा दो नवजात शिशुओं के खरीद फरोख्त मामले में जाँच शुरू हो गई है। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल कल्याण समिति ने संज्ञान लेते हुए समिति के सदस्यों के द्वारा दोनों शिशुओं के परिजनों से मिलकर मामले की जाँच की। वहीं गुमला सदर अस्पताल के सिविल सर्जन ने भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायडीह पहुंचकर संबंधित सभी लोगों से अलग-अलग पूछताछ की है. मामले की जांच की जांच करने के उपरांत उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आपके माध्यम से इसकी जानकारी मिली थी जिसके बाद आज पूरे मामले की जांच की गई है. उन्होंने कहा कि अभी जांच की प्रक्रिया जारी है इसलिए सब कुछ नहीं बताया जा सकता है . लेकिन उन्हें इतना आश्वस्त किया कि इस मामले में जो भी दोषीदार होंगे उनके ऊपर निश्चित रूप से करवाई होगी. वही गुमला उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने भी शिशुओं के खरीद फरोख्त के मामले पर तीन सदस्य कमेटी का गठन किया है. उपायुक्त ने गठित टीम को निर्देश दिया है की दो दिनों के अंदर मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपे।

धनबाद रेल मंडल में चला गहन सफाई एवं जागरूकता अभियान

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्वच्छ रेल स्वच्छता पखवाड़ा के पाँचवें दिन धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर विशेष गहन सफाई अभियान चलाया गया। इसके साथ ही पैंट्री कार एवं बेस किचन का निरीक्षण

कर स्वच्छता, खाद्य गुणवत्ता एवं कार्यस्थल की साफ-सफाई की जाँच की गई। स्टेशन परिसरों में गहन सफाई अभियान भी चलाया गया, जिसमें प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल, शौचालय एवं अन्य यात्री सुविधाओं की विस्तृत सफाई की गई। यात्रियों में जागरूकता बढ़ाने हेतु स्टेशनों पर ॡसेल्फी बूथॡ स्थापित किए गए एवं यात्रियों को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं बायो टॉयलेट के सही उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। धनबाद मंडल द्वारा ॡस्वच्छ रेल - स्वच्छ भारतॡ के संकल्प को साकार करने हेतु इस पखवाड़े के दौरान सतत स्वच्छता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं, जिनमें रेलकर्मी एवं यात्री दोनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

दलमा मैराथन में यूपी के प्रतिभागियों का दबदबा

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दलमा वन्य प्राणी आश्रणीय एवं टाटा स्टील जूलॉजिकल सोसायटी के तत्वाधान में सहरबेड़ा फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित रन फॉर गजराज मैराथन में उत्तर प्रदेश के प्रतिभागियों ने अपना दबदबा दिखाया। पुरुष वर्ग में लखनऊ के रवि कुमार पाल और महिला वर्ग में आंशिक पटेल ने प्रथम स्थान हासिल किया, दोनों को 31-31 हजार रुपये का चेक देकर सम्मानित किया गया। दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर भी यूपी के प्रतिभागियों ने कब्जा जमाया। मुख्य अतिथि ईचागढ़ विधायक सबिता महतो ने विजेताओं को ट्रॉफी और चेक प्रदान किया। पूर्वी सिंहभूम डीएफओ डीएफओ सबा आलम अंसारी, रेंजर दिनेश चंद्रा, शशि प्रकाश रंजन और झामुमो के केंद्रीय सदस्य काबलू महतो भी मौजूद रहे। करीब चार हजार प्रतिभागियों ने 16 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण ट्रैक पर अपनी रनिंग प्रतिभा दिखाई। मैराथन सुबह आठ बजे शुरू हुई और डेढ़ घंटे तक चली। कार्यक्रम वन्य प्राणी सप्ताह के अवसर पर वन और पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया।

बीएसएल गांव के युवाओं को दे रहा निःशुल्क प्रशिक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल के सीएसआर विभाग के तत्वावधान में महेंद्रा एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (एमईपीएल) द्वारा सरकारी और निजी संगठनों में भर्ती हेतु विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 03 बैच में परिधीय क्षेत्रों के लगभग 300 लाभार्थियों को निःशुल्क कोचिंग प्रदान करने की शुरूआत 27 सितम्बर को महेंद्रा एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड सेंटर, चास में हुई. उद्घाटन कार्यक्रम में बीएसएल के अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री सुरेश रँगानी एवं अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी के साथ सीएसआर विभाग के महाप्रबंधक श्री बी बनर्जी एवं महेंद्रा एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (एमईपीएल) के प्रतिनिधि उपस्थित थे. ज्ञातव्य है कि बीएसएल के सीएसआर के तहत सीएसआर विभाग और महेंद्रा एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (एमईपीएल) के बीच परिधीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग प्रदान करने के लिए एक एमओए पर हस्ताक्षर किया गया था. अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री रँगानी ने अपने सम्बोधन में छात्रों को इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने का आह्वान किया. अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने भी बीएसएल एवं महेंद्र एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड के इस संयुक्त पहल पर प्रकाश डालते हुए लाभार्थियों के लिए इसे उपयोगी बताया.

रोड टैक्स नहीं भरने से राज्य सरकार को हो रही है राजस्व की भारी हानि

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन के निर्देश पर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के विभिन्न एरिया में कोयला परिवहन के लिए चल रहे हाइवा, टीपर, पॉकलेन, ट्रक सहित अन्य भारी वाहनों के रोड टैक्स, रजिस्ट्रेशन व फिटनेस को लेकर जिला परिवहन विभाग सख्त कार्रवाई करेगा। विभाग ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। बीसीसीएल प्रबंधन को इसी महीने नोटिस जारी किया जाएगा। इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी श्री दिवाकर सी द्विवेदी ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर जिला परिवहन विभाग ने बीसीसीएल में चल रहे 1,500 से अधिक छोटे-बड़े व भारी वाहनों का पोर्टल पर विश्लेषण किया। जिसमें यह उजागर हुआ कि बीसीसीएल में कोयला परिवहन के लिए चल रहे वाहनों के कागजात अपडेट नहीं हैं। इसको लेकर इसी महीने बीसीसीएल प्रबंधन को परिवहन विभाग नोटिस जारी करेगा। कहा कि धनबाद में खदानों में जितने भी वाहन चल रहे हैं उन सभी वाहनों का ऑनलाइन वाहन पोर्टल,

जे.आई.एम.एम.एस. पोर्टल एवं भौतिक जांच के क्रम में जो भी दस्तावेज अपडेटेड नहीं पाए जाते है या फिर कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो उन सभी वाहनों पर नियमित रूप से मोटरयान अधिनियम तथा झारखंड टैक्सेशन एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। कुछ वाहन जो बीसीसीएल के अंतर्गत चलते है, जिसमें दस्तावेज तथा वाहनों में गड़बड़ी पायी गई, वैसे सभी वाहनों को चिन्हित करते हुए जल्द ही बीसीसीएल को नोटिस किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीसीसीएल के कई पुराने वाहनों का रिकार्ड भी उपलब्ध नहीं है। इसके कारण भी कई समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। विभाग ने बीसीसीएल से सभी वाहनों की पूरी सूची उपलब्ध कराने को कहा है। इस संबंध में जिला खनन विभाग से भी सहयोग लिया जा रहा है। खनन चालान और अन्य परमिट इसी विभाग से जारी होते हैं। इससे वाहनों का सही आकलन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के कई वाहनों के कागजात फेल और कर भुगतान नहीं करना गंभीर मामला है। नियमों के अनुसार सभी वाहनों के कागजात अपडेट होना अनिवार्य है। खदान एरिया में चलने वाले वाहनों को आम सड़कों पर भी देखा जा रहा है, इस पर भी विभाग की नजर है। इस संदर्भ में टीम को सक्रिय किया गया है ताकि ऐसे वाहनों को तुरंत पकड़ा जा सके। उन्होंने बताया कि समय पर टैक्स जमा नहीं होने से राज्य सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। राज्य सरकार ने विभाग को इससे निपटने के लिए कड़ाई से निर्देशित किया है। वर्तमान में विभाग की नजर में छोटे-बड़े मिलाकर करीब 1500 से अधिक वाहन और 85 से अधिक यात्री वाहन हैं, जिनका अध्ययन किया जा रहा है। बीमा या फिटनेस के बिना सड़क पर चल रहे वाहनों की जांच भी की जा रही है। जल्द ही इन वाहनों से बकाया रोड टैक्स की वसूली की जाएगी।

दुकान में गैस सिलेंडर ब्लास्ट से एक व्यक्ति झुलसा, बाइक जलकर खाक

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बाघमारा के तेतुलमारी पाण्डेयडीह बाजार में रविवार की दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जानकारी के अनुसार, खेदन सोनार की जनता साइकिल दुकान में गैस सिलेंडर रिफिलिंग के दौरान अचानक छह सिलेंडरों में जबरदस्त विस्फोट हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि पूरे बाजार में अफरा-तफरी मच गई और आसपास की दुकानों के शटर तक हिल उठे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाके के बाद आग की लपटें इतनी तेजी से फैलीं कि दुकान के पास खड़ी एक मोटरसाइकिल पूरी तरह जलकर राख हो गई, जबकि एक अन्य बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, बताया जाता है कि आग घटना के दौरान आग की लपटों के बीच एक व्यक्ति फंस गया, जिसे दुकानदार ने पुलिस की मदद से किसी तरह बाहर निकाला और गंभीर स्थिति में उसे धनबाद एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि साइकिल दुकान की आड़ में अवैध रूप से एलपीजी गैस रिफिलिंग का काम किया जाता था। हादसे के बाद दुकान का पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया है और लाखों रुपए की नुकसान की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही तेतुलमारी थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और दुकान संचालक से पूछताछ की जा रही है। वहीं, घटना के बाद पूरे बाजार में दहशत का माहौल है।

बोकारो में आदिवासी समाज का महाजुटान 8 अक्टूबर को

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में 8 अक्टूबर को आदिवासी समाज का एक विशाल महाजुटान आयोजित किया जाएगा। संगठन के नेताओं का दावा है कि इस कार्यक्रम में लगभग एक लाख आदिवासी समाज के लोग शामिल होंगे। रविवार को बोकारो सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि यह जुटान अपने हक और अधिकार की रक्षा के लिए किया जा रहा है। आदिवासी समाज के नेता अमित सोरेन ने कुड़मी समाज पर आरोप लगाया कि वे रेल टेका डहर छेंका कार्यक्रम के माध्यम से खुद को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करवाने की कोशिश कर रहे हैं, जो आदिवासी समाज के हक पर हमला है। उनका कहना है कि आदिवासी समाज ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और देश की आजादी में योगदान दिया, जबकि कुड़मी समाज के किसी भी नेता ने स्वतंत्रता संग्राम में भाग नहीं लिया। आकाश कुमार टुडू ने कहा कि संविधान बनने के बाद आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ा

गया और आरक्षण के माध्यम से उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिला। आज जब आदिवासी समाज शिक्षित होकर प्रगति कर रहा है, तब उसके अधिकारों को छीनने की कोशिशें की जा रही हैं, जो अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा कि अपने भाग-अधिकार पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हालांकि, समाज के कुछ लोगों ने चिंता जताई है कि इस प्रकार के विवाद और बयानबाजी से दोनों समाजों के बीच आपसी तनाव बढ़ सकता है, जो सामाजिक सौहार्द के लिए दुखद है। नेताओं ने अपील की कि विवाद का समाधान संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से निकाला जाए।

बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ कार्य समिति की बैठक में कई प्रस्ताव पारित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। यूनियन कार्यालय सेक्टर 3 मे बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ की कार्य समिति की बैठक हुई। ग अध्यक्षता विश्वेश्वर महतो ने की। इस बैठक में मुख्य रूप से स्टील फेडरेशन के महामंत्री सह एनजेसीएस सदस्य रंजय कुमार धनबाद एवं बोकारो के प्रभारी रविन्द्र मिस्र भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष जीतेन्द्र तिवारी, जिला मंत्री अवधेश राय उपस्थित थे। महामंत्री विनोद कुमार ने सभी उपस्थित अतिथियों का परिचय कराया। तत्पश्चात कई प्रस्ताव कार्यसमिति सदस्यों के सामने रखा गया। सर्वसम्मति से भारत माता की जय के साथ प्रस्ताव को पारित किया गया। सबों ने प्रदेश महामंत्री के अपने पद का दुरुपयोग करने की निन्दा की। प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्णा राय के द्वारा संगठन के नाम पर

आवास आवंटन करा कर किराया वसूलना, वित्तीय अनुशासन हीनता को दशार्ता है। कृष्णा राय के द्वारा यूनियन कार्यालय सेक्टर 3 को कब्जा करने का प्रयास करना, यूनियन मे तोर फोर करने का प्रयास ये सभी संगठन विरोधी कार्य करने के लिए निन्दा किया गया। प्रदेश महामंत्री को किसी रजिस्टर्ड यूनियन को भंग करने का अधिकार नहीं है। इसलिए बोकारो स्टील मे प्रदेश के द्वारा जो एढक समिति बनाया गया है उसका कोइ औचित्य नहीं है। बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ के महामंत्री बिनोद कुमार के कार्यो की प्रशंसा की गई और सभी ने मजबूती के साथ सहयोग करने की बात कही।

बोकारो कलाकार संघ की बैठक में भावी योजनाओं पर हुई चर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को बोकारो कलाकार संघ की एक बैठक आशियाना, चीरा चास में हुई। हाल ही में बोकारो कलाकार संघ का रजिस्ट्रेशन झारखंड सरकार से हो जाने पर बैठक में खुशी व्यक्त की गई और राष्ट्रीय कृत बैंक में संघ का खाता खोलने सहित कलाकारों व संघ के हितों को लेकर चर्चा की गयी। बैठक में संघ के अध्यक्ष जगदीश बाबला, महासचिव मनबोध मिश्रा, उपमहासचिव अशोक बाबला, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार, मीडिया प्रभारी अरुण पाठक, प्रतिनिधि मण्डल सदस्य बिधान दत्ता, संघमिता सिंह, मनोज उपाध्याय उर्फ सुमन जी, कन्हैया वर्मा, नवीन जी, श्याम बाबला, सुमनजी, प्रमोद कुमार ने भावी योजनाओं व कार्यक्रमों पर चर्चा की और संघ में अधिक से अधिक कलाकारों को जोड़ने, कलाकारों के

सामाजिक और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने व संघ को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने पर बल दिया। बैठक की अध्यक्षता प्रतिनिधि मंडल सदस्य संघमिता सिंह ने की तथा संचालन महासचिव मनबोध मिश्रा ने किया।

कुड़मी समुदाय को उसका अधिकार वापस करे केंद्र सरकार:डिंपल चौबे

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा महिला जिला अध्यक्ष डिंपल चौबे व उनकी जिला कमेटी द्वारा कुड़मी समुदाय के हो रहे रेल टेका आंदोलन में प्रधानखन्ता स्टेशन जाकर आंदोलन में शामिल हुई और समर्थन किया। साथ ही आंदोलनकारियों की मांगों को जायज बताया डिंपल चौबे ने केंद्र सरकार पर सीधा निशाना साधा और कहा कि केंद्र सरकार उनकी मांगों को अभिलंब पूरा करें उनकी मांग नई नहीं है कुड़मी समुदाय को षड्यंत्र के तहत आदिवासी वर्ग से हटाया गया है जो उचित नहीं है ,देखा जाए तो आज की वर्तमान परिपेक्ष में फूट डालो और शासन करो का नीति अपनाई जा रही है बिना वोट बैंक देखें किसी भी प्रकार का विकास का कार्य नहीं हो पा रहा साफ तौर पर सत्ता में कैसे काबिज हो केवल इसको लेकर राजनीति की जा रही है आम जनता के कष्टों से केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार उन्हें कोई सरोकार नहीं।

संतोष सिंह को दूसरी बार कांग्रेस जिला अध्यक्ष बनाने का विरोध

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कांग्रेस के आला कमान द्वारा दूसरी बार धनबाद जिला अध्यक्ष संतोष सिंह को बनाए जाने से धनबाद कांग्रेसियो में विरोध देखने को मिला। बरवाअड्डा के अपना ढाबा में दर्जनों कांग्रेस के पदाधिकारियों ने बैठक कर संतोष सिंह को पार्टी से हटाने की मांग कर विरोध जताया। कांग्रेसियों ने बैठक के दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष संतोष सिंह पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया कुछ कार्यकताओं ने यहां तक कहा कि वह परोक्ष रूप से भाजपा के लिए काम करते हैं और भाजपा नेताओं के संपर्क में रहते हैं। बैठक में धनबाद प्रखण्ड पुर्व अध्यक्ष पप्पु पासवान ,टुण्डी से आनन्द मोदक ,ग्यारकुंड जियाउल हुसैन ,कलियासुल से ,आरिफ आलम ,निरसा प्रखण्ड से,डी एन यादव ,झरिया प्रखण्ड पुर्व अध्यक्ष रत्नेश यादव ,तोपचांची प्रखण्ड मुकेश कुमार ,अनुशुचित जाती जिला अध्यक्ष राजु दास ,सभी ने एक स्वर में संतोष सिंह का विरोध जताया और दिल्ली जा कर आलाकमान से ज्ञापन सौंप कर पदमुक्त करने की बात कही । साथ ही आरोप लगाते हुए कहा कि संतोष सिंह पद का गलत फायदा उठा रहें हैं, जो की धनबाद कांग्रेस के हीत में नहीं है ।

धनबाद में बस टर्मिनल स्थानांतरण का जेएलकेएम ने किया विरोध

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) धनबाद जिला इकाई ने रविवार को धनबाद परिसदन में प्रेस वार्ता कर बस टर्मिनल को कतरास स्थानांतरित किए जाने के प्रस्ताव का विरोध किया। संगठन ने इसे जनता की सुविधा के खिलाफ और अव्यावहारिक निर्णय बताया। जेएलकेएम के केंद्रीय प्रवक्ता सुशील मंडल ने कहा कि किसी भी शहर में बस टर्मिनल सामान्यतः

रेलवे स्टेशन से 2 से 3 किलोमीटर की दूरी पर होता है, लेकिन धनबाद में इसे लगभग 20 से 22 किलोमीटर दूर कतरास में बनाने की योजना है, जो यात्रियों के लिए बेहद असुविधाजनक है। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले छात्र, मजदूर और आम लोग जब धनबाद पहुंचेंगे, तो उन्हें शहर में आने के लिए अतिरिक्त 20 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ेगी, जिससे समय और पैसे दोनों की बबार्दी होगी। सुशील मंडल ने कहा कि शहर के रंगाटांड़ बस पड़ाव में लगभग 22 एकड़ जमीन उपलब्ध है, जहां नया टर्मिनल आसानी से बनाया जा सकता है। जबकि कतरास में सिर्फ 11 एकड़ भूमि है, जो अपर्याप्त है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि बस टर्मिनल धनबाद शहर के भीतर ही बनाया जाए और मौजूदा बस पड़ाव को ही विकसित किया जाए।

कुड़मी समाज द्वारा जनजातीय दर्ज देने की मांग के विरोध में आदिवासी एकता मंच की महाजनसभा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। टुंडी अंचल के मनियाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत गोयधा फुटबॉल मैदान में रविवार को आदिवासी एकता मंच के बैनर तले कुड़मी समाज की एसटी (अनुसूचित जनजाति) में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में एक विशाल महाजनसभा सह विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संथाल समाज सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए आदिवासी समुदाय के लोगों ने भाग लिया और जोरदार प्रदर्शन किया। आदिवासी नेताओं ने कहा कि कुड़मी समाज की ओर से की जा रही यह मांग एक राजनीतिक एजेंडा है, जिसका उद्देश्य आदिवासियों और कुड़मी समुदाय के बीच मतभेद पैदा करना है। उन्होंने कहा कि संविधान में जो आदिवासियों को आरक्षण का अधिकार दिया गया है, उस पर सीधा प्रहार किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने आदिवासियों के अधिकारों के साथ छेड़छाड़ की कोशिश की तो वे सड़कों पर उतरकर जोरदार आंदोलन करेंगे। सभा के दौरान वक्ताओं ने आदिवासी एकता बनाए रखने पर जोर दिया और कहा कि आज की यह जनआक्रोश रैली और महाजनसभा इस बात का प्रमाण है कि आदिवासी समाज अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट है।

बेतला नेशनल पार्क खुलने के बाद उमड़ रही है पर्यटकों की भीड़

डालटनगंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेतला नेशनल पार्क प्रजनन काल से बंद के बाद पर्यटकों के लिए पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर खोल दिया गया। रविवार को बड़ी संख्या में पर्यटक पार्क घूमने के लिए पहुंचे। बता दे कि पर्यटक प्रजनन काल के बाद पार्क खुलने का इंतजार कर रहे थे। पर्यटकों और स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल देखा गया। मौके पर पार्क के डिप्टी डायरेक्टर प्रजेशकांत जेना, वन विभाग के रेंजर उमेश दुबे और अजय टोप्पो , वनपाल, वनरक्षी व स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे। डिप्टी डायरेक्टर जैना ने रविवार दोपहर 2 बजे बताया कि बरसात के दौरान सुरक्षा कारणों से पार्क को बंद रखा गया था। अब मौसम अनुकूल हो गया है, इसलिए इसे पर्यटकों के लिए दोबारा खोल दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस सीजन में पर्यटक हाथी, हिरण, भालू समेत कई दुर्लभ वन्य जीवों और पक्षियों को देखने का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने आगे बताया कि पर्यटकों की सुविधा के लिए पार्क में सफारी वाहनों, प्रशिक्षित गाइड, सुरक्षा व्यवस्था और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया है। पर्यावरण को स्वच्छ रखने की अपील भी की गई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

C M Y K